शर्मा हार्डवेयर
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 13 | अंक : 39 | गुवाहाटी | बुधवार, 9 सितंबर, 2026 | मूल्य : 2 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

भारत की अर्थव्यवस्था ने ग्लोबल क्राइसिस में दुनिया को दिखाया रास्ता — पेज 2
नलबाड़ी में आलू वैल्यू चेन विकास पर मंत्री पीयूष हजारिका ने की समीक्षा — पेज 3
कांग्रेस ने पंजाब के मुख्यमंत्री आवास की ओर निकाला मार्च, पुलिस ने रोका — पेज 5
क्रिकेट आस्ट्रेलिया ने बिग बैश लीग में निजी निवेश का रास्ता खोला, मेलबर्न ... — पेज 7

असम के प्रोविंशियलाइजेशन स्कीम

शिक्षकों की नियुक्ति और नियमित करने की प्रक्रिया पर सुप्रीम कोर्ट ने लगाई रोक

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को असम सरकार और उसके शिक्षा विभागों को निर्देश दिया कि वे राज्य में *प्रोविंशियलाइजेशन* (प्रांतीयकरण) योजना के तहत स्कूलों और कॉलेजों में शिक्षकों की नियुक्ति या उन्हें शामिल न करें। चीफ जस्टिस सूर्य कांत और जस्टिस जॉयमाल्य बागची और वी. मोहना की बेंच ने पीआईएल याचिकाकर्ताओं राजेश चौहान और माधव मुकुंद पुजारी की ओर से पेश हुए सीनियर एडवोकेट रंजीत कुमार की दलीलों पर ध्यान दिया। इस पीआईएल में प्रोविंशियलाइजेशन (प्रांतीयकरण) के ढांचे को इस आधार पर चुनौती दी गई थी कि यह कथित तौर पर बिना किसी निष्पक्ष, पारदर्शी और प्रतिस्पर्धी भर्ती प्रक्रिया के मुख्य सरकारी सेवा में प्रवेश की अनुमति देता है। मामले पर आगे विचार होने तक, सुप्रीम कोर्ट ने अंतरिम आदेश दिया है कि लागू कानूनी नियमों (जैसे बच्चों के लिए मुफ्त और अनिवार्य शिक्षा का अधिकार अधिनियम, नेशनल काउंसिल फॉर टीचर एजुकेशन एक्ट, 1993 और यूनिवर्सिटी ग्रांट्स कमीशन एक्ट, 1956) के तहत स्कूलों और कॉलेजों में किसी भी शिक्षक की नियुक्ति या उन्हें शामिल नहीं किया जाएगा। वेंचर एजुकेशनल इंस्टीट्यूशन (निजी तौर पर शुरू किए गए शिक्षण संस्थान) के शिक्षकों और कर्मचारियों को सरकारी सेवा में शामिल करने (प्रोविंशियलाइजेशन) की कानूनी योजना के तहत, राज्य सरकार तय सैलरी और ग्रेच्युटी, पेंशन, और छुट्टी के बदले पैसे (लीव एनकैशमेंट) देने की जिम्मेदारी लेती है। ये सभी लाभ राज्य सरकार के कर्मचारियों के लिए बने मौजूदा नियमों के अनुसार दिए जाते हैं। सुप्रीम कोर्ट ने इस कानूनी योजना की संवैधानिक वैधता को चुनौती देने वाली याचिका पर केंद्र सरकार, असम सरकार, संबंधित कमिश्नर और सेक्रेटरी, और एलिमेंट्री एजुकेशन, सेकेंडरी एजुकेशन और हायर एजुकेशन के डायरेक्टरों को नोटिस जारी किया है। याचिकाकर्ताओं का तर्क है कि ऐसी व्यवस्था असंवैधानिक है और संविधान के आर्टिकल 14 और 16 का उल्लंघन करती है, जो कानून के सामने समानता और सरकारी नौकरी में समान अवसर की गारंटी देते हैं। याचिका में खास तौर पर असम एजुकेशन (प्रोविंशियलाइजेशन ऑफ सर्विसेज ऑफ टीचर्स एंड री-ऑर्गनाइजेशन ऑफ एजुकेशनल इंस्टीट्यूशन्स) एक्ट, 2017 के प्रावधानों को चुनौती दी गई है। आरोप है कि ये प्रावधान उन लोगों को सरकारी सेवा में शामिल करने की इजाजत देते हैं जिनके पास शिक्षकों की योग्यता तय करने वाले संसदीय कानूनों और नियमों के तहत जरूरी न्यूनतम योग्यता नहीं है। यह निर्देश असम सरकार के उस हालिया स्पष्टीकरण के बाद आया है जिसमें प्रोविंशियलाइज्ड ट्यूटर्स की लंबे समय से चली आ रही नियमित शिक्षक बनने की मांग पर बात की गई थी। सरकार ने कहा था कि जिन ट्यूटर्स के पास तय योग्यता नहीं है, उन्हें रेगुलर टीचर के तौर पर अपग्रेड नहीं किया जा सकता। शिक्षा मंत्री रानोज पेगू ने 6 सितंबर -शेष पृष्ठ दो पर

भूपेन हजारिका की 100वी जयंती

संग्रहालय और नई पहलों ने कवि की विरासत को दी नई गति

गुवाहाटी। असम में मंगलवार को डॉ. भूपेन हजारिका की 100वीं जयंती राज्य भर में विशेष कार्यक्रमों के साथ मनाई गई, क्योंकि जलुकबारी स्थित उनका समाधि क्षेत्र भावपूर्ण श्रद्धांजलि का केंद्र बन गया। मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा, उनके कैबिनेट सहयोगी, प्रसिद्ध पत्रकार और लेखिका अनुराधा शर्मा पुजारी और कई अन्य गणमान्य व्यक्ति समन्वय तीर्थ में सांस्कृतिक मामलों के निदेशालय द्वारा आयोजित कार्यक्रम में शामिल हुए। हजारिका को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए शर्मा ने कहा कि कुछ व्यक्तित्व न केवल अपने जीवनकाल में हासिल की गई उपलब्धियों के कारण अमर हो जाते हैं, बल्कि इसलिए भी अमर हो जाते हैं क्योंकि उनकी रचनाएं पीढ़ियों को प्रेरित करती रहती हैं। उन्होंने कहा -शेष पृष्ठ दो पर

पूर्वोत्तर भारत में 25 को लाखों कंठों से गूंजेगा *वंदे मातरम्*

गुवाहाटी (हि.स.)। राष्ट्रभाव एवं राष्ट्रीय एकात्मता की भावना को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से आगामी 25 सितंबर को पूर्वोत्तर भारत में *नमामि भारतम्* कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। इस अवसर पर पूर्वोत्तर के विभिन्न स्थानों पर लाखों लोग एक साथ *वंदे मातरम्* का सामूहिक गायन करेंगे। कार्यक्रम की तैयारियों के क्रम में गुवाहाटी स्थित असम प्रकाशन भारती में एक विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान अवनीश भटनागर द्वारा लिखित पुस्तक वंदे मातरम् के असमिया अनुवाद का विमोचन -शेष पृष्ठ दो पर

बाढ़ और जनगणना के कारण 10वीं और 12वीं की क्लास फरवरी-मार्च तक बढ़ाई गई

गुवाहाटी। असम राज्य स्कूल शिक्षा बोर्ड (एएसएसईबी) ने हाल ही में आई भयानक बाढ़ और राज्य में चल रही जनगणना गतिविधियों के कारण हुई रुकावटों का हवाला देते हुए 10वीं और 12वीं कक्षा के छात्रों के लिए रेगुलर क्लास की अवधि बढ़ा दी है। एएसएसईबी द्वारा मंगलवार को जारी एक नोटिफिकेशन के अनुसार, स्कूलों को कोर्स पूरा करने में मदद करने के लिए 10वीं कक्षा की रेगुलर क्लास 22 फरवरी, 2027 तक और 12वीं कक्षा की क्लास 8 मार्च, 2027 तक चल सकती हैं। नोटिफिकेशन में कहा गया है कि कुछ जिलों में हाल ही में आई भयानक बाढ़ और राज्य में चल रही जनगणना गतिविधियों -शेष पृष्ठ दो पर

door graph Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

सुप्रभात

मंत्रणा के समय कर्तव्य पालन में कभी ईर्ष्या नहीं करनी चाहिए।
– **आचार्य चाणक्य**

एससी ने प्रस्तावित एनआईए कोर्ट शुरू करने के लिए असम को चार हफ्ते का समय दिया

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने असम के अधिकारियों को निर्देश दिया है कि वे नेशनल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी (एनआईए) द्वारा जांच किए जाने वाले मामलों के लिए प्रस्तावित दो खास अदालतों को बनाने का काम तेज करें और उन्हें चार हफ्ते के अंदर चालू करें। यह निर्देश तब आया जब सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र, राज्य सरकारों और केंद्र शासित प्रदेशों से गंभीर मामलों – जिनमें नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रोपिक सब्सटेंस (एनडीपीएस) एक्ट के तहत आने वाले मामले भी शामिल हैं – के तेजी से निपटारे के लिए खास न्यायिक इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करने पर जोर दिया। सोमवार को स्पेशल खास अदालतें बनाने के मामले में -शेष पृष्ठ दो पर

मेघालय-असम टूरिस्ट टैक्सी विवाद खत्म, बिना किसी परेशानी के आवाजाही सुनिश्चित करने पर सहमत दोनों राज्य

शिलांग। मेघालय और असम के टूरिस्ट टैक्सी संगठनों के बीच चल रहा विवाद 8 सितंबर को सुलझ गया। यह विवाद गत 19 अगस्त को हुई हिंसा के बाद से चल रहा था। दोनों राज्य टूरिस्ट गाड़ियों की बिना किसी परेशानी के आवाजाही को आसान बनाने और पार्किंग, टॉयलेट सुविधाओं और पुलिस चेकिंग से जुड़ी चिंताओं को दूर करने पर सहमत हुए। अधिकारियों ने बताया कि यह समझौता शिलांग में हुई एक संयुक्त बैठक में हुआ, जिसमें असम के सात और मेघालय के पांच टूरिस्ट टैक्सी संगठनों ने हिस्सा लिया। बैठक की अध्यक्षता संयुक्त रूप से मेघालय के डिप्टी सीएम स्नियावभलांग धर और असम के मंत्री अतुल बोरा ने की। धर ने कहा कि बैठक, जिसकी शुरुआत में दोनों राज्यों के ट्रांसपोर्ट कमिश्नरों ने अध्यक्षता की थी, सकारात्मक रही और संगठनों द्वारा उठाई गई जायज चिंताओं को मान लिया गया। धर के अनुसार, मेघालय के संगठनों ने एयरपोर्ट पर टूरिस्ट गाड़ियों के लिए पार्किंग की जगह और टॉयलेट सुविधाओं की जरूरत का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि असम सरकार ने ये मांगें मान ली हैं और जरूरी कदम उठाएगी। दोनों सरकारों ने अपनी-अपनी पुलिस फोर्स को निर्देश दिया है कि वे गाड़ियों की चेकिंग के दौरान आपस में तालमेल बिठाएं ताकि टूरिस्ट टैक्सी ऑपरेटरों को बेवजह परेशान न होना पड़े और दोनों राज्यों के बीच आवाजाही आसानी से हो सके। धर ने कहा कि -शेष पृष्ठ दो पर

शिक्षा में भारतीय जीवन-मूल्यों के साथ वैश्विक दृष्टिकोण जरूरी : होसबाले

गुवाहाटी (हि.स.)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले ने मंगलवार को कहा कि शिक्षा केवल ज्ञान अर्जित करने का माध्यम नहीं, बल्कि विद्यार्थियों के समग्र व्यक्तित्व विकास और उनमें सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना विकसित करने का साधन होनी चाहिए। उन्होंने शिक्षा में भारतीयता, भारतीय जीवन-मूल्यों और सांस्कृतिक चेतना के समावेश के साथ विद्यार्थियों में वैश्विक दृष्टिकोण विकसित करने पर जोर दिया। होसबाले प्राग्ज्योतिषपुर विश्वविद्यालय में आयोजित *विश्वविद्यालय परिवार को विशेष संबोधन* कार्यक्रम में विद्यार्थियों, शिक्षकों और विश्वविद्यालय परिवार को संबोधित -शेष पृष्ठ दो पर

न्यूज गैलरी

भारत-चीन संबंध धीरे धीरे सकारात्मक दिशा में बढ़ रहे हैं : विदेश मंत्रालय

नई दिल्ली (हि.स.)। विदेश मंत्रालय ने कहा कि भारत-चीन संबंध धीरे-धीरे सकारात्मक दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। उन्होंने संबंधों को सामान्य बनाने में लोगों के बीच संपर्क को महत्वपूर्ण बताते हुए वीजा सुविधा को इसका प्रमुख हिस्सा बताया। भारत का कहना है कि दोनों देशों के बीच व्यापक संबंधों को आगे बढ़ाने के लिए -शेष पृष्ठ दो पर

महाराष्ट्र में सड़क दुर्घटना, मप्र के छह लोगों की मौत

बालाघाट भोपाल (हि.स.)। महाराष्ट्र के गोंदिया ग्रामीण थाना क्षेत्र में गोंदिया-बालाघाट मार्ग पर नागरा गांव के पास सोमवार की दरमियानी रात मजदूरों से भरी बोलेरो को एक तेज रफ्तार ट्रक ने टक्कर मार दी। इस हादसे में 6 लोगों की मौत हो गई। इनमें एक तीन साल की मासूम बच्ची भी शामिल है। इस हादसे में सात मजदूर गंभीर रूप से घायल हुए हैं, जिन्हें गोंदिया के जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। सभी मृतक -शेष पृष्ठ दो पर

बेलतला कांड : जल्द ही शुगर डैडी को मार डालूंगा, आरोपी पति ने दी धमकी

गुवाहाटी। गुवाहाटी में पत्नी की हत्या के आरोपी रामानुज गोस्वामी को कोर्ट ने 7 दिन की पुलिस रिमांड पर भेज दिया है। अदालत ले जाते समय आरोपी ने मीडिया के सामने न सिर्फ अपना जुर्म कबूला, बल्कि खुलेआम धमकी देते हुए कहा कि जेल की सजा काटने के बाद अपनी पत्नी के शुगर डैडी को भी जान से मार डालेगा। असमिया भाषा में पत्रकारों से बात करते हुए आरोपी ने कहा कि उसे अपने किए पर कोई पछतावा नहीं है और वह माफी नहीं मांगेगा। 25 वर्षीय मृतका रिया तालुकदार के पति से जब पत्रकारों ने उस अज्ञात व्यक्ति की पहचान पूछी, तो वह भड़क गया और मीडियाकर्मियों के साथ बदतमीजी करने लगा। यह खौफनाक मामला 6 सितंबर को तब सामने आया, जब पड़ोसियों को गुवाहाटी में कपल के अपार्टमेंट से तेज बदबू आने लगी। पड़ोसियों ने पुलिस को बताया कि उन्होंने -शेष पृष्ठ दो पर

दिल्ली में मणिपुरी संगीतकार की हत्या, सात गिरफ्तार

नई दिल्ली। दक्षिण दिल्ली के आश्रम इलाके में मणिपुर मूल के 54 वर्षीय संगीतकार और संगीत शिक्षक चोंगथम विक्रम सिंह की मौत के मामले में दिल्ली पुलिस ने सात लोगों को गिरफ्तार किया है। एक नाबालिग को भी हिरासत में लिया गया है। पुलिस के मुताबिक, देर रात शोर-शराबे को लेकर विवाद के बाद विक्रम सिंह के साथ कथित तौर पर मारपीट हुई थी। घटना किलोकरी गांव की बताई गई है। पुलिस के अनुसार, विक्रम सिंह -शेष पृष्ठ दो पर

पीएम मोदी की रैली से पहले पकड़े गए तीन संदिग्ध, फर्जी आईडी, बंदूक बरामद

मुंबई। मुंबई में पीएम मोदी की रैली से पहले पुलिस ने बीकेसी स्थित नीता मुकेश अंबानी कल्चरल सेंटर से पहले दो संदिग्धों को हिरासत में लिया है। पकड़े गए संदिग्धों के पास पीएमओ का फर्जी आईडी कार्ड और एक बंदूक बरामद की गई है। पकड़ा गया एक 24 वर्षीय युवक खुद को प्रधानमंत्री कार्यालय का वरिष्ठ अधिकारी बताकर परिसर में दाखिल होने की कोशिश कर रहा था। बंदूक से साथ हिरासत में लिया गया संदिग्ध बॉडीगार्ड के रूप में युवक के साथ था। हालांकि, पुलिस ने तीनों संदिग्धों के पीएम मोदी के -शेष पृष्ठ दो पर

यूएन के नक्शे में अक्साई चिन और अरुणाचल पर गलत दावा, असम सीमा से नगालैंड भी गायब

नई दिल्ली। संयुक्त राष्ट्र में 4 सितंबर को भारत समर्थित करेक्ट द मैप यानी नक्शा सुधार प्रस्ताव पारित किया गया था। इस प्रस्ताव के दौरान मंजूर किए गए दुनिया के नए नक्शे में भारत के अरुणाचल प्रदेश और अक्साई चिन को लेकर एक नया विवाद खड़ा हो गया है। इस नक्शे में इन दोनों क्षेत्रों को भारत और चीन की दावा रेखाओं के बीच फंसे हुए अलग-अलग क्षेत्रों के रूप में दिखाया गया है, जबकि भारत हमेशा से इन्हें अपना अभिन्न अंग मानता है। यह नक्शा 1 जुलाई को तैयार किया गया था। इसमें असम से सटे अरुणाचल प्रदेश की दक्षिणी सीमा को चीनी रेखा के तौर पर और उत्तरी सीमा को भारतीय रेखा के तौर पर दर्शाया गया है। इसमें नगालैंड के साथ राज्य की सीमा को हटा दिया गया है। इसी तरह, अक्साई चिन की पूर्वी सीमा को भारतीय रेखा और पश्चिमी सीमा को चीनी रेखा के रूप में दिखाया गया है, जिसे भारत लद्दाख का हिस्सा मानता है। पुराने नक्शों की तरह इसमें ये रेखाएं मौजूद तो हैं, लेकिन 2011 के संयुक्त राष्ट्र के -शेष पृष्ठ दो पर

मां दुर्गा के 10 की जगह 11 हाथ! बंगाल सरकार के विज्ञापन पर मचा बवाल

कोलकाता। दुर्गा पूजा के मौके पर भाजपा के एक कार्यक्रम के लिए छपे एक प्रिंट विज्ञापन ने पश्चिम बंगाल में बड़ा बवाल खड़ा कर दिया है। यह विज्ञापन 7 सितंबर को होने वाले एक फेस्टिवल कि मिलन मेला के लिए था। इसमें मां दुर्गा की तस्वीर है, लेकिन इस तस्वीर में मां दुर्गा को 10 की जगह 11 हाथ दिखाए गए हैं। विपक्षी तृणमूल कांग्रेस ने इस तस्वीर को लेकर भाजपा सरकार पर हमला बोला है। वहीं विज्ञापन को लेकर हंगामा मचने के बाद मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी ने माफी मांगी है। तृणमूल कांग्रेस ने सोशल मीडिया पर इस विज्ञापन को शेयर किया है। तृणमूल कांग्रेस ने कहा है कि यह भाजपा की राज्य की संस्कृति के प्रति अनदेखी और बेइज्जती का एक और उदाहरण है। तृणमूल कांग्रेस ने कहा कि तो अब, भाजपा सरकार के अनुसार, मां दुर्गा के 11 हाथ हैं... मां दुर्गा के 11 हाथ कब से हैं? और किसने सोचा था कि उन्हें इस तरह दिखाना ठीक है... उनके नेताओं से लेकर मुख्यमंत्री तक, मां दुर्गा और बंगाल की सांस्कृतिक परंपराओं के साथ बार-बार गलत -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
94350-14771

भारत की अर्थव्यवस्था ने ग्लोबल क्राइसिस में दुनिया को दिखाया रास्ता

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को कहा कि मुश्किल ग्लोबल हालात के बावजूद अप्रैल-जून तिमाही में भारत की अर्थव्यवस्था 7.8 प्रतिशत बढ़ी। उन्होंने इस ग्रोथ रेट को दुनिया के लिए नई उम्मीद की किरण बताया, खासकर ऐसे समय में जब दुनिया संघर्षों, व्यापारिक तनावों और ऊर्जा व तेल सप्लाई चेन में रुकावटों का सामना कर रही है। मुंबई में ग्लोबल फिनटेक फेस्ट के तीसरे चरण को संबोधित करते हुए मोदी ने कहा कि दुनिया लंबे समय से संघर्ष और अनिश्चितता के दौर से गुजर रही है, जिसमें ऊर्जा और कमोडिटी सप्लाई चेन पर दबाव है और व्यापार को लेकर लगातार तनाव बना हुआ है। मोदी ने कहा कि अप्रैल-जून तिमाही खास तौर पर चुनौतीपूर्ण रही, लेकिन भारत की मजबूत आर्थिक वृद्धि ने इसकी अर्थव्यवस्था की मजबूती को साबित किया। मोदी ने आगे कहा कि ऐसे में भी, जब भारत 7.8 प्रतिशत की दर से आगे बढ़ता है, तो दुनिया को एक नई उम्मीद दिखाई देती है। उन्होंने देश में बढ़ते ग्लोबल भरोसे के एक और सबूत के तौर पर भारत की बेहतर होती सॉवरेन रेटिंग की ओर भी ध्यान दिलाया। उन्होंने जापान की क्रेडिट रेटिंग एजेंसी द्वारा भारत की सॉवरेन रेटिंग को *ए* कैटेगरी में अपग्रेड किए जाने का जिक्र किया। पीएम मोदी ने कहा कि यह अपग्रेड लगभग तीन दशकों के बाद हुआ है। उन्होंने कहा कि यह भारत की आर्थिक विकास की रफ्तार, मैक्रो-इकोनॉमिक स्थिरता और हाल के वर्षों में किए गए स्ट्रक्चरल सुधारों में दुनिया के बढ़ते भरोसे को दिखाता है। उन्होंने आगे कहा कि भारत में सुधार की प्रक्रिया और भी तेजी से जारी रहेगी। मोदी ने कहा कि भारत की सुधार एक्सप्रेस और भी तेजी से आगे बढ़ेगी। उन्होंने आर्थिक और स्ट्रक्चरल सुधारों की रफ्तार बनाए रखने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता पर जोर दिया। भारत के डिजिटल पेमेंट सिस्टम, यूपीआई के 10 साल पूरे होने पर प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत का फिनटेक सफर शानदार रहा है और यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) इसकी सबसे बड़ी सफलताओं में से एक बनकर उभरा है। उन्होंने कहा कि यूपीआई ने डिजिटल पेमेंट को इतना बदल दिया है कि अब फिनटेक पर कोई भी चर्चा इस प्लेटफॉर्म का जिक्र किए बिना अधूरी होगी। उन्होंने कहा कि कई देशों तक पहुंचने के बाद यूपीआई का अगला कदम उन देशों के पेमेंट सिस्टम से जुड़ना होगा। उन्होंने कहा कि हमने सिंगापुर के साथ ऐसा किया है, और नतीजतन, भारत और सिंगापुर के बीच ट्रांजैक्शन वैसे ही हो रहे हैं जैसे किसी शहर की दो सड़कों के बीच होते हैं। हमें दूसरे देशों और बाजारों के साथ भी ऐसा ही कनेक्शन बनाना है। इस पहल के शुरुआती दिनों को याद करते हुए उन्होंने कहा कि जब उन्होंने ऐसे भविष्य की बात की थी जहां लोगों के पास उनके बैंक *उनकी उंगलियों पर* होंगे, तो कई लोगों को - जिनमें जानकार लोग भी शामिल थे - इस बात पर यकीन करना मुश्किल लगा था।

पांच चोर गिरफ्तार

मोरीगांव (हिंस)। मोरीगांव जिले के जागीरोड इलाके में बन रहे टाटा सेमीकंडक्टर साइड से चोरी करने के आरोप में पुलिस ने पांच चोरों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने मंगलवार को बताया कि निर्माणाधीन टाटा सेमीकंडक्टर क्षेत्र से सामान चुराने के आरोप में पांच चोरों को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार चोरों की पहचान मोरीगांव जिले के कसूआ सिंगीमारी गांव के अब्दुल हुसैन, दिलदार हुसैन, जाकिर हुसैन और जागीरोड के कूईयादल गांव के नूर जमाल हक और रफीक अली के रूप में की गई है।

राम मंदिर ट्रस्ट में फिर बदले फैसले पुराने कर्मचारियों की होने लगी वापसी

नई दिल्ली। राम मंदिर में चढ़ावा चोरी के मामले सामने आने के बाद श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट में बड़े परिवर्तन किए गए। बड़े फैसले और बदलाव के बाद मंदिर में नई कार्यप्रणाली को धरातल पर उतर जा रहा है और सभी व्यवस्थाओं को नए रूप से लागू किया जा रहा है। यही नहीं व्यवस्थाओं के साथ-साथ पुराने कर्मचारियों की वापसी भी ट्रस्ट में की जा रही है। राम मंदिर ट्रस्ट के महासचिव बने गोविंद देव पुराने फैसलों में लगातार बदलाव कर रहे हैं। जिन कर्मचारियों को दान चोरी का मामा सामने आने के बाद हटा दिया गया था, अब उनकी वापस होने लगी है। बताया जा रहा है कि इन कर्मचारियों में विनोद राव और अनिल मिश्रा के खास लोग भी शामिल हैं। इन सभी को उनके पुराने पदों पर तैनात किया जा रहा है। गोविंद देव के फैसले से यह संकेत मिलता है कि राम मंदिर का प्रबंधन एक बार फिर पुराने हाथों में जाने लगा है। राम मंदिर दान चोरी का मामला सामने आने के बाद चंपत राय ने महासचिव के पद से इस्तीफा दे दिया था। इसके बाद कृष्ण मोहन को अंतरिम महासचिव बनाया गया। कृष्ण मोहन ने व्यवस्थाओं को बेहतर करने के लिए, जिन कर्मचारियों के खिलाफ उन्हें शिकायत मिली थी, उनको उन्होंने हटा दिया। साथ ही कर्मचारियों को नोटिस देना शुरू किया और कई के पटल बदलने का काम किया। इन कर्मचारियों में विनोद राव और अनिल मिश्रा के भी खास लोग थे। कृष्ण मोहन ने बड़े पैमाने पर कर्मचारियों के पटल बदले और नोटिस जारी। हालांकि नोटिसों पर अमल अभी तक नहीं किया गया था। 2 सितंबर को ट्रस्ट की बैठक में सीईओ के एलान के बाद महासचिव की जिम्मेदारी गोविंद देव को सौंपी गई। गोविंद देव आते ही कृष्ण मोहन के फैसलों को पलटना शुरू कर दिया। इस दौरान उन्होंने गोपाल राव के सबसे करीबी माने जाने वाले सोमेश अलंदी को तीर्थ क्षेत्र पुरम से वापस राम मंदिर में तैनात करने का आदेश दिया गया। इसके अलावा कृष्ण मोहन ने जिन दर्जनों कर्मचारियों को कारण बताओ नोटिस जारी किया था, उन नोटिसों को वापस लेने के साथ-साथ नोटिसों को निष्प्रभावी करने का भी आदेश दे दिया गया। दो दिन पहले शहीद कार सेवक वासुदेव गुप्ता के बेटे संदीप गुप्ता के साथ ही केडी तिवारी और बजरंग पाठक को पुरानी जिम्मेदारियों के साथ बहाल कर दिया गया। तीर्थ यात्री सेवा केंद्र में लॉकर व्यवस्था में लगाए गए कर्मचारी संदीप गुप्ता को विदेशी महिला की शिकायत के बाद व्यवस्था से हटा दिया गया था।

नगांव के अल्पसंख्यक मतदाता इस बार एआईयूडीएफ के साथ : रेजाउल करीम सरकार

गुवाहाटी (हिंस)। एआईयूडीएफ नेता तथा नगांव लोकसभा उपचुनाव के प्रत्याशी रेजाउल करीम सरकार ने दावा किया है कि इस बार नगांव के अल्पसंख्यक मतदाता एआईयूडीएफ के पक्ष में मतदान करेंगे। सरकार ने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने अल्पसंख्यक समुदाय के साथ विश्वासघात किया है और उन्हें केवल वोट बैंक के रूप में इस्तेमाल किया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने अल्पसंख्यकों को डिटेंशन कैंप से निकालने से लेकर जमीन का पट्टा देने तक के वादे किए, लेकिन उन्हें पूरा नहीं किया। उन्होंने कहा कि इसीलिए अल्पसंख्यक मतदाता इस बार एआईयूडीएफ को वोट देंगे। नगांव लोकसभा उपचुनाव से पहले सरकार का यह बयान राजनीतिक रूप से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। उधर बड़ो भदेयागुड़ी और चेंगमारी-काशीपाड़ा गांव की सड़क पर आरसीसी कलवर्ट निर्माण कार्य का शिलान्यास फकीराग्राम परिषद क्षेत्र के पार्षद एजामुल हक ने किया। उक्त निर्माण कार्य पंचदश वित्त आयोग-2025-26 के तहत प्राप्त निधि से किया जाएगा। कलवर्ट के निर्माण से संबंधित सड़क पर आवागमन की सुविधा में सुधार होने तथा स्थानीय लोगों की लंबे समय से चली आ रही आवाजाही संबंधी समस्या के समाधान में मदद मिलने की उम्मीद है।

अफगान क्रिकेट बोर्ड ने नक्शे में पीओके और गिलगित बाल्टिस्तान को दिखाया भारत का हिस्सा

नई दिल्ली। पाकिस्तान को शायद सबसे ज्यादा तकलीफ तब होती है, जब उसकी बनाई हुई कहानी पर कोई पड़ोसी देश भरोसा करने से इंकार कर दे। अब अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड यानी एसीबी के एक प्रमोशनल वीडियो ने इस्लामाबाद की बेचैनी को एक बार फिर खुलकर सामने ला दिया है। हम आपको बता दें कि भारत और अफगानिस्तान के बीच होने वाली आगामी क्रिकेट सीरीज के प्रचार वीडियो में भारत के नक्शे को लेकर उठे विवाद ने पाकिस्तान को इतना परेशान कर दिया है कि मामला कथित तौर पर पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड से होते हुए विदेश कार्यालय तक पहुंच गया। दरअसल, अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने रविवार को अपने आधिकारिक एक्स अकाउंट पर भारत-अफगानिस्तान सीरीज का प्रमोशनल वीडियो साझा किया। वीडियो में पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर यानी पीओके और गिलगित-बाल्टिस्तान को भारत का हिस्सा दिखाया गया। बस फिर क्या था। पाकिस्तान की कथित क्षेत्रीय संवेदनशीलता को गहरी चोट पहुंच गई। सूत्रों के मुताबिक पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने इस नक्शे को लेकर पाकिस्तान के विदेश कार्यालय के समक्ष चिंता जताई है। हालांकि पीसीबी ने विदेश मंत्रालय को औपचारिक रूप से क्या संदेश दिया और किस तरह की आपत्ति दर्ज कराई, इसकी पूरी जानकारी सामने नहीं आई है। लेकिन इतना जरूर कहा जा रहा है कि इस्लामाबाद इस मुद्दे को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर उठाने पर भी विचार कर सकता है। यह विवाद ऐसे समय में सामने आया है, जब काबुल और इस्लामाबाद के रिश्ते पहले से ही तल्खी के दौर से गुजर रहे हैं। सीमा विवाद, सुरक्षा मुद्दे, सीमा पर झड़पें और हवाई हमलों के आरोपों ने दोनों देशों के बीच अविश्वास को और गहरा किया है। पाकिस्तान लगातार अफगान तालिबान पर तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान यानी टीटीपी को पनाह देने का आरोप लगाता रहा है और पाकिस्तान के भीतर होने वाले कई घातक हमलों के लिए टीटीपी को जिम्मेदार ठहराता है। भारतीय खुफिया सूत्रों का कहना है कि काबुल और इस्लामाबाद के बीच बढ़ता तनाव अब केवल सीमा तक सीमित नहीं रह सकता। इसका असर सांस्कृतिक और खेल कूटनीति जैसे *सॉफ्ट पावर* के मंचों पर भी दिखाई दे रहा है। एसीबी के प्रमोशनल वीडियो को इसी व्यापक संदर्भ में देखा जा रहा है। सूत्रों का मानना है कि अपने आधिकारिक ब्रांडिंग प्लेटफॉर्म के जरिए पाकिस्तान की क्षेत्रीय संवेदनशीलताओं की परवाह न करना काबुल के स्वतंत्र विदेश नीति रुख का संकेत हो सकता है। संदेश साफ है कि अफगानिस्तान भारत के साथ अपने रिश्तों और खेल कूटनीति को पाकिस्तान की पसंद-नापसंद के हिसाब से चलाने को तैयार नहीं दिखता।

पृष्ठ एक का शेष

शिक्षकों की नियुक्ति ...

को एक कार्यक्रम के दौरान कहा कि जिन ट्यूटर्स के पास बी.एड या डी.ईआई.एड की योग्यता नहीं है, या जिन्होंने टीईटी पास नहीं किया है, उन्हें रेगुलर टीचर के तौर पर अपग्रेड नहीं किया जा सकता। यह बात समझनी होगी।

संग्रहालय और नई ...

कि इतिहास में अक्सर ऐसे व्यक्ति का जन्म होता है जो न केवल दुनिया के लिए एक उदाहरण प्रस्तुत करता है बल्कि अपनी रचनाओं और विरासत के माध्यम से अमर हो जाता है। भूपेन हजारिका ऐसे ही एक व्यक्ति थे। घोषित पहलों में से एक श्रीमंत शंकरदेव कलाक्षेत्र में हजारिका को समर्पित एक संग्रहालय का निर्माण था, जिसे 35.77 करोड़ रुपए की लागत से विकसित किया जाएगा। 3.24 बीघा में फैली इस परियोजना को उत्तर पूर्वी परिषद से 14 करोड़ रुपए मिलेंगे, जबकि शेष 20 करोड़ रुपए असम सरकार वहन करेगी। शर्मा ने हजारिका की कृतियों और वस्तुओं को संरक्षित रखने वालों से अपील की कि वे प्रस्तावित संग्रहालय में संरक्षण के लिए उन्हें सरकार को सौंप दें। सरकार पश्चिम बंगाल सरकार से कोलकाता के टॉलीगंज स्थित हजारिका के पूर्व आवास को अधिग्रहित करने के लिए भी बातचीत कर रही है। शर्मा ने कहा कि मैंने पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री को पत्र लिखा है और सांस्कृतिक विभाग भी इस पर काम कर रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार ने गौहाटी विश्वविद्यालय से समाधि क्षेत्र के विकास के लिए एक से दो बीघा जमीन उपलब्ध कराने का अनुरोध किया है। उन्होंने यह भी कहा कि विश्वविद्यालय से हजारिका के आदर्शों से प्रेरित एक प्रदर्शन कला विभाग स्थापित करने का अनुरोध किया गया है, साथ ही एक छोटे सभागार की आवश्यकता पर भी विचार करने को कहा गया है। प्रेस से बात करते हुए शर्मा ने कहा कि सरकार समन्वय तीर्थ में संवर्धित और आभासी वास्तविकता सुविधाओं सहित कई दीर्घकालिक पहलों की योजना बना रही है ताकि स्थल को अधिक आकर्षक और यथार्थवादी बनाया जा सके, साथ ही एक क्षेत्रीय थिएटर कार्यशाला भी आयोजित की जा सके। शर्मा ने कहा कि हजारिका के जीवन और विरासत से अधिक से अधिक लोगों को जोड़ने के लिए, सांस्कृतिक मामलों का विभाग एक इंस्टाग्राम रील प्रतियोगिता का भी आयोजन करेगा। 16 से 45 वर्ष की आयु के लोग हजारिका पर 30 सेकंड का एक मौलिक वीडियो बनाकर और उसे इंस्टाग्राम पर अपलोड करके, साथ ही पंजीकरण के लिए एक गूगल ड्राइव लिंक जमा करके भाग लेने के पात्र होंगे। इन रीलों के बौद्धिक संपदा अधिकार इनके रचनाकारों के पास रहेंगे और विजेताओं को नकद पुरस्कार प्राप्त होंगे। इस प्रतियोगिता के माध्यम से, युवा पीढ़ी को भूपेन हजारिका की विरासत के बारे में जानने और उसे लोकप्रिय बनाने का अवसर मिलेगा, शर्मा ने कहा।

पूर्वोत्तर भारत में...

किया गया। पुस्तक का संयुक्त रूप से विमोचन प्राग्ज्योतिषपुर विश्वविद्यालय के कुलाधिपति लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) राणा प्रताप कलिता, कुलपति प्रो. राघवेंद्र तिवारी, विद्या भारती उच्च शिक्षा संस्थान की संगठन मंत्री केएन रघुनन्दन, विद्या भारती पूर्वोत्तर क्षेत्र के मंत्री डॉ. पवन तिवारी, क्षेत्र मंत्री डॉ. जगदिंद्र राय चौधुरी तथा विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. देवव्रत खनिकर ने किया। नमामि भारतम् के तहत 25 सितंबर को पूर्वोत्तर भारत के विभिन्न स्थानों पर व्यापक स्तर पर सामूहिक वंदे मातरम् गायन आयोजित किया जाएगा। शिशु शिक्षा समिति असम के प्रचार संयोजक मुकुटेश्वर गोस्वामी ने बताया कि कार्यक्रम का उद्देश्य समाज के विभिन्न वर्गों, विशेषकर युवाओं में राष्ट्रप्रेम, सांस्कृतिक गौरव और राष्ट्रीय एकात्मता की भावना को जागृत एवं सुदृढ़ करना है।

बाढ़ और जनगणना के कारण...

के कारण, इस बात की पूरी संभावना है कि 10वीं और 12वीं कक्षा का कोर्स क्रमशः फरवरी 2027 के पहले सप्ताह (10वीं कक्षा के मामले में) और 28 फरवरी (12वीं कक्षा के मामले में) तक पूरा नहीं हो पाएगा। नोटिफिकेशन में यह भी कहा गया है कि एचएसएलसी परीक्षा और एचएस फाइनल परीक्षा का शेड्यूल बदले हुए इंतजामों के अनुसार तय किया जाएगा। जानकारी और जरूरी कार्रवाई के लिए नोटिफिकेशन की कॉपी शिक्षा मंत्री के कार्यालय, स्कूल शिक्षा विभाग के कमिश्नर और सेक्रेटरी, माध्यमिक शिक्षा निदेशक, सभी स्कूल इंस्पेक्टर, परीक्षा नियंत्रक, एएसएसईबी डिवीजन वन और टू, राज्य एकेडमिक काउंसिल और विभिन्न शिक्षक और कर्मचारी संघों को भेज दी गई हैं। यह समय-सीमा बढ़ाने का फैसला ऊपरी असम में बाढ़ और चल रही जनगणना प्रक्रिया के कारण हुई रुकावटों को देखते हुए लिया गया है, क्योंकि इन दोनों ही वजहों से पूरे राज्य में सामान्य कामकाज प्रभावित हुआ है। 19 जुलाई से शुरू हुई ऊपरी असम की बाढ़ में मरने वालों की संख्या 108 हो गई है, और अधिकारी 26,681 घरों और 18,887 पशु शेड को हुए नुकसान का आकलन कर रहे हैं। साथ ही, असम में जनगणना का काम भी चल रहा है, जिसमें 17 अगस्त से 15 सितंबर तक पूरे राज्य में घरों की लिस्टिंग और हाउसिंग जनगणना का चरण पूरा किया जा रहा है। यह प्रक्रिया सेल्फ-एन्यूमरेशन (खुद जानकारी भरने) के चरण के बाद हो रही है, जिसके दौरान 11.64 लाख से ज़्यादा परिवारों ने अपनी जानकारी ऑनलाइन जमा की थी।

एससी ने प्रस्तावित एनआईए ...

स्वतः संज्ञान (सो मोटो) लेते हुए सुनवाई कर रही जस्टिस सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली तीन जजों की बेंच ने एनडीपीएस एक्ट के तहत मामलों में *चिंताजनक बढ़ोतरी* देखी और जल्द से जल्द जरूरी अदालतें स्थापित करने को कहा। सुनवाई के दौरान राज्य के वकील ने शीर्ष अदालत को बताया कि असम में पहले से ही एक चालू एनआईए अदालत है। बेंच ने कहा कि एनआईए मुकदमों के लिए समर्पित अदालतें स्थापित करने के उसके पिछले निर्देशों का मकसद *काफी हद तक हासिल* कर लिया गया है। हालांकि, कई राज्यों में अभी भी कमियां हैं, जिसके चलते अदालत को और निर्देश जारी करने पड़े, जिसमें असम के लिए अपनी दो प्रस्तावित एनआईए अदालतों को चालू करने की चार हफ्ते की समय-सीमा भी शामिल है। एडिशनल सॉलिसिटर जनरल ऐश्वर्या भाटी ने बेंच (जिसमें जस्टिस जॉयमाल्य बागची और वी मोहना भी शामिल थे) को बताया कि एनडीपीएस मामलों से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए देश भर में 449 स्पेशल अदालतों की जरूरत थी, जिनमें से 176 पहले से ही चालू थीं। अदालत ने संबंधित अधिकारियों को जरूरी कदम उठाने और बाकी अदालतों के लिए जरूरी इंफ्रास्ट्रक्चर उपलब्ध कराने का निर्देश दिया, और कहा कि यह काम छह हफ्ते के भीतर हो तो बेहतर है। एनआईए मामलों पर अदालत को बताया गया कि देश भर में आठ नई खास अदालतें स्थापित की गई हैं, जिससे इनकी कुल संख्या 22 हो गई है। एनआईए मुकदमों के सालों तक लंबित रहने की चिंताओं के बीच स्वतः संज्ञान (सो मोटो) लेते हुए यह कार्यवाही शुरू की गई थी। सुप्रीम कोर्ट ने इस बात पर जोर दिया है कि आरोपी और पीड़ित दोनों के अधिकारों में संतुलन बनाए रखने के लिए ऐसे मामलों का जल्द निपटारा जरूरी है।

मेघालय-असम टूरिस्ट...

दोनों संगठनों ने अब से मिलकर काम करने का वादा किया है। अगर कोई छोटी-मोटी कमी रह जाती है, तो उसे कुछ दिनों में सुलझा लिया जाएगा। असम और मेघालय के ट्रांसपोर्ट कमिश्नरों की अध्यक्षता वाली एक सब-कमेटी भी जरूरत पड़ने पर बैठक करेगी ताकि संगठनों के बीच भविष्य के किसी भी मुद्दे को सुलझाया जा सके और ऐसी रुकावटों को रोका जा सके। असम के मंत्री अतुल बोरा ने बताया कि 19 अगस्त की हिंसा के बाद मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने उन्हें तुरंत मेघालय के साथ बातचीत करने का निर्देश दिया था। बोरा ने कहा कि इसके बाद 22 अगस्त को गुवाहाटी में एक बैठक हुई, जिसमें कुछ प्रस्तावों को अपनाया गया। उन्होंने कहा कि वे प्रदर्शनकारियों से भी मिले और उन्होंने बाद में अपना विरोध प्रदर्शन वापस ले लिया। बोरा ने कहा कि मंगलवार को हुई फॉलो-अप बैठक मेघालय के संगठनों के अनुरोध पर आयोजित की गई थी और अब स्थिति सामान्य हो गई है। उन्होंने कहा कि सरकारें 23 अगस्त को अपनाए गए प्रस्तावों पर काम कर रही हैं। बोरा ने कहा कि संगठन काफी हद तक खुश हैं। हम 23 अगस्त को अपनाए गए प्रस्तावों पर काम कर रहे हैं। अब स्थिति सामान्य है। इस नए समझौते से असम और मेघालय के बीच टूरिस्ट टैक्सी की आवाजाही आसान होने की उम्मीद है। साथ ही, इससे दोनों राज्यों को भविष्य में आने वाली ऑपरेशनल दिक्कतों को सुलझाने के लिए एक तरीका भी मिलेगा।

बेलतला कांड : जल्द ही...

इस नई शादीशुदा जोड़ी को दो दिन से नहीं देखा है और दोनों के मोबाइल फोन भी बंद आ रहे हैं। जब पुलिस ने अपार्टमेंट का ताला तोड़ा, तो उन्हें अंदर महिला की लाश मिली। पुलिस के मुताबिक, महिला की उंगलियां थोड़ी कटी हुई थीं, शरीर सड़ना शुरू हो गया था और धड़ से सिर गायब था। बाद में शव की पहचान रिया तालुकदार के रूप में हुई, जिसकी रामानुज से कुछ महीने पहले ही शादी हुई थी। फ्लैट की तलाशी लेने पर पुलिस को एक फ्रिज के अंदर पॉलीथिन बैग में रखा हुआ रिया का कटा सिर मिला। शव मिलने के बाद पुलिस ने रामानुज की तलाश शुरू कर दी थी, जो घर से फरार था। पड़ोसियों ने उसे आखिरी बार शुक्रवार को देखा था। रविवार देर रात रामानुज ने खुद पुलिस के सामने सरेंडर कर दिया, जिसके बाद कोर्ट ने उसे 7 दिन की पुलिस रिमांड पर भेज दिया। पुलिस ने रिया के शव और सिर को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस अब रामानुज से पूछताछ कर रही है ताकि हत्या का असली कारण पता चल सके और घटना की पूरी कड़ी को जोड़ा जा सके। जांचकर्ताओं को शक है कि किसी बात पर झगड़ा होने के बाद रामानुज ने रिया पर किसी धारदार हथियार से हमला किया था।

दिल्ली में मणिपुरी ...

ने उनके घर के सामने डिलीवरी कर्मचारियों और ढाबा कर्मियों द्वारा कथित रूप से किए जा रहे शोर पर आपत्ति जताई थी। इसके बाद कहासुनी हुई और मामला मारपीट तक पहुंच गया। घायल विक्रम को उनके बेटे याइफाबा ने होली फैमिली अस्पताल पहुंचाया, जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। दक्षिण-पूर्वी जिले के डीसीपी विनीत कुमार के अनुसार, विवाद के बाद हुई मारपीट में विक्रम सिंह घायल हुए थे और अस्पताल में उन्होंने दम तोड़ दिया। पुलिस ने घटना में शामिल आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने भी कहा कि घटना में कथित रूप से शामिल सभी आठ लोगों को गिरफ्तार किया गया है। उन्होंने बताया कि पुलिस जल्द ही अदालत में मजबूत आरोपपत्र दाखिल करेगी और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई सुनिश्चित करने की कोशिश की जाएगी। घटना के बाद दिल्ली में रहने वाले पूर्वोत्तर समुदाय के लोगों ने जल्द न्याय की मांग की है। पड़ोसियों और समुदाय के सदस्यों ने विक्रम सिंह को एक अच्छे इंसान, गायक, गिटारिस्ट और संगीत शिक्षक के रूप में याद किया। कुछ लोगों ने पूर्वोत्तर के लोगों के साथ कथित भेदभाव को लेकर भी चिंता जताई। किरेन रिजिजू ने कहा कि पूर्वोत्तर के लोग भी भारत के नागरिक हैं और इस घटना को राजनीतिक मुद्दा बनाने के बजाय दोषियों के खिलाफ कार्रवाई पर ध्यान दिया जाना चाहिए। रिजिजू के मुताबिक, विक्रम सिंह के पार्थिव शरीर को बुधवार को मणिपुर ले जाने की व्यवस्था की गई है। उन्होंने कहा कि मामले में तेजी से कार्रवाई की जाएगी और दोषियों को कड़ी सजा दिलाने की कोशिश होगी।

पीएम मोदी की रैली ...

कार्यक्रम से संबंध होने की संभावना को खारिज किया। मुंबई पुलिस ने बताया कि नीता मुकेश अंबानी कल्चरल सेंटर से तीन संदिग्धों को हिरासत में लिया गया है। मंगलवार को यहां प्रधानमंत्री मोदी का एक कार्यक्रम प्रस्तावित है। पुलिस के मुताबिक, हिरासत में लिए गए एक व्यक्ति की पहचान 24 वर्षीय रोहन पारेख के रूप में हुई है। रोहन पारेख ने खुद को प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) का अधिकारी बताया था। जांच करने पर उसके पास से पीएमओ का फर्जी पहचान पत्र मिला। आरोपी के साथ मौजूद अन्य साथियों के पास से एक बंदूक भी बरामद हुई है। पुलिस के अनुसार बंदूक का लाइसेंस वैध पाया गया। मुंबई पुलिस के अनुसार, तीन लोगों ने एक संदिग्ध सरकारी आईडी कार्ड का इस्तेमाल किया और हथियार लेकर मॉल की सिक्योरिटी को पार करते हुए जबरदस्ती बीकेसी के जियो वर्ल्ड प्लाजा में घुस गए। बीकेसी पुलिस स्टेशन में सरकारी कर्मचारी होने का नाटक करने और हथियार के साथ गैर-कानूनी तरीके से घुसने समेत बीएनएस की कई धाराओं के तहत एफआईआर दर्ज की गई है। क्राइम ब्रांच मामले की आगे जांच कर रही है। हथियार का लाइसेंस वैध पाया गया है और इस मामले में दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस दोनों आरोपियों के मोबाइल फोन, दस्तावेजों और सामान की जांच कर रही है ताकि यह पता लगाया जा सके कि वे कार्यक्रम स्थल में क्यों घुसे थे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मंगलवार शाम को दुनिया के सबसे बड़े फिनटेक सम्मेलनों में से एक ग्लोबल फिनटेक फेस्ट 2026 का उद्घाटन करने वाले हैं। चार दिनों तक चलने वाले इस सम्मेलन की थीम प्रभाव की क्षमता। एजेंटिक एआई, टोकनाइजेशन, क्वांटम - समावेशी वित्त के लिए विश्वसनीय, कनेक्टेड, वैश्विक प्रणालियां रखी गई है।

शिक्षा में भारतीय ...

कर रहे थे। उन्होंने व्यक्ति और समाज के विकास में शिक्षा की महत्वपूर्ण भूमिका पर विस्तार से प्रकाश डाला। सरकार्यवाह ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के प्रमुख आयामों का उल्लेख करते हुए विद्यार्थी-केंद्रित शिक्षा, अनुभवात्मक अधिगम, कौशल आधारित शिक्षा, चरित्र निर्माण और मूल्य शिक्षा को महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि शिक्षा का उद्देश्य केवल पाठ्यक्रम पूरा करना या डिग्री हासिल करना नहीं होना चाहिए, बल्कि इसके माध्यम से विद्यार्थियों में जीवन के प्रति व्यापक समझ, जिम्मेदारी और समाज के प्रति संवेदनशीलता विकसित होनी चाहिए। संघ के सरकार्यवाह ने विश्वविद्यालय के प्रथम बैच के विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि इस बैच का विश्वविद्यालय के इतिहास में विशेष और स्थायी स्थान रहेगा। उन्होंने शिक्षकों और विद्यार्थियों के प्रयासों की सराहना करते हुए प्राग्ज्योतिषपुर विश्वविद्यालय को सामूहिक एवं गैर-लाभकारी प्रयासों से स्थापित संस्थान बताया। इससे पहले कार्यक्रम का शुभारंभ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राघवेंद्र प्रसाद तिवारी के स्वागत संबोधन से हुआ। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय भारतीय ज्ञान परंपरा, संस्कृति, परंपराओं और जीवन-मूल्यों के संरक्षण, संवर्धन एवं प्रसार के लिए प्रतिबद्ध है। कुलपति ने कहा कि आधुनिक एवं वैश्विक शिक्षा के साथ विद्यार्थियों को अपनी जड़ों से जोड़ना भी आवश्यक है। विश्वविद्यालय का उद्देश्य विद्यार्थियों को मूल्यनिष्ठ और सशक्त बनाना तथा उन्हें ऐसे समाज के निर्माण में योगदान के लिए तैयार करना है, जो अपनी सांस्कृतिक विरासत से जुड़ा होने के साथ आधुनिक चुनौतियों का सामना करने में सक्षम हो। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलाधिपति लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) राणा प्रताप कलिता भी उपस्थित रहे। इस अवसर पर विश्वविद्यालय परिसर में वृक्षारोपण कार्यक्रम भी आयोजित किया गया। संघ के अखिल भारतीय कार्यकारिणी सदस्य वी. भागैया और दत्तात्रेय होसबाले ने पौधारोपण किया। कार्यक्रम के अंत में विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. देवव्रत खनिकर ने धन्यवाद ज्ञापन किया। उन्होंने कार्यक्रम में उपस्थित अतिथियों, विश्वविद्यालय नेतृत्व, शिक्षकों, विद्यार्थियों और समस्त विश्वविद्यालय परिवार के प्रति आभार व्यक्त किया।

यूएन के नक्शे में ...

नक्शे के विपरीत, इस नए नक्शे में इन्हें स्पष्ट रूप से दावा रेखा नहीं लिखा गया है। इस नए नक्शे में जम्मू-कश्मीर को एक बिंदुदार रेखा के साथ दिखाया गया है, जो भारत और पाकिस्तान के बीच नियंत्रण रेखा (एलओसी) को दर्शाती है। नक्शे के बाईं ओर एक नोट में स्पष्ट रूप से लिखा गया है कि यह बिंदुदार रेखा भारत और पाकिस्तान के बीच सहमत नियंत्रण रेखा को दर्शाती है और जम्मू-कश्मीर की अंतिम स्थिति पर अभी दोनों पक्षों के बीच सहमति नहीं बनी है। हालांकि, नक्शे में इस बात का कोई स्पष्टीकरण नहीं दिया गया है कि अरुणाचल प्रदेश और अक्साई चिन को भारत और चीन के दावों के बीच क्यों फंसा हुआ दिखाया गया है। इस नक्शे को लेकर चर्चा मार्च 2026 में शुरू हुई थी, जब अफ्रीकन यूनियन ने अफ्रीका को अधिक सटीक रूप से दर्शाने के लिए एक नए तरीके का समर्थन किया था। इसे संज्ञानात्मक न्याय का नाम दिया गया। इसके बाद टोगो देश ने अप्रैल में इस पर विचार-विमर्श शुरू किया और जुलाई में संयुक्त राष्ट्र द्वारा तैयार किया गया यह नया नक्शा सामने आया। हालांकि यह नक्शा किसी के लिए बाध्यकारी नहीं है, लेकिन दुनिया भर के अंतर्राष्ट्रीय संस्थान इसका इस्तेमाल करेंगे। भारतीय विदेश मंत्रालय ने रविवार को स्पष्ट किया कि भारत ने करेक्ट द मैप प्रस्ताव में वोट जरूर दिया था, लेकिन समर्थन सिर्फ नक्शों को समानता के साथ दिखाने के सिद्धांत के लिए था। विदेश मंत्रालय ने कहा कि हमने यह भी स्पष्ट किया था कि इस प्रस्ताव का समर्थन करने का मतलब किसी विशिष्ट नक्शे या राष्ट्रीय सीमाओं के गलत चित्रण को स्वीकार करना नहीं है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने सख्त लहजे में कहा कि जम्मू-कश्मीर और अक्साई चिन सहित लद्दाख के केंद्र शासित प्रदेशों समेत भारत के संप्रभु क्षेत्र को भारत के आधिकारिक नक्शे के अनुसार ही दिखाया जाना चाहिए। कोई भी गलत या भ्रामक चित्रण हमें बिल्कुल स्वीकार्य नहीं है। भारत का आधिकारिक नक्शा अरुणाचल प्रदेश और पूरे जम्मू-कश्मीर तथा लद्दाख को भारत का संप्रभु हिस्सा दिखाता है। इस नए नक्शे में एक बात भारत के पक्ष में भी रही है। नेपाल के साथ चल रहे कालापानी सीमा विवाद के मामले में नक्शा भारत के रुख का समर्थन करता हुआ नजर आता है। इसमें कालापानी-लिपुलेख-लिम्पियाधुरा क्षेत्र पर भारत का नियंत्रण दिखाया गया है, जिस पर नेपाल अपना दावा करता है।

मां दुर्गा के 10 की ...

व्यवहार करना बहुत अपमानजनक है! मां की घर वापसी लाखों बंगालियों के लिए पवित्र है। फिर भी, एक सरकार जो बंगाल के लिए बोलने का दावा करती है, वह बंगाली संस्कृति, परंपराओं और बंगाल की पहचान बताने वाले त्योहारों से तेजी से कटती दिख रही है, पोस्ट में लिखा था कि जो *एनाफ ईज एनाफ* के साथ खत्म हुई थी। दूसरी ओर, मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी ने कहा कि मैं मां दुर्गा को 10 के बजाय 11 हाथों वाला दिखाने वाले गलत सरकारी विज्ञापन के लिए माफी मांगता हूं। हम ज्यादा सावधान रहेंगे और अधिकारियों को भी चेतावनी दी है। मुख्यमंत्री ने आज एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में इस मामले को समझाते हुए कहा कि पिछली तृणमूल सरकार के उलट, नई सरकार दुर्गा पूजा कार्निवल नहीं करेगी। मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी ने कहा कि हम इसके बजाय महालया पर ईडन गार्डन्स में सबसे बड़ा प्रोग्राम करेंगे। ड्रोन होंगे, आतिशबाजी होगी और पूरा प्रोग्राम 4 घंटे का होगा। हम रोड शो भी करेंगे, उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि इसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी शामिल होंगे। उन्होंने कहा कि दीघा में एक अलग प्रोग्राम होगा। उन्होंने कहा कि छह शहरों में कल्चरल प्रोग्राम होंगे। कोलकाता में चार गंगा घाटों को पूजा के लिए सजाया जाएगा... हम इस दुर्गा पूजा में बंगाली कल्चर को बनाए रखेंगे। उन्होंने कहा कि मां दुर्गा और उनकी धार्मिक आस्था को कोई नुकसान नहीं पहुंचाया जाएगा। पिछली सरकार की तरह विसर्जन के लिए क्रेन का इस्तेमाल नहीं किया जाएगा। पितृपक्ष के दौरान दुर्गापूजा पंडाल का उद्घाटन नहीं होगा। देवीपक्ष में ही उद्घाटन होगा। इसके साथ ही दुर्गापूजा और विसर्जन में कोई डीजे नहीं बजेगा। सीएम सुवेंदु अधिकारी ने साफ कहा कि दुर्गापूजा की धार्मिक आस्था को कोई नुकसान नहीं पहुंचाया जाएगा। महाअष्टमी के दौरान पश्चिम बंगाल में सभी बार और वाइन शॉप बंद रहेंगे।

भारत-चीन संबंध धीरे...

सीमा पर निरंतर शांति और स्थिरता आवश्यक है। एक अन्य प्रश्न के उत्तर में मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने बताया कि 6 सितंबर को अरुणाचल प्रदेश के वाचा और 7 सितंबर को चीन के दमाई में भारत और चीन के वरिष्ठ सैन्य कमांडर स्तर पर पहली फ्लैग मीटिंग हुई।

महाराष्ट्र में सड़क ...

और घायल बालाघाट के रहने वाले हैं। बालाघाट जिले के किरनापुर क्षेत्र के ग्राम किन्ही, लोढामा, पिपलगांव और पल्हेरा के लोग मजदूरी करने के लिए बोलेरो वाहन से हैदराबाद जा रहे थे। इसी दौरान सोमवार की रात करीब 12 से एक बजे के बीच महाराष्ट्र के गोंदिया ग्रामीण थाना क्षेत्र के नागरा में यह हादसा हो गया। मजदूरों से भरी बोलेरो गाड़ी को सामने से आ रहा एक तेज रफ्तार ट्रक ने टक्कर मार दी। हादसा इतना भीषण था कि बोलेरो पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और स्थानीय लोगों की मदद से राहत एवं बचाव अभियान शुरू किया। ट्रक को क्रेन की मदद से हटाया और बुलेरो में फंसे लोगों को बाहर निकालकर अस्पताल पहुंचाया।

नगांव उपचुनाव में कांग्रेस शत प्रतिशत जीतेगी : गौरव गोगोई

गुवाहाटी (हिंस)। असम प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष गौरव गोगोई ने आगामी नगांव लोकसभा उपचुनाव में कांग्रेस की शत प्रतिशत जीत का दावा किया है। गोगोई ने कहा कि कांग्रेस नगांव लोकसभा क्षेत्र को लेकर पहले से ही आश्वस्त थी और आज भी पूरी तरह आश्वस्त है। उन्होंने कहा कि हम पहले भी नगांव को लेकर निश्चित थे, अभी भी निश्चित हैं और भविष्य में भी निश्चित हैं कि हम जीतेंगे। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि नगांव उपचुनाव में कांग्रेस की मुख्य लड़ाई भाजपा के साथ होगी।

एसीएस देवेश्वर बोरा पर करोड़ों रुपए के गबन का आरोप

गुवाहाटी (हिंस)। असम सिविल सर्विस (एसीएस) अधिकारी और धेमाजी के विकास आयुक्त देवेश्वर बोरा पर पद का दुरुपयोग कर नौकरी, ठेका और शराब की दुकानों के लाइसेंस के नाम पर करोड़ों रुपए की कथित वसूली और गबन करने का आरोप लगा है। आरोप है कि गिरफ्तार देवेश्वर बोरा ने अलग-अलग लोगों से कथित तौर पर 50 लाख रुपए से लेकर दो करोड़ रुपए तक की रिश्वत ली। गुवाहाटी और लखीमपुर में भी उनकी आय से अधिक संपत्ति होने का आरोप लगाया गया है। मुख्यमंत्री की निगरानी शाखा ने कथित भ्रष्टाचार के मामले में धेमाजी के विकास आयुक्त देवेश्वर बोरा को गिरफ्तार किया है।

नलबाड़ी में आलू वैल्यू चेन विकास पर मंत्री पीयूष हजारिका ने की समीक्षा

नलबाड़ी (हिंस)। असम के कृषि एवं सिंचाई मंत्री पीयूष हजारिका ने मंगलवार को नलबाड़ी के जिला पुस्तकालय सभागार में आलू वैल्यू चेन के विकास और किसानों की आय बढ़ाने को लेकर उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक की। बैठक में फसल उत्पादकता बढ़ाने, कोल्ड स्टोरेज सुविधाओं के विस्तार, प्रोसेसिंग इंफ्रास्ट्रक्चर मजबूत करने और किसानों के लिए बेहतर बाजार संपर्क विकसित करने पर विस्तार से चर्चा हुई। मंत्री ने किसानों से सीधे बातचीत कर आलू की खेती से जुड़ी उनकी समस्याओं और अपेक्षाओं की जानकारी ली। बैठक में पेप्सिको के प्रतिनिधि भी मौजूद रहे। हजारिका ने स्थानीय किसानों से सीधे आलू खरीदने और उन्हें बाजार सुरक्षा प्रदान करने के लिए पेप्सिको की भूमिका की सराहना की। उन्होंने उम्मीद जताई कि आने वाले दिनों में राज्य के अधिक किसान पेप्सिको के साथ जुड़कर अपनी उपज का बेहतर मूल्य प्राप्त करेंगे। मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा के निर्देशानुसार राज्य सरकार ने चार लाख हेक्टेयर कृषि भूमि को सिंचाई के दायरे में लाने का लक्ष्य रखा है। इसमें अकेले नलबाड़ी जिले की 4,000 बीघा कृषि भूमि को सिंचाई सुविधा से जोड़ना शामिल है। हजारिका ने किसानों से पारंपरिक फसलों तक सीमित न रहने और ड्रैगन फ्रूट तथा एप्पल बेर जैसी व्यावसायिक बागवानी फसलों को अपनाने का आग्रह किया। उन्होंने घरों और कृषि भूमि में अगरवुड (सांची) के व्यावसायिक पौधरोपण पर भी जोर देते हुए कहा कि एक बीघा भूमि में करीब 1,000 अगरवुड के पेड़ लगाए जा सकते हैं, जिससे दीर्घकाल में अच्छी आर्थिक आय हो सकती है। मंत्री ने कृषि विभाग को किसानों के बीच पीएम-कुसुम योजना का व्यापक प्रचार-प्रसार करने का निर्देश दिया, ताकि सौर ऊर्जा आधारित सिंचाई को बढ़ावा मिल सके। उन्होंने बंदर और गिलहरी से फसलों को होने वाले नुकसान को कम करने के लिए किसानों को व्यावहारिक उपाय अपनाने की सलाह भी दी। इससे पहले मंत्री हजारिका ने नलबाड़ी के बोनगांव, चमता में एक नॉलेज सेंटर का उद्घाटन किया। उन्होंने कहा कि ऐसे केंद्र किसानों को आधुनिक तकनीकी जानकारी उपलब्ध कराने और फसल उत्पादन बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

डॉ. भूपेन हजारिका की जयंती पर सीएम शर्मा ने दी श्रद्धांजलि

गुवाहाटी (हिंस)। असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने मंगलवार को महान गायक, संगीतकार और सांस्कृतिक हस्ती डॉ. भूपेन हजारिका की जयंती पर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि सुधाकंठ डॉ. भूपेन हजारिका असम के लिए केवल एक नाम नहीं, बल्कि विश्वविख्यात व्यक्तित्व और अपने आप में एक विशाल संस्था थे। उन्होंने कहा कि जब तक ब्रह्मपुत्र की धारा बहती रहेगी और बिहू असमिया समाज के रग-रग में प्रवाहित होता रहेगा, तब तक असम के लोगों के मन-मस्तिष्क को भूपेंद्र-ज्योति की रचनाएं आलोकित करती रहेंगी। उन्होंने कहा कि डॉ. भूपेन हजारिका की विरासत असम के लिए सदैव जीवंत रहेगी। मुख्यमंत्री ने उनके जीवन की कुछ स्मृतियों को याद करते हुए असमवासियों की ओर से महान कलाकार को विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित की।

गिरिराज सिंह को मुख्यमंत्री हिमंत ने दी जन्मदिन की शुभकामनाएं

गुवाहाटी (हिंस)। असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि गिरिराज सिंह भारत के वस्त्र क्षेत्र को पुनर्जीवित करने, पारंपरिक हथकरघा को बढ़ावा देने तथा स्थानीय बुनकरों और कारीगरों को सशक्त बनाने के लिए महत्वपूर्ण प्रयासों का नेतृत्व कर रहे हैं। डॉ. शर्मा ने उनके जन्मदिन के अवसर पर मां कामाख्या और श्रीमंत शंकरदेव के श्रीचरणों में उनके दीर्घायु, स्वस्थ एवं सफल जीवन के लिए प्रार्थना की।

बिश्वनाथ में नौ संदिग्ध नागरिक हिरासत में, कानूनी प्रक्रिया शुरू

गुवाहाटी (हिंस)। असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने कहा है कि राज्य में ड्रग्स माफिया, दलाली, तस्करी और अवैध विदेशियों के खिलाफ बिना किसी समझौते के कार्रवाई जारी है। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया पोस्ट में बताया कि बिश्वनाथ में नौ संदिग्ध नागरिकों को हिरासत में लेकर बिश्वनाथ पुलिस ने आवश्यक कानूनी प्रक्रिया शुरू कर दी है। उन्होंने कहा कि असम पुलिस का यह अभियान आने वाले दिनों में भी पूरी गति और बिना किसी समझौते के जारी रहेगा।

असम के रंगापारा में बोलेरो पिकअप से 12 मवेशी जब्त, दो लोग हिरासत में

असम, शोणितपुर (हिंस)। शोणितपुर जिले के रंगापारा में मंगलवार को एक बोलेरो पिकअप वाहन से 12 मवेशियों को जब्त किया गया। बजरंग दल और विश्व हिंदू परिषद (विहिप) के सदस्यों ने वाहन को रोककर उसमें सवार दो लोगों को मवेशियों समेत पकड़ लिया और बाद में उन्हें रंगापारा पुलिस के हवाले कर दिया। पुलिस के अनुसार, हिरासत में लिए गए दोनों व्यक्तियों की पहचान ढेकियाजुली के रांगागड़ा निवासी नाजमुल हक और शहीदुल इस्लाम के रूप में हुई है। पुलिस ने बताया कि सफेद रंग के बोलेरो पिकअप वाहन संख्या एएस-12सीसी-5334 से मवेशियों को ढेकियाजुली से अरुणाचल प्रदेश के बानात की ओर ले जाया जा रहा था। इसी दौरान रंगापारा बीच ट्रैफिक प्वाइंट के समीप बजरंग दल और विहिप के सदस्यों ने वाहन को रोक लिया। वाहन की तलाशी के दौरान उसमें 12 मवेशी पाए गए। इसके बाद संगठन के सदस्यों ने दोनों व्यक्तियों को मवेशियों समेत पकड़कर रंगापारा पुलिस को सौंप दिया। बजरंग दल और विहिप के सदस्यों ने मवेशियों को कथित रूप से अवैध तरीके से ले जाए जाने का संदेह जताया है। रंगापारा पुलिस ने वाहन और उसमें लदे मवेशियों को अपने कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है।

होजाई में 12 को आयोजित होगी *राष्ट्रीय लोक अदालत*

होजाई (निसं)। होजाई जिला कानूनी सेवा प्राधिकरण के तत्वावधान में आगामी 12 सितंबर को राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा। इस संबंध में जिला कानूनी सेवा प्राधिकरण, होजाई की सचिव सुभद्रा आचार्य ने बताया कि यह लोक अदालत असम राज्य कानूनी सेवा प्राधिकरण (एएसएलएसए) के निर्देशों के अनुसार आयोजित की जा रही है। इस राष्ट्रीय लोक अदालत में मोटर दुर्घटना दावा (एमएसीटी) मामलों, वैवाहिक विवादों, एनआई एक्ट के तहत चेक बाउंस, मोटर वाहन अधिनियम, धन वसूली, श्रम विवादों, जन उपयोगी सेवाओं (पीयूएस) तथा अन्य समझौते योग्य आपराधिक एवं दीवानी मामलों का निपटारा किया जाएगा। जिला कानूनी सेवा प्राधिकरण ने विभिन्न बैंकों, एपीडीसीएल (एपीडीसीएल) की स्थानीय शाखाओं, बीएसएनएल (बीएसएनएल) और बीमा कंपनियों को भी इस लोक अदालत में उपस्थित रहकर मामलों को सुलझाने के निर्देश दिए हैं। सचिव सुभद्रा आचार्य ने आम जनता से अपील की है कि वे इस अवसर का लाभ उठाकर अपने लंबित मामलों का त्वरित और आपसी सहमति से समाधान कराएं।

एनटीपीसी बंगाईगांव में संयुक्त आपदा प्रबंधन मॉक ड्रिल आयोजित

कोकराझाड़ (हिंस)। एनटीपीसी बंगाईगांव में आपदा प्रबंधन को लेकर एक संयुक्त मॉक ड्रिल आयोजित की गई। एनटीपीसी बंगाईगांव के सहयोग से आयोजित इस अभ्यास में केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआरपीएफ), राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ), राज्य आपदा मोचन बल (एसडीआरएफ), स्थानीय पुलिस तथा एनटीपीसी अस्पताल की टीमों ने भाग लिया। मॉक ड्रिल का उद्देश्य आपदा की स्थिति में विभिन्न एजेंसियों की तैयारियों, त्वरित प्रतिक्रिया और आपसी समन्वय का आकलन करना था। अभ्यास का आयोजन एनटीपीसी बंगाईगांव के महाप्रबंधक (ओ एंड एम) अनुराग गुप्ता के मार्गदर्शन में तथा सीआईएसएफ कमांडेंट एलएन मैतेई के पर्यवेक्षण में किया गया। एनटीपीसी प्रबंधन के साथ सीआईएसएफ फायर विंग और सुरक्षा विंग के कर्मियों ने भी सक्रिय रूप से हिस्सा लिया। मॉक ड्रिल के दौरान दो अलग-अलग आपदा परिदृश्यों का अभ्यास किया गया। पहले परिदृश्य में भूकंप के कारण न्यू सर्विस बिल्डिंग के ढहने और उसके अंदर सात लोगों के फंसे होने की स्थिति को प्रदर्शित किया गया। इसमें सभी संबंधित एजेंसियों ने संयुक्त रूप से खोज, बचाव और निकासी अभियान चलाया। फंसे हुए सभी लोगों को सुरक्षित बाहर निकालकर प्राथमिक उपचार एवं आगे के इलाज के लिए एनटीपीसी चिकित्सा दल को सौंपा गया। दूसरे परिदृश्य में डूबने से संबंधित दो आपातकालीन स्थितियों का अभ्यास किया गया। एक व्यक्ति को बाढ़ जैसी स्थिति में फंसा हुआ, जबकि दूसरे को तालाब में डूबने की स्थिति में दर्शाया गया। बचाव दलों ने दोनों परिस्थितियों में त्वरित कार्रवाई करते हुए खोज, जल बचाव और प्रभावित व्यक्तियों को सुरक्षित निकालने की तकनीकों का प्रदर्शन किया। पूरे अभ्यास के दौरान सभी एजेंसियों के बीच प्रभावी संचार और समन्वय देखने को मिला। मॉक ड्रिल के माध्यम से खोज एवं बचाव, निकासी, प्राथमिक उपचार तथा घायलों के प्रबंधन की तैयारियों और प्रतिक्रिया क्षमता का आकलन किया गया तथा आपदा के समय संयुक्त रूप से प्रभावी कार्रवाई करने की व्यवस्था को और मजबूत करने का अवसर मिला। मॉक ड्रिल में कुल 117 कर्मियों ने हिस्सा लिया। इनमें एनडीआरएफ के 24, एसडीआरएफ के 9, एनटीपीसी अस्पताल के 6, एनटीपीसी प्रबंधन के 28, सीआईएसएफ फायर विंग के 28 तथा सीआईएसएफ सुरक्षा विंग के 22 कर्मी शामिल थे। इसके अलावा स्थानीय पुलिस के प्रतिनिधियों ने भी अभ्यास में भाग लिया।

शिक्षा व्यवस्था में बदलाव पर अभाविप की बैठक

गुवाहाटी (हिंस)। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अभाविप) के पहल पर असम तथा पूर्वोत्तर भारत की शैक्षणिक एवं परीक्षा व्यवस्था में आवश्यक बदलाव को लेकर सोमवार, 7 सितंबर को गुवाहाटी स्थित नेड्फी हाउस में गोलमेज बैठक आयोजित की गई। बैठक में असम के कई विश्वविद्यालयों के कुलपति, रजिस्ट्रार, महाविद्यालयों के प्राचार्य, प्रोफेसर, शोधार्थी और छात्र नेताओं ने भाग लिया। मंगलवार को अभाविप द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, बैठक में असम पशु चिकित्सा एवं मत्स्य विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. निरंजन कलिता, उत्तर लखीमपुर विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. मुकुल चंद्र बोरा, वीरांगना सती साधिनी राज्य विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. जे चिंगैया, बंगाईगांव विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. तरणी डेका तथा शिवसागर विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार डॉ. प्रफुल्ल कलिता सहित कई शिक्षाविद उपस्थित रहे। दो सत्रों में आयोजित बैठक के पहले सत्र में शिक्षा व्यवस्था में बदलाव और दूसरे सत्र में परीक्षा प्रणाली में आवश्यक सुधारों पर चर्चा की गई। शिक्षाविदों ने पारंपरिक शिक्षा व्यवस्था के साथ-साथ व्यावहारिक एवं व्यावसायिक शिक्षा को बढ़ावा देने पर जोर दिया। बैठक में उच्च शिक्षा क्षेत्र में बढ़ती ड्रॉपआउट समस्या, शिक्षण संस्थानों में तकनीकी एवं व्यावसायिक शिक्षा शुरू करने में आने वाली वित्तीय कठिनाइयों तथा कंप्यूटर शिक्षकों की कमी जैसे मुद्दों पर भी विस्तार से चर्चा हुई। दूसरे सत्र में असम सहित देश की परीक्षा व्यवस्था में प्रश्नपत्र लीक और परीक्षा संबंधी अनियमितताओं की समस्या के समाधान पर विचार-विमर्श किया गया। बैठक के बादअभाविप असम प्रदेश के राज्य सचिव मानस प्रतिम कलिता ने कहा कि गोलमेज बैठक में असम एवं पूर्वोत्तर की शैक्षणिक और परीक्षा व्यवस्था तथा उसमें समयानुकूल आवश्यक बदलावों पर सार्थक चर्चा हुई। उन्होंने कहा कि बैठक में शामिल शिक्षाविदों ने शिक्षा एवं परीक्षा व्यवस्था में सुधार के लिए कई महत्वपूर्ण सुझाव दिए हैं। कलिता ने कहा कि अभाविप इन सुझावों को सरकार और संबंधित अधिकारियों के समक्ष रखेगी तथा असम की शैक्षणिक व्यवस्था में मौजूद समस्याओं के समाधान की मांग करेगी।

आपकू की विश्वनाथ जिला समिति की कार्यकारिणी सभा संपन्न

वश्वनाथ चरियाली (विभास)। असम प्रेस कॉरेस्पोंडेंट्स यूनियन (आपकू) की विश्वनाथ जिला समिति की पहल पर सतिया नाट्य भवन में एक अभिनंदन समारोह आयोजित किया गया। इस समारोह में सतिया के विशिष्ट युवा उद्यमी, सफल व्यवसायी तथा कर्मठ समाजकर्मी नीरज निशिम हजारिका और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर वूशु खेलकर देश तथा असम का गौरव बढ़ाने वाली सतिया की युवती दीक्षा तिवारी का विशेष रूप से अभिनंदन किया गया। आपकू की विश्वनाथ जिला समिति के उपाध्यक्ष रूपज्योति सैकिया के संचालन में हुए इस कार्यक्रम में नीरज निशिम हजारिका और दीक्षा तिवारी को फुलम गामोचा, अभिनंदन पत्र और आपकू के प्रतीक चिह्न से सम्मानित किया गया। अभिनंदन स्वीकार करते हुए नीरज निशिम हजारिका ने समाज के प्रति अपने सपनों, प्रतिबद्धताओं और भविष्य की योजनाओं का जिक्र करते हुए आपकू के प्रति आभार व्यक्त किया। वहीं, चालू वर्ष के जुलाई महीने में जॉर्जिया में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय वूशु प्रतियोगिता में भाग लेकर दो रजत और एक कांस्य पदक जीतने वाली दीक्षा तिवारी ने भविष्य में और अधिक उत्साह तथा निष्ठा के साथ खेलकर देश और असम के लिए और अधिक नाम कमाने के अपने सपने को व्यक्त किया। समारोह में आमंत्रित अतिथि के रूप में उपस्थित विशिष्ट अभिनेता देवानंद सैकिया, सतिया नगरपालिका की अध्यक्षा दीपशिखा सैकिया और 3 नंबर सतिया गांव पंचायत के अध्यक्ष उदय शंकर सैकिया का भी फुलम गामोचा और आपकू के प्रतीक चिह्न से स्वागत किया गया। विशिष्ट अभिनेता देवानंद सैकिया ने अपने वक्तव्य में विभिन्न चुटकुलों के माध्यम से उपस्थित सभी लोगों को आनंदित किया। उल्लेखनीय है कि अभिनंदन समारोह से पहले उसी सभा कक्ष में आपकू की विश्वनाथ जिला समिति की कार्यकारी सभा भी आयोजित की गई।

राज्यभर में डॉ. भूपेन हजारिका की 100वीं जयंती धूमधाम से मनाई गई

गुवाहाटी /कोकराझाड़/रंगिया (हिंस/विभास)। असम के राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद आचार्य ने मंगलवार को महान संगीतकार भारत रत्न डॉ. भूपेन हजारिका की 100वीं जयंती के अवसर पर गुवाहाटी के दीघलीपुखुरी स्थित उनकी प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की। कार्यक्रम का आयोजन अखिल असम छात्र संघ (आसू) ने किया। राज्यपाल ने डॉ. भूपेन हजारिका को असम की प्रतिष्ठित आवाज और मानवता के प्रबल समर्थक के रूप में याद करते हुए कहा कि उनका अमर संदेश प्रेम, करुणा और भाईचारे के शाश्वत मूल्यों को व्यक्त करता है। उन्होंने कहा कि असम की मिट्टी और ब्रह्मपुत्र की भावना से जुड़ा डॉ. हजारिका का संगीत सीमाओं से परे जाकर पीढ़ियों और क्षेत्रों के लोगों को एकजुट करता रहा है। राज्यपाल आचार्य ने असमिया संस्कृति, संगीत और मानवतावाद के क्षेत्र में डॉ. हजारिका के अतुलनीय योगदान को याद करते हुए उनकी जन्म शताब्दी पर भावपूर्ण श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर राज्यपाल ने दीघलीपुखुरी परिसर में पौधारोपण भी किया। बाद में उन्होंने लोक भवन में सुधाकंठ डॉ. भूपेन हजारिका को पुष्पांजलि अर्पित की। लोक भवन के अधिकारियों और कर्मचारियों ने भी महान संगीतकार को श्रद्धांजलि दी। **कोकराझाड़** से हमारे संवाददाता के अनुसार भारत रत्न डॉ. भूपेन हजारिका की जन्म शताब्दी के उपलक्ष्य में वर्षभर चले समारोहों का जिला स्तरीय समापन कार्यक्रम मंगलवार को कोकराझाड़ के उपायुक्त कार्यालय के सम्मेलन कक्ष में आयोजित किया गया। राज्य के अन्य हिस्सों के साथ कोकराझाड़ जिले में भी इस अवसर को श्रद्धापूर्वक मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीपप्रज्ज्वलन के साथ हुआ। इसके बाद महान संगीतकार, गीतकार, संगीत रचनाकार एवं सांस्कृतिक व्यक्तित्व डॉ. भूपेन हजारिका को पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि दी गई। स्वागत भाषण में अतिरिक्त उपायुक्त अनिस रसूल मजूमदार ने डॉ. हजारिका के रचनात्मक योगदान और उनके गीतों के सामाजिक एवं सांस्कृतिक महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि डॉ. हजारिका के गीत केवल संगीत तक सीमित नहीं रहे, बल्कि मानवता, सामाजिक चेतना, सद्भाव और जन आकांक्षाओं की प्रभावशाली अभिव्यक्ति बने। कार्यक्रम में अतिथि वक्ता। के रूप में बोड़ोलैंड विश्वविद्यालय के असमिया विभाग की विभागाध्यक्ष सुमी कलिता ने डॉ. हजारिका के गीतों एवं रचनाओं में निहित मानवीय मूल्यों और सामाजिक संदेशों पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने युवा पीढ़ी से उनके गीतों को केवल संगीत के रूप में नहीं, बल्कि उनमें निहित विचारों, मूल्यों और सामाजिक संदेशों को समझने का आह्वान किया। उन्होंने युवाओं से जीवन में सही मार्ग पर आगे बढ़ने तथा नकारात्मक प्रभावों और प्रवृत्तियों से दूर रहने की अपील भी की। समारोह के दौरान सामूहिक रूप से भूपेंद्र संगीत का गायन तथा एकल संगीत प्रस्तुतियां भी दी गईं। इससे कार्यक्रम में सांस्कृतिक एवं सहभागितापूर्ण माहौल देखने को मिला। इससे पहले जिला प्रशासन की ओर से कोकराझाड़ स्थित सुधाकंठ कानन में डॉ. भूपेन हजारिका की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी गई। कार्यक्रम में एडीसी सुप्रभा रॉय, बंटी तालुकदार, कृष्ण ज्योति डेका, पलाश राजकुमार आहोम, सहायक आयुक्त, उपायुक्त कार्यालय के अधिकारी एवं कर्मचारी, विभिन्न शिक्षण संस्थानों के प्रतिनिधि तथा सांस्कृतिक जगत से जुड़े लोग उपस्थित रहे। **रंगिया** से हमारे संवाददाता के अनुसार भारत रत्न सुधाकंठ डॉ. भूपेन हजारिका के वर्षभर चलने वाले जन्म-शताब्दी समारोह के अनुरूप, आज कामरूप जिले में दिनभर विभिन्न कार्यक्रमों के साथ जिला-स्तरीय समापन समारोह आयोजित किया गया। कामरूप जिला प्रशासन के तत्वावधान में बाइहाटा चारआली स्थित पूर्व कामरूप महाविद्यालय में आयोजित इस समारोह के माध्यम से असम के महान कलाकार की अमर रचनाओं, रंगीन जीवन, जीवन-दर्शन और मानवता के संदेश को गहरी श्रद्धा के साथ याद किया गया। दिनभर के कार्यक्रम की शुरुआत सुबह आमिनगांव स्थित एकीकृत जिला आयुक्त कार्यालय परिसर में डॉ. भूपेन हजारिका के चित्र पर पुष्पार्पण कर की गई। समारोह में हाजो-शुवालकुछी विधानसभा क्षेत्र के विधायक प्रकाश दास और कामरूप के जिला आयुक्त देव कुमार मिश्रा ने सुधाकंठ के चित्र पर श्रद्धांजलि अर्पित की। समारोह में कामरूप के जिला विकास आयुक्त गर्ग मोहन दास, अतिरिक्त जिला आयुक्तों तथा जिला प्रशासन के अन्य अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे। इसके बाद एकीकृत जिला आयुक्त कार्यालय के पास स्थित सुधाकंठ डॉ. भूपेन हजारिका की अर्ध-प्रतिमा पर पुष्पार्पण कर महान कलाकार को गहरी श्रद्धा अर्पित की गई। समारोह में विधायक प्रकाश दास के साथ-साथ जिला आयुक्त देव कुमार मिश्रा, जिला विकास आयुक्त गर्ग मोहन दास, अतिरिक्त जिला आयुक्तों और अन्य अधिकारी-कर्मचारियों तथा आम लोग उपस्थित रहे। समारोह के अनुरूप उपस्थित लोगों और अधिकारी-कर्मचारियों की भागीदारी से एक मानव-श्रृंखला बनाकर सुधाकंठ के कालजयी गीत *मानुहे मानुहोर बाबे* को सामूहिक रूप से प्रस्तुत किया गया। इसके माध्यम से महान कलाकार द्वारा अपनी रचनाओं के जरिए प्रचारित मानवता, सौहार्द और बंधुत्व के शाश्वत संदेश को स्मरण किया गया। इसके बाद बाइहाटा चारआली स्थित पूर्व कामरूप महाविद्यालय में वर्षभर के जन्म-शताब्दी समारोह का जिला-स्तरीय समापन समारोह आयोजित हुआ। समारोह की शुरुआत में डॉ. भूपेन हजारिका के चित्र पर पुष्पार्पण किया गया और महाविद्यालय परिसर में उपस्थित छात्र-छात्राओं, शिक्षकों-शिक्षिकाओं, अतिथियों और आम लोगों की भागीदारी से एक मानव-शृंखला बनाकर सामूहिक स्वर में *मानुहे मानुहोर बाबे* गीत प्रस्तुत किया गया। समारोह में स्वागत भाषण देते हुए कामरूप के जिला आयुक्त देव कुमार मिश्रा ने भारत रत्न डॉ. भूपेन हजारिका की जन्म-शताब्दी के उपलक्ष्य में उपस्थित सभी का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि सुधाकंठ डॉ. भूपेन हजारिका केवल असम के एक महान कलाकार ही नहीं थे; उनके संगीत, साहित्य, फिल्मों और विशाल रचनाओं के माध्यम से मानवता, सामाजिक सौहार्द और समाज के प्रति जिम्मेदारी का एक शक्तिशाली संदेश प्रतिबिंबित होता था। जिला आयुक्त ने कहा कि डॉ. भूपेन हजारिका के गीत असम की सीमाओं को पार कर भारत और विश्व के विभिन्न हिस्सों के लोगों के दिलों को छूने में सक्षम रहे हैं।

विश्वनाथ में संत शिरोमणि श्री श्री गणिनाथ गोविंद जी की जयंती आयोजित

विश्वनाथ (विभास)। मध्यदेशीय वैश्य महासभा की विश्वनाथ जिला समिति के तत्वावधान में विगत दिन विश्वनाथ चारिआलि स्थित हिमालय विवाह भवन के प्रेक्षागृह में संत शिरोमणि श्री श्री गणिनाथ गोविंद जी की जन्म जयंती विविध कार्यक्रमों के साथ मनाई गई। कार्यक्रम की शुरुआत में मध्यदेशीय वैश्य महासभा की विश्वनाथ जिला समिति के अध्यक्ष सुरेश गुप्ता ने ध्वजारोहण किया। इसके बाद श्री श्री गणिनाथ बाबा के चित्र के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन कर पूजा-अर्चना का कार्यक्रम संपन्न किया गया। कार्यक्रम के एक अन्य महत्वपूर्ण कार्यक्रम के रूप में पिछले एक वर्ष के भीतर समाज से विदा ले चुके व्यक्तियों की स्मृति में श्रद्धांजलि अर्पित की गई। साथ ही असम के लोकप्रिय गायक जुबीन गर्ग को भी गहरी श्रद्धांजलि दी गई। इसके बाद मुख्य सभा का आयोजन हुआ। जिला समिति के सचिव मंजीत साह द्वारा संचालित इस सभा की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष सुरेश गुप्ता ने की। सभा में हाईस्कूल और हायर सेकेंडरी परीक्षा में उत्कृष्ट अंकों से उत्तीर्ण हुए जिले के मेधावी छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया गया। विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई। इस अवसर पर मध्यदेशीय वैश्य महासभा के पदाधिकारी और सदस्यों के साथ-साथ समाज के गणमान्य व्यक्ति, अभिभावक, विद्यार्थी और बड़ी संख्या में समाज के लोग उपस्थित रहे। अंत में राष्ट्रगान के साथ सभा का समापन घोषित किया गया।

संपादकीय

मौत की इमारतों की राजधानी

दिल्ली देश की राजधानी है अथवा मौत की इमारतों का महानगर है! यह इसलिए कहना पड़ रहा है, क्योंकि हाल ही में मालवीय नगर के एक 'अवैध', संकरे कथित होटल में अग्निकांड हुआ, जिसमें 22 जिंदगियां भस्म होकर राख बन गईं। कभी राजेन्द्र नगर में बारिश का पानी भर जाता है, उसमें करंट भी प्रवाहित होने लगता है, नतीजतन आधा दर्जन युवा छात्र अचानक लाश बन जाते हैं। वे आईएएस बनने का सपना लिए पढ़ाई कर रहे थे, लेकिन मौत ने सब कुछ छीन लिया। कभी लक्ष्मीनगर में हादसा हुआ और फिर युवा जिंदगियों पर विराम लग गया। इसी जुलाई में ही रोहिणी में इमारत गिरी, साकेत और करोल बाग में हादसे हुए। मुस्तफाबाद में 11 मौतें इससे पहले हो चुकी थीं। ये हादसे, मौतें नहीं, बल्कि हत्याएं हैं, क्योंकि बचने के बंदोबस्त 'शून्य' थे। और अब संभ्रांत कॉलोनी मोतीबाग के पास सत्य निकेतन में भी एक 5-मंजिला इमारत जमींदोज हो गई। रविवार रात तक 5 मौतों की पुष्टि की जा चुकी थी। तीन छात्र अस्पताल में जिंदगी-मौत के बीच संघर्ष कर रहे हैं। मौतों की संख्या अधिक भी हो सकती है, क्योंकि 25-30 छात्रों के मलबे में दबे होने की आशंका जताई गई है। इन तमाम इमारतों में एक तथ्य साझा है कि सभी 'अवैध' थीं। न अग्निशमन विभाग का एनओसी, न नगर निगम का एनओसी, स्वीकृत मंजिलों से अधिक मंजिलों का निर्माण और कई इमारतें तो खासी पुरानी थीं, जिनका रखरखाव भी नहीं किया गया था। सत्य निकेतन वाली इमारत भी 36 साल पुरानी बताई गई है। उस पर विभाग ने सील लगा दी थी, लेकिन फिर न जाने कैसे, वह सील भी खुल गई और वह हत्याकांड हो गया। इस इमारत की तीन मंजिलें 'अवैध' थीं, उसे भूतल और पहली मंजिल बनाने की ही अनुमति दी गई थी, लेकिन भूतल के ऊपर भी चार मंजिलों का निर्माण कर लिया गया। दिल्ली नगर निगम के एक पूर्व चेयरमैन और फायर ब्रिगेड के पूर्व निदेशक ने चौंका देने वाला खुलासा किया है कि दिल्ली में करीब 75 लाख इमारतें हैं। उनमें से करीब 1.75 लाख इमारतों के नक्शे पास हैं। शेष सभी इमारतें अवैध और अतिक्रमण की हैं। देश की राजधानी में 1731 अनधिकृत कॉलोनियां हैं। उनमें से 1511 को अधिकृत, नियमित करने के मद्देनजर पीएम-उदय योजना के तहत रखा गया है। एक पुख्ता वोट बैंक की तैयारी...लेकिन यह कितना भयावह यथार्थ है! यदि इन अवैध, अनधिकृत इलाकों में कोई इमारत भरभरा कर गिर पड़ती है, तो कल्पना कीजिए कि नुकसान कितना होगा? सरकार मुआवजा भी नहीं देगी। आखिर ये अनधिकृत कॉलोनियां कैसे उभर आईं? किसने इन्हें बनाया और सरकार में किन्होंने इनकी मदद की? ये इमारतें कांग्रेस, भाजपा और आम आदमी पार्टी की सरकारों के दौरान बनी होंगी, लिहाजा कोई एक चेहरा या पार्टी 'खलनायक' नहीं है। इस भ्रष्ट हम्माम में सभी नंगे हैं। बहरहाल दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) ने अप्रैल, 2025 के बाद से 241.51 एकड़ जमीन पुनः वापस ली है या प्रक्रिया में है। इसके अलावा, 235 एकड़ से अधिक जमीन पर जो अतिक्रमण, अवैध कब्जे थे, उन्हें मुक्त कराने का अभियान भी तय किया गया है। एक अनुमान है कि 70-75 फीसदी दिल्ली में अवैध या अतिक्रमण वाले कब्जे या निर्माण हैं। झुग्गी-झोपड़ियों पर बुलडोजर चला कर तो गरीबों को बेघर किया जा सकता है, लेकिन राजधानी में जो अतिक्रमणकारी फॉर्म हाउस हैं, उन पर निर्णायक, मिट्टी-मलबा करने वाली कार्रवाई क्यों नहीं की जाती? यदि कोई कार्रवाई की गई है, तो दिखावे के लिए कुछ आंशिक तोड़-फोड़ जरूर की गई है। बहरहाल सत्य निकेतन की जो इमारत गिरी है, उसमें डिब्बेनुमा कुछ कमरे बनाए गए थे, जिन्हें 'हॉस्टल' का नाम दिया गया था। एक कमरे में, एक विस्तर का किराया 15,000-18,000 रुपए माहवार वसूल रहे थे। संकरे रास्ते, संकरी-एकतरफा सीढ़ियों और आपातकालीन बंदोबस्त 'शून्य' थे। ऐसी इमारत के बेसमेंट में, बरसात के मौसम में, भरे पानी की स्थिति में कुछ निर्माण-कार्य किया जा रहा था। ऐसे में नींव का एक पिलर खिसका और पूरी इमारत धड़ाम से धरती पर गिरी। इन कमरों में केरल, हरियाणा, उप्र और खासकर पूर्वोत्तर राज्यों के वे छात्र रहते थे, जो दिल्ली विश्वविद्यालय में पढ़ाई कर रहे थे।

देश की राजधानी में 1731 अनधिकृत कॉलोनियां हैं। उनमें से 1511 को अधिकृत, नियमित करने के मद्देनजर पीएम-उदय योजना के तहत रखा गया है। एक पुख्ता वोट बैंक की तैयारी...लेकिन यह कितना भयावह यथार्थ है! यदि इन अवैध, अनधिकृत इलाकों में कोई इमारत भरभरा कर गिर पड़ती है, तो कल्पना कीजिए कि नुकसान कितना होगा? सरकार मुआवजा भी नहीं देगी। आखिर ये अनधिकृत कॉलोनियां कैसे उभर आईं? किसने इन्हें बनाया और सरकार में किन्होंने इनकी मदद की? ये इमारतें कांग्रेस, भाजपा और आम आदमी पार्टी की सरकारों के दौरान बनी होंगी, लिहाजा कोई एक चेहरा या पार्टी 'खलनायक' नहीं है। इस भ्रष्ट हम्माम में सभी नंगे हैं। बहरहाल दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) ने अप्रैल, 2025 के बाद से 241.51 एकड़ जमीन पुनः वापस ली है या प्रक्रिया में है। इसके अलावा, 235 एकड़ से अधिक जमीन पर जो अतिक्रमण, अवैध कब्जे थे, उन्हें मुक्त कराने का अभियान भी तय किया गया है। एक अनुमान है कि 70-75 फीसदी दिल्ली में अवैध या अतिक्रमण वाले कब्जे या निर्माण हैं। झुग्गी-झोपड़ियों पर बुलडोजर चला कर तो गरीबों को बेघर किया जा सकता है, लेकिन राजधानी में जो अतिक्रमणकारी फॉर्म हाउस हैं, उन पर निर्णायक, मिट्टी-मलबा करने वाली कार्रवाई क्यों नहीं की जाती? यदि कोई कार्रवाई की गई है, तो दिखावे के लिए कुछ आंशिक तोड़-फोड़ जरूर की गई है। बहरहाल सत्य निकेतन की जो इमारत गिरी है, उसमें डिब्बेनुमा कुछ कमरे बनाए गए थे, जिन्हें 'हॉस्टल' का नाम दिया गया था।

कुछ अलग

स्वयं का आविष्कार

सभा के सबसे अंधेरे कोने से एक धीमी सी आवाज आई। यह आवाज दादी की थी। वे बैठकों में बहुत कम बोलती थीं। और जब बोलती थीं, तो उनका अर्थ कई पीढ़ियों बाद समझ में आता था। उन्होंने बिना किसी की ओर देखे कहा, 'जिसे अपना रूप सुहाए, उसे आईना कभी पुराना नहीं लगता।' सभा ने एक-दूसरे की ओर देखा। एक युवा कॉकरोच ने साहस करके पूछा, 'दादीजी, इसका इस नए जीव, मनुष्य से क्या संबंध है?' दादी मुस्कराईं, 'अभी नहीं समझोगे।' सभा और उत्सुक हो गई। 'तो कब समझेंगे', किसी ने पूछा। दादी ने धीरे से कहा, 'पहले उसे आईने बनाने दो। जिस दिन वह अपना चेहरा देखने लगेगा, उस दिन से वह दूसरों का चेहरा बदलना भी चाहेगा।' इतना कहकर वे मौन हो गईं। सभा में कुछ लोग मुस्करा दिए। कईयों ने इसे वृद्धावस्था की पहेली समझा। केवल सबसे वृद्ध कॉकरोच ने धीरे से सिर झुका लिया। उसे मालूम था- दादी भविष्य नहीं बतातीं।

उपग्रहों से लगातार अवलोकन द्वारा ऐसी घटनाओं के बारे में अधिक गतिशील जानकारी अधिकारियों को प्रदान की जा सकती है

ईओएस-05: भारत की आकाश में आंख

पृथ्वी अवलोकन उपग्रह अब शासन व्यवस्था, आपदा राहत, कृषि क्षेत्र, पर्यावरण संरक्षण और राष्ट्रीय सुरक्षा में आवश्यक उपकरण बन गए हैं। ये उपग्रह पृथ्वी की सतह, वायुमंडल और महासागरों के बारे में दूरस्थ संवेदन डेटा प्रदान करते हैं और सरकारों को उन परिवर्तनों पर नजर रखने में मदद करते हैं जिन्हें जमीनी प्रणालियों द्वारा आसानी से पता नहीं लगाया जा सकता है। भारत में पृथ्वी अवलोकन मिशन वर्षों से अच्छी तरह स्थापित है और GSLV-F17 पर EOS-05 का प्रक्षेपण इसकी क्षमता को बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। यह विशेष रूप से महत्वपूर्ण है क्योंकि इसकी भू-तुल्यकालिक कक्षा से इमेजिंग करने की क्षमता भारतीय क्षेत्र का बार-बार अवलोकन करने में सक्षम बनाती है। EOS-05 का प्रक्षेपण उपग्रह रिमोट सेंसिंग की प्रकृति में बदलाव का एक हिस्सा है। पृथ्वी अवलोकन परंपरागत रूप से निम्न पृथ्वी कक्षा (LEO) में संचालित उपग्रहों का एक प्रमुख अनुप्रयोग रहा है। ये उपग्रह अत्यंत विस्तृत चित्र प्रदान करेंगे, लेकिन इनकी कक्षा के कारण ये केवल नियमित समय अंतराल पर एक विशिष्ट क्षेत्र के ऊपर से गुजरेंगे। यह आवधिक आधार पर कवरेज के लिए बहुत उपयोगी है, लेकिन तेजी से बदलती परिस्थितियों में यह और भी उपयोगी हो सकता है। इन प्रणालियों को एक भू-तुल्यकालिक इमेजिंग उपग्रह द्वारा पूरक किया जा सकता है जो एक बड़े क्षेत्र का लंबे समय तक अवलोकन कर सकता है। यह विशेष रूप से तब महत्वपूर्ण हो जाता है जब घटनाएँ दिनों के बजाय घंटों की अवधि में घटित होती हैं। चक्रवात अचानक तीव्र हो सकते हैं या दिशा बदल सकते हैं, बाढ़ व्यापक क्षेत्र में फैल सकती है, जंगल की आग बुझ सकती है या बेकाबू हो सकती है और समुद्री गतिविधियाँ निरंतर परिवर्तनशील अवस्था में हो सकती हैं। उपग्रहों से लगातार अवलोकन द्वारा ऐसी घटनाओं के बारे में अधिक गतिशील जानकारी अधिकारियों को प्रदान की जा सकती है। इसलिए, पृथ्वी अवलोकन प्रणाली की संरचना में EOS-05 को LEO उपग्रहों के पूरक तत्व के रूप में देखा जाना चाहिए। LEO उपग्रहों का उपयोग विस्तृत चित्र प्राप्त करने के लिए किया जा सकता है और भू-तुल्यकालिक उपग्रह अधिक स्थिरता और निरंतरता प्रदान कर सकते हैं। भारत जैसे विविधतापूर्ण और आपदा-ग्रस्त देश के लिए यह क्षमता अत्यंत महत्वपूर्ण है। चक्रवात, बाढ़, भूस्खलन और वन अग्नि जैसी प्राकृतिक आपदाएँ देश को लगातार प्रभावित करती हैं। प्रभावी आपदा प्रबंधन के लिए प्रारंभिक चेतावनी, त्वरित आकलन और निरंतर निगरानी आवश्यक हैं। बार-बार उपग्रह द्वारा किए गए अवलोकन से अधिकारियों को आपदा की स्थिति के विकास का आकलन करने और प्रभावित क्षेत्रों का शीघ्र पता लगाने में सहायता मिल सकती है। उपग्रह चित्र बाढ़ के दौरान जलमग्न क्षेत्रों का मानचित्रण करने में भी सहायक हो सकते हैं। वन अग्नि की स्थिति में, नियमित निगरानी जले हुए क्षेत्रों में होने वाले परिवर्तनों की निगरानी में उपयोगी हो सकती है। यह निगरानी चक्रवातों के दौरान बदलते मौसम को समझने में भी सहायक हो सकती है। लेकिन तस्वीरों का महत्व तभी तक है जब तक उन्हें उपयोगी उत्पाद में परिवर्तित करने में समय और कुशलता बरती जाए। दरअसल, भारत के लिए असली चुनौती उपग्रह प्रेक्षणों को आपदा प्रबंधन प्लेटफार्मों का अभिन्न अंग बनाना है ताकि प्रशासकों, आपदा प्रबंधन एजेंसियों और स्थानीय अधिकारियों को वास्तविक समय में और आसानी से उपयोग किए जा सकने वाले प्रारूप में जानकारी मिल सके। इसका उद्देश्य डेटा संग्रहण और निर्णय लेने के बीच की दूरी को कम करना है। ईओएस-05 और भारत की समग्र अंतरिक्ष पृथ्वी अवलोकन क्षमता से लाभान्वित होने वाला एक अन्य क्षेत्र कृषि है। भारत में जमीनी स्तर पर कृषि परिदृश्य की नियमित निगरानी चुनौतीपूर्ण और संसाधन-प्रधान है। उपग्रह अवलोकन वनस्पति, फसल की स्थिति और भूमि उपयोग में परिवर्तन जैसे कृषि संकेतकों के मूल्यांकन में सहायक हो सकते हैं। उपग्रह चित्रों का उपयोग मौसम डेटा, मृदा डेटा और जमीनी अवलोकनों के साथ मिलकर फसलों में तनाव के विकास और बदलते पर्यावरणीय परिस्थितियों का पता लगाने में किया जा सकता है। जैसे-जैसे एआई का उपयोग बढ़ेगा, यह प्रक्रिया और भी अधिक प्रभावी हो सकती है। आधुनिक उपग्रहों द्वारा भेजे गए डेटा की मात्रा बहुत अधिक होने के कारण, केवल मैन्युअल व्याख्या करना बहुत कठिन होता जा रहा है। एआई-आधारित प्रणालियाँ छवियों को तेजी से संसाधित कर सकती हैं, विसंगतियों का पता लगा सकती हैं और तत्काल ध्यान देने योग्य क्षेत्रों को चिह्नित कर सकती हैं। ये प्रौद्योगिकियाँ फसल मूल्यांकन, आपदा मानचित्रण और पर्यावरण निगरानी में तेजी लाने में मदद कर सकती हैं और मैन्युअल विश्लेषण में लगने वाले समय को कम कर सकती हैं। निरंतर अवलोकन के लाभ पर्यावरणीय दृष्टि से भी महत्वपूर्ण हैं। भारत तीव्र शहरीकरण, भूमि उपयोग में परिवर्तन, वनों और पारिस्थितिक तंत्रों पर बढ़ते दबाव और जल संसाधनों पर बढ़ते तनाव की प्रक्रिया से गुजर रहा है। उपग्रह निगरानी का उपयोग दीर्घकालिक वनस्पति परिवर्तन, आर्द्रभूमि, जल निकायों और अन्य पारिस्थितिक तंत्रों की नियमित निगरानी के लिए किया जा सकता है। स्थायी डेटासेट नीति निर्माताओं और शोधकर्ताओं को रुझानों का पता लगाने और पर्यावरण के बारे में अधिक प्रभावी निर्णय लेने में मदद कर सकते हैं। भारत के समुद्री हितों के लिए उपग्रह आधारित अवलोकन का भी अत्यधिक रणनीतिक महत्व है। देश की तटरेखा लंबी है और यह हिंद महासागर क्षेत्र के मध्य में स्थित है, जिसका अर्थ है कि समुद्री पर्यावरण के प्रति जागरूकता बढ़ाना आवश्यक है। उपग्रह निगरानी का उपयोग अन्य निगरानी विधियों के साथ किया जा सकता है और इससे समुद्री क्षेत्र में होने वाली गतिविधियों और बदलती परिस्थितियों के बारे में जानकारी बढ़ाई जा सकती है। रणनीतिक दृष्टि से भी ईओ का महत्व बढ़ रहा है। आधुनिक सुरक्षा के माहौल में, समय पर और विश्वसनीय जानकारी अब एक रणनीतिक संपत्ति बन गई है। निरंतर इमेजिंग से स्थितिजन्य जागरूकता बढ़ सकती है और इसका उपयोग हवाई, जमीनी और अन्य अंतरिक्ष आधारित निगरानी प्रणालियों के साथ किया जा सकता है। साथ ही, देश को ऐसी स्थिति से निपटने की क्षमता की आवश्यकता है। भारत को किसी एक उपग्रह पर अत्यधिक निर्भर नहीं रहना चाहिए और एक विविध उपग्रह समूह का निर्माण करना चाहिए, जो किसी विशिष्ट उपग्रह की अनुपलब्धता की स्थिति में भी आवश्यक सेवाओं की निरंतरता सुनिश्चित कर सके। इसलिए, एकीकृत और बुद्धिमान पृथ्वी अवलोकन (ईओ) पारिस्थितिकी तंत्र का निर्माण आगे बढ़ने का मुख्य आधार होना चाहिए। ईओएस-05 से प्राप्त डेटा को उपग्रह, मौसम विज्ञान, कृषि और आपदा प्रबंधन जैसे अन्य प्लेटफार्मों से जोड़ा जाना चाहिए।

भारत में पृथ्वी अवलोकन मिशन वर्षों से अच्छी तरह से स्थापित है और GSLV-F17 पर EOS-05 का प्रक्षेपण इसकी क्षमता को बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। यह विशेष रूप से महत्वपूर्ण है क्योंकि इसकी भू-तुल्यकालिक कक्षा से इमेजिंग करने की क्षमता भारतीय क्षेत्र का बार-बार अवलोकन करने में सक्षम बनाती है। EOS-05 का प्रक्षेपण उपग्रह रिमोट सेंसिंग की प्रकृति में बदलाव का एक हिस्सा है। पृथ्वी अवलोकन परंपरागत रूप से निम्न पृथ्वी कक्षा (LEO) में संचालित उपग्रहों का एक प्रमुख अनुप्रयोग रहा है। ये उपग्रह अत्यंत विस्तृत चित्र प्रदान करेंगे, लेकिन इनकी कक्षा के कारण ये केवल नियमित समय अंतराल पर एक विशिष्ट क्षेत्र के ऊपर से गुजरेंगे। यह आवधिक आधार पर कवरेज के लिए बहुत उपयोगी है, लेकिन तेजी से बदलती परिस्थितियों में यह और भी उपयोगी हो सकता है।

देश दुनीया से

चीन के प्राथमिक लक्ष्य भारत पर केंद्रित न होने की वजहें

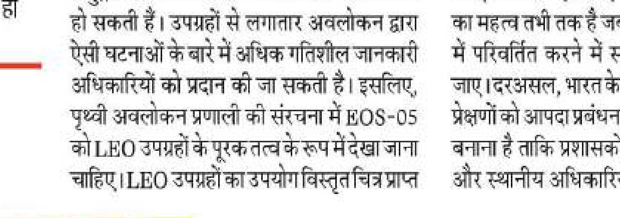

चीन का उद्भव बिना तैयारी के नहीं हुआ है; यह एक सुसंगत बृहद रणनीति परिलक्षित करता है जिसका उद्देश्य समय के साथ संयुक्त राज्य अमेरिका के प्रभुत्व को कम करना है। वह रणनीति भौगोलिक रूप से चरणों में बंटी हुई है — पहले यूरेशिया और उन समुद्री मार्गों पर ध्यान केंद्रित करना जो चीन की अर्थव्यवस्था को कायम रखते हैं, न कि सीमावर्ती ज़मीनी युद्धों पर। इसके आलोक में देखें तो भारत के साथ हिमालयी सीमा एक गौण मुद्दा है। वहां पर बड़े पैमाने का युद्ध चीन को अपने मूल उद्देश्यों में आगे बढ़ने में बहुत कम मददगार रहेगा, और असल में, नुकसानदेह हो सकता है। चीन के आधिकारिक दस्तावेज़ प्राथमिकता के क्रम का उतना ही खुलासा करते हैं जितना छिपाकर जता जाते हैं। 'नए दौर में चीन की राष्ट्रीय रक्षा' (2019) या 'सैन्य रणनीति दिशानिर्देश, राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (2015)', और एक के बाद एक आई पार्टी संसदीय रिपोर्टें सुरक्षा को शासन के अस्तित्व, तकनीकी स्वायत्तता और महा-शक्ति प्रतिस्पर्धा जैसे शब्दों में परिभाषित करती हैं। रणनीतिक दिशा स्पष्ट है: समुद्री आवाजाही मार्गों में बनने वाले जोखिम, ऊर्जा और व्यापार के पहुंच मार्गों की सुनिश्चितता और पश्चिमी प्रशांत क्षेत्र में अमेरिकी हस्तक्षेप को रोकने की क्षमता बनाना। भारत का नाम खतरे के तौर पर नहीं लिया गया है। यह कोई अनदेखी नहीं; प्राथमिकताओं का निर्धारण है। चीन की समृद्धि समुद्री व्यापार पर निर्भर करती है जो असुरक्षित 'चोकपॉइंट्स' (संकरे समुद्री रास्तों) से होकर गुजरता है-ये मलक्का जलडमरूमध्य से लेकर बृहद हिंद-प्रशांत क्षेत्र, होर्मुज जलडमरूमध्य और स्वेज नहर तक हैं। इसलिए, इसके सैन्य आधुनिकीकरण का ध्यान नौसैन्य शक्ति सुदृढ़ता, बाधित पहुंच/प्रतिबंधित क्षेत्र स्थिति का उपाय और अंतरिक्ष, साइबर एवं इलेक्ट्रोमैग्नेटिक स्पेक्ट्रम में क्षमताओं पर केंद्रित है। इसके समांतर, सरकारी आर्थिक कूटनीति का उद्देश्य निर्यात में प्रभुत्व, बुनियादी ढांचा निर्माण, सपंर्क सुविधाएं और वित्तीय निवेश के माध्यम से यूरेशिया को नया रूप देना है। आज जहां लंदन की सड़कों पर दौड़ती एक लोकप्रिय कार लैंड रोवर का सस्ता चीनी संस्करण मौजूद है वहीं जर्मनी की सबसे बड़ी कार निर्माता कंपनी फॉक्सवैगन हजारों कर्मचारियों की छंटनी करने की योजना बना रही है। बढ़ती लागत के मद्देनज़र, सीमेंस जैसी बहुराष्ट्रीय कंपनियां उत्पादन को चीन स्थानांतरित करने पर विचार कर रही हैं, जिससे उनके वित्तीय लाभ में तो सुधार हो जाएगा, लेकिन समाज को नुकसान पहुंचेगा। यह सब यूरेशिया में समुद्र नीत और पश्चिम नीत रणनीति की ओर इशारा करता है, न कि दक्षिण-नीत हिमालय में। उतना ही महत्वपूर्ण यह भी है कि बीजिंग किस चीज से बचना चाहता है: दो मोर्चों पर रणनीतिक दुविधा। उसकी मुख्य प्रतिस्पर्धा समुद्री क्षेत्र में अमेरिका के साथ है। भारत के साथ कोई बड़ा उपमहाद्वीपीय युद्ध शुरू करने से संसाधन और ध्यान बंट जाएंगे, बाहरी दखल बढ़ेगा और भारत को अमेरिका के और करीब आने का खतरा पैदा होगा-इससे वही गठबंधन विशेष मजबूत होगा, जिसे चीन कमजोर करना चाहता है। भारत के मामले में चीन की सैद्धांतिक चुप्पी का कारण डर नहीं, बल्कि समझदारी का हिस्सा है। इसलिए, भारत को साधने के लिए चीन की नीति अपरोक्ष और किफायती तरीका अपनाती है। दशकों से, उसने व्यवस्थित रूप से पाकिस्तान की सैन्य क्षमता को मजबूत किया -जिसमें पारंपरिक युद्धक तंत्र, मिसाइल फोर्स, परमाणु क्षमता और उपग्रह प्रदत्त सुविधाओं तक पहुंच जैसी सहायक तकनीकें शामिल हैं। इसका मकसद यह यकीनी बनाना है कि भारत अपने सुरक्षा संबंधी गुणा-भाग का दायरा दक्षिण एशिया तक ही रखे और यह सुनिश्चित करना कि भारत का ध्यान लगातार अपनी पश्चिमी सीमा पर बना रहे। इससे समुद्री क्षेत्र पर ध्यान केंद्रित करने में भारत की क्षमता सीमित हो जाती है, जहां भूगोल उसे हिंद महासागर के अहम समुद्री मार्गों पर एक अपरोक्ष फायदा देता है-एक ऐसा लाभ जो, चरम स्थिति में, चीन की ऊर्जा जीवनरेखा और समृद्धि के लिए खतरा बन सकता है। 1962 का युद्ध पूर्व उदाहरण पेश करता है। चीन ने सीमित राजनीतिक लक्ष्य हासिल किए और फिर एकतरफा तौर पर पीछे हट गया। सार्वजनिक किए गए सरकारी दस्तावेज बताते हैं कि युद्ध से छह महीने पहले माओ ने अपने सेना कमांडर को बुलाकर चार शब्दीय निर्देश दिया था: 'भारत को सबक सिखाओ'। सबक क्या था? माना जाता है, 'कन्फ्यूशियस संहिता' के अनुसार भारत को उसकी 'जगह दिखाना', न कि इलाके पर कब्जा। आज, लद्दाख जैसे इलाकों में, चीन पहले से ही उस जमीन पर नियंत्रण रखे हुए है, जिसे वह रणनीतिक रूप से अहम मानता है। प्रभुत्व बनाने का सिद्धांत हिमालयी सीमा पर और बड़े पैमाने पर इलाके पर कब्जे की जरूरत का संकेतक नहीं है। मौजूदा भंगिमाएं निरंतर इस नजरिए को दर्शाती हैं। पीपुल्स लिबरेशन आर्मी 'स्थानीय युद्ध' जैसी स्थिति में सीमित, फुर्तीले और कम समय तक चलने वाले टकराव की तैयारी कर रही है-जिसका मकसद बातचीत के दौरान दबाव बनाना, लड़ाई रोकना और अपनी शर्तों पर बातचीत करवाना है। तिब्बत में बुनियादी ढांचा निर्माण और समय-समय पर आमने-सामने की स्थिति पैदा करना मोल-भाव करने की ताकत को बढ़ाता है। बाकी सभी देशों के उलट, चीन की युद्ध संबंधी मुख्य रणनीति विरोधी को धोखे में रखना है। भारत की ज़मीन में घुसपैठ का खतरा भी ठीक इसी रणनीति का हिस्सा है। यूरेशिया से बाहर चीन के अनुभव ने उसकी सावधानी को और बढ़ाया है।

आप का नजरीया

हिमाचली इच्छाओं के चंडीगढ़

हिम चंडीगढ़ सिटी का आगाज, एक ऐसी परिकल्पना है जो हिमाचली जनता की उम्मीदों का शहर बसा रही है। परियोजना चंडीगढ़ के करीब है, तो चंडीगढ़ के एहसास में इसकी बुनियाद वादा कर रही है। यह चंडीगढ़ में चंडीगढ़ है या हिमाचली इच्छाओं का चंडीगढ़ बनती है, यह देखना बाकी है। बेशक नए हिमाचल या प्रगतिशील हिमाचलियों को अब कई शहर चाहिए या शहरी माहौल में गुणवत्ता चाहिए। हिम चंडीगढ़ की आबो हवा में चंडीगढ़ की व्यस्तता, क्षमता, संभावना और आर्थिक संसार भी बसेगा, फिर भी अपेक्षा यह है कि यह नगरी हिमाचल के सरोकारों, सांस्कृतिक व व्यावहारिक ऊष्मा को बरकरार रखे। हम पहले भी कह चुके हैं कि यह नगर हिमाचली प्रोफेशनल को प्रतिबिंबित करता शहर होना चाहिए जो इससे पूर्व विकसित न्यू शिमला और परवाणू से भिन्न हो। यहां सरसा नदी के रिवरफ्रंट का विकास करने का सुझाव आया है और इससे पूर्व चंडीगढ़ की तर्ज पर विकास के कई मोड़ देखे गए हैं। यह दीगर है कि आज इसकी चर्चा का सामना मोहाली, पंचकूला या न्यू चंडीगढ़ से हो रहा है, तो अच्छा ही है कि कुछ ऐसा होगा जो हिमाचल के नजरिए से अपेक्षित है। चंडीगढ़ के आसपास पहले ही रीयल एस्टेट के साठ प्रतिशत भाग में हिमाचलियों का ठौर है, तो इस तरह हर हिमाचली अपना दूसरा घर वहां बनाना चाहता है। मांग के हिसाब से हिम चंडीगढ़ को आबाद होने में ज्यादा समय नहीं लगेगा, लेकिन हम इस परियोजना से हिमाचल के शहरीकरण को क्या संदेश देना चाहेंगे। हिमाचल के भीतर शहरीकरण की हवा और स्थिति बिगड़ी हुई है। शहरी विकास योजनाएं आज तक व्यावहारिक पटल पर अप्रासंगिक हैं, तो इसलिए कि न तो इनके प्रति कोई गंभीरता है और न ही इनका वित्त पोषण हुआ। हमारा शहरीकरण बेहतर जिंदगी का आईना न होकर केवल जमीनी खरीद-फरोख्त का अवसर है। अभी कांगड़ा एयरपोर्ट का विस्तार जिस गति से चला है, उससे भी आगे निकलकर जमीन के खरीददारों ने अपना हुनर दिखा दिया। हिमाचल में जमीन की खरीद और बिक्री का एक नेटवर्क है, जिसमें अधिकारी, ब्यूरोक्रेट, ठेकेदार और राजनीतिक लोग सिद्धहस्त हो रहे हैं। आज पहाड़ की कंदराओं तक पर्यटन इकाइयां पहुंच गईं तो यह जमीन की प्रवृत्ति बदलने और शहर को दूर तक मापने की गाथा है। हिमाचल के कई शहर बेसिरपैर विस्तार से आतंकित हैं। हमारे शहर आज न तो पुराने पर्वतीय शहरों के सुकून में रह रहे हैं और न ही आधुनिक व नागरिक सुविधाओं से परिपूर्ण हो पा रहे हैं। आश्चर्य तो यह कि दो स्मार्ट सिटी परियोजनाओं के बावजूद न शिमला और न ही धर्मशाला का कायाकल्प हुआ। धर्मशाला में स्मार्ट सिटी परियोजना सरकारी कार्यालयों के गेट बनाती रही, तो शिमला में कंक्रीट के डंगे या लोहे के रास्ते बनाती रही। हिमाचल में शहरीकरण को समझने का एक उपाय हिम चंडीगढ़ हो सकता है, लेकिन हिमाचल के भीतर शहरीकरण के संबोधन और शहरी मांग को समझना होगा। बहुत सारे शहरों को उनकी तस्वीर में विकसित करने की योजनाएं बनानी होंगी। अगर पालमपुर को चाय नगरी के रूप में विकसित करना है, तो योजना प्रारूप अलग होगा, जबकि सोलन के घनत्व में सुरक्षा की दृष्टि से उपचार की जरूरत है। जिन शहरों के आसपास पानी के स्थायी स्रोत हैं, उस स्कोप में शहरीकरण की सांसें बढ़ानी होंगी और इसी तरह प्राकृतिक जल निकासी प्रबंधन करना होगा। शहरों में सार्वजनिक परिवहन की उचित व्यवस्था, आधुनिक बाजार, निवेश केंद्र, पार्किंग, पार्क और मनोरंजन केंद्र विकसित करने की जरूरत है। हिमाचल के कई शहर अपनी भौगोलिक, पर्यावर्णीय स्थिति, सांस्कृतिक महत्त्व व प्राकृतिक नजारों के साथ हिम चंडीगढ़ से भी ज्यादा आकर्षक बन सकते हैं, बशर्ते इन्हें देखने और विकास को व्यवस्थित करने की इच्छा शक्ति सामने आए।

परियोजना चंडीगढ़ के करीब है, तो चंडीगढ़ के एहसास में इसकी बुनियाद वादा कर रही है। यह चंडीगढ़ में चंडीगढ़ है या हिमाचली इच्छाओं का चंडीगढ़ बनती है, यह देखना बाकी है। बेशक नए हिमाचल या प्रगतिशील हिमाचलियों को अब कई शहर चाहिए या शहरी माहौल में गुणवत्ता चाहिए। हिम चंडीगढ़ की आबो हवा में चंडीगढ़ की व्यस्तता, क्षमता, संभावना और आर्थिक संसार भी बसेगा, फिर भी अपेक्षा यह है कि यह नगरी हिमाचल के सरोकारों, सांस्कृतिक व व्यावहारिक ऊष्मा को बरकरार रखे। हम पहले भी कह चुके हैं कि यह नगर हिमाचली प्रोफेशनल को प्रतिबिंबित करता शहर होना चाहिए जो इससे पूर्व विकसित न्यू शिमला और परवाणू से भिन्न हो। यहां सरसा नदी के रिवरफ्रंट का विकास करने का सुझाव आया है और इससे पूर्व चंडीगढ़ की तर्ज पर विकास के कई मोड़ देखे गए हैं। यह दीगर है कि आज इसकी चर्चा का सामना मोहाली, पंचकूला या न्यू चंडीगढ़ से हो रहा है, तो अच्छा ही है कि कुछ ऐसा होगा जो हिमाचल के नजरिए से अपेक्षित है। चंडीगढ़ के आसपास पहले ही रीयल एस्टेट के साठ प्रतिशत भाग में हिमाचलियों का ठौर है, तो इस तरह हर हिमाचली अपना दूसरा घर वहां बनाना चाहता है। मांग के हिसाब से हिम चंडीगढ़ को आबाद होने में ज्यादा समय नहीं लगेगा, लेकिन हम इस परियोजना से हिमाचल के शहरीकरण को क्या संदेश देना चाहेंगे। हिमाचल के भीतर शहरीकरण की हवा और स्थिति बिगड़ी हुई है। शहरी विकास योजनाएं आज तक व्यावहारिक पटल पर अप्रासंगिक हैं, तो इसलिए कि न तो इनके प्रति कोई गंभीरता है और न ही इनका वित्त पोषण हुआ।

दृष्टि कोण

ब्रिक्स 2026: भारत की कूटनीतिक क्षमताओं को चुनौती देता

2026 में ग्लोबल जियो पॉलिटिक्स के मौजूदा माहौल के आधार पर, ब्रिक्स एक इकोनॉमिक इन्वेस्टमेंट के शॉर्ट फॉर्म से बढ़कर एक बड़ी इंस्टीट्यूशनल ताकत बन गया है जो उभरते हुए मल्टीपोलर वर्ल्ड ऑर्डर को आकार दे रहा है। इसके महत्व, उपलब्धियों, चुनौतियों और ब्रिक्स विरोधी बातों को सुलझाने के प्रयासों को समझना आवश्यक है।

मल्टीपोलर दुनिया में ब्रिक्स का महत्व

ब्रिक्स ग्लोबल साउथ के हितों को बताने और एक ज़्यादा संतुलित बहुध्रुवीय विश्व बनाने के लिए एक बुनियादी प्लेटफ़ॉर्म बन गया है। 2025 तक, ब्रिक्स के सदस्य देश दुनिया की लगभग 48% आबादी और परचेसिंग पावर पैरिटी (पी पी पी) के आधार पर ग्लोबल जीडीपी का 39% हिस्सा थे। भारत की 2026 ब्रिक्स प्रेसीडेंसी के तहत, इस की गाइडिंग थीम बिल्डिंग फॉर रेज़िलिएंस, इनोवेशन, कोऑपरेशन और सस्टेनेबिलिटी है। कमज़ोर ग्लोबल गवर्नेंस, प्रोटेक्शनिस्ट पॉलिसी और बढ़ती जियोपॉलिटिकल अनिश्चितता के दौर में, ब्रिक्स साउथ-साउथ सहयोग के लिए एक सही विकल्प देता है जो पारंपरिक दबदबे और हुक्म से रहित है। यह उभरती हुई अर्थव्यवस्थाओं को अपनी पार्टनरशिप में विविधता लाने और ग्लोबल गवर्नेंस में अपनी आवाज़ बुलंद करने की इजाज़त देता है, बिना कोल्ड वॉर-स्टाइल के बाइनरी अलाइनमेंट में मजबूर हुए।

ब्रिक्स की खास उपलब्धियां

ब्रिक्स ने कई उपलब्धियां हासिल की हैं। इसका सफ़र आसान नहीं था। कई चुनौतियों के बावजूद यह अपने अनेक लक्ष्यों को हासिल कर सका। कुछ मुख्य उपलब्धियां हैं: स्ट्रेटेजिक विस्तार: ब्रिक्स ने सफलतापूर्वक अपनी पहुंच बढ़ाई है। 2026 तक, इस ब्लॉक में ऑफिशियली 11 सदस्य देश शामिल हैं: ओरिजिनल पांच (ब्राज़ील, रूस, भारत, चीन और दक्षिण अफ्रीका) प्लस मिस्र, इथियोपिया, ईरान, इंडोनेशिया, संयुक्त अरब अमीरात और सऊदी अरब (हालांकि सऊदी अरब अपने फॉर्मल स्टेटस को लेकर कुछ डिप्लोमैटिक अस्पष्टता बनाए हुए है)।

पार्टनर देशों का संस्थागतकरण: मुख्य फैसले लेने की क्षमता को कम किए बिना अपनी पहुंच बढ़ाने के लिए, ब्रिक्स ने एक फॉर्मल पार्टनर देश कैटेगरी शुरू की। 2025 में, दस देश—बेलारूस, बोलीविया, क्यूबा, कज़ाकिस्तान, मलेशिया, नाइजीरिया, थाईलैंड, युगांडा, उज़्बेकिस्तान और वियतनाम—ऑफिशियल पार्टनर के तौर पर शामिल हुए, जिससे एंगेजमेंट के लिए एक फ्लेक्सिबल फ्रेमवर्क बना।

न्यू डेवलपमेंट बैंक (एन डी बी) की उपलब्धियाँ: एन डी बी ने हाल ही में अपनी 10वीं वर्षगाँठ मनाई, जिसमें क्लीन एनर्जी, ट्रांसपोर्ट और सस्टेनेबल डेवलपमेंट में 120 से ज़्यादा बड़े प्रोजेक्ट्स को फाइनेंस किया गया। इसने ग्लोबल साउथ को पार्टनरशिप, सॉवरेनिटी और शेयर्ड प्रायोरिटीज़ पर बना एक मल्टीलेटरल डेवलपमेंट बैंक सफलतापूर्वक दिया है, न कि वेस्टर्न-लेड फाइनेंशियल इंस्टीट्यूशन्स से जुड़ी कंडीशनैलिटीज़ पर।

इंट्रा-ब्रिक्स ट्रेड ग्रोथ: मेंबर्स के बीच दो दशकों के ट्रेड एक्सपेंशन ने डेवलप हो रहे इकोनॉमिक संबंधों को सामने लाया है, जिससे साउथ-साउथ ट्रेड के नए, रेसिलिएंट पैटर्न बने हैं जो बाहरी झटकों से कम वल्नरेबल हैं। कॉमर्स सेक्रेटरी राजेश अग्रवाल ने 5 सितंबर, 2026 को कहा कि इंट्रा-ब्रिक्स मर्चेंडाइज़ ट्रेड अब कई गुना बढ़ गया है, जो मेंबर देशों के बीच गहरे ट्रेड इंटीग्रेशन और मज़बूत इकोनॉमिक कोऑपरेशन के लिए बहुत ज़्यादा अनटैप्ड पोटेंशियल को हाईलाइट करता है।

कांग्रेस ने पंजाब के मुख्यमंत्री आवास की ओर निकाला मार्च, पुलिस ने रोका

राजा वडिंग ने नशे, कानून-व्यवस्था और कर्मचारियों के डीए पर सरकार को घेरा

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब कांग्रेस अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वडिंग के नेतृत्व में राज्यभर से आए हजारों कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने मंगलवार को आम आदमी पार्टी सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। कांग्रेस भवन के बाहर एकत्र हुए कार्यकर्ताओं ने मुख्यमंत्री आवास का घेराव करने के लिए मार्च शुरू किया, लेकिन भारी पुलिस बल ने बैरिकेड लगाकर उन्हें आगे बढ़ने से रोक दिया। कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए वडिंग ने दिड़बा के गुलजार सिंह की आत्महत्या के मामले में वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा को बर्खास्त करने और गिरफ्तार करने की मांग की। उन्होंने दावा किया कि गुलजार सिंह ने अपने अंतिम बयान में चीमा को जिम्मेदार ठहराया था। वडिंग ने शेरों गांव के मोहनजीत सिंह के साथ कथित पुलिस प्रताड़ना का मुद्दा भी उठाया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री को काला झंडा दिखाने के कारण किसी व्यक्ति के साथ ऐसा व्यवहार नहीं होना चाहिए। उन्होंने एक यौन अपराध के आरोपी को कथित संरक्षण दिए जाने के मामले में भी मुख्यमंत्री की चुप्पी पर सवाल उठाए। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने आरोप लगाया कि भाजपा और आम आदमी पार्टी के बीच गुप्त राजनीतिक समझौता है। भाजपा चाहती है कि *आप* गुजरात में भाजपा-विरोधी वोटों का बंटवारा करे और बदले में पंजाब में उसे सहयोग मिले। वडिंग ने प्रवर्तन निदेशालय और पंजाब पुलिस की कार्रवाई पर भी सवाल उठाए। उन्होंने आरोप लगाया कि भ्रष्टाचार के मामलों में *आप* नेताओं के प्रति ढिलाई बरती जा रही है, जबकि कांग्रेस नेताओं के मामलों में तत्काल कार्रवाई की गई थी। उन्होंने पूर्व मंत्री साधु सिंह धर्मसोत के मामले का उदाहरण दिया। गुरप्रीत सिंह सेखों को *आप* में शामिल करने के मामले पर वडिंग ने कहा कि पंजाब के लोग गैंगस्टरों से छुटकारा चाहते हैं, जबकि सत्ताधारी पार्टी उन्हें राजनीतिक मंच दे रही है। उन्होंने दावा किया कि सेखों को अदालत से सजा हो चुकी है और उच्च न्यायालय द्वारा सजा पर रोक लगाए जाने के कारण वह बाहर है। वडिंग ने सरकारी कर्मचारियों के लंबित महंगाई भत्ते का मुद्दा उठाते हुए सरकार पर कर्मचारियों के प्रति विरोधी रवैया अपनाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि कर्मचारियों को उनके अधिकारों से वंचित नहीं किया जाना चाहिए। वडिंग ने कहा कि वह किसी भी पद पर रहें, कांग्रेस के साथ उनकी निष्ठा बनी रहेगी। उन्होंने कार्यकर्ताओं से आगामी चुनावों में पार्टी के प्रत्येक उम्मीदवार की जीत सुनिश्चित करने के लिए एकजुट होकर काम करने की अपील की। उन्होंने यह भी घोषणा की कि आने वाले समय में मुख्यमंत्री के कार्यक्रमों के दौरान काले झंडे दिखाकर विरोध दर्ज कराया जाएगा। प्रदर्शन में सभी 25 जिला कांग्रेस कमेटियों के अध्यक्षों सहित राणा के.पी. सिंह, अमित विज, बलबीर सिंह सिद्धू, ब्रह्म मोहिंद्रा, कुलजीत सिंह नागरा, शमशेर सिंह डूलो, गुरजीत औजला, दलवीर गोल्डी, डॉ. राज कुमार वेरका, साधु सिंह धर्मसोत और अन्य वरिष्ठ नेता मौजूद रहे।

नगरीय निकाय चुनाव : 565 बूथों के लिए मतदान दल रवाना

जयपुर (हिंस)। नगरीय निकाय आम चुनाव-2026 के प्रथम चरण के मतदान के लिए मंगलवार को श्री भवानी निकेतन कॉलेज ऑफ फार्मेसी, सीकर रोड से मतदान दलों को उनके संबंधित मतदान केंद्रों के लिए रवाना किया गया। प्रथम चरण में जयपुर जिले की 18 नगरीय निकायों के 565 मतदान केंद्रों पर बुधवार, 9 सितंबर को सुबह 7 से शाम 6 बजे तक मतदान होगा। रवानगी स्थल पर मतदान दलों को निर्वाचन सामग्री, प्रशिक्षण और वाहनों की व्यवस्था उपलब्ध कराई गई। जिला निर्वाचन अधिकारी (म्यूनिसिपल) संदेश नायक ने मतदान कार्मिकों से स्वतंत्र, निष्पक्ष और शांतिपूर्ण मतदान सुनिश्चित करने का आह्वान किया। उन्होंने पीठासीन अधिकारियों को मतदान केंद्र पर पहुंचकर भवन का निरीक्षण करने और निर्धारित व्यवस्था के अनुसार मतदान केंद्र तैयार करने के निर्देश दिए। उन्होंने बैलेट इकाई को मतदान कक्ष में उचित स्थान पर रखने, नियंत्रण इकाई से जुड़ी केबल की सुरक्षित व्यवस्था करने तथा मतदाताओं के लिए प्रवेश और निकास की अलग व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। प्रथम चरण में नगर परिषद शाहपुरा और चौमूं के साथ 16 नगरपालिकाओं-मनोहरपुर, फुलेरा, सांभर, जोबनेर, खेजरोली, जमवारामगढ़, नारायणा, किशनगढ़-रेनवाल, बगरू, कालाडेरा, दूदू, चाकसू, फागी, वाटिका, कानोता और बस्सी के मतदान दल रवाना हुए। दलों को अलग-अलग पारियों में बुलाकर निर्वाचन सामग्री उपलब्ध कराई गई और इसके बाद संबंधित मतदान केंद्रों के लिए रवाना किया गया। इस दौरान उप जिला निर्वाचन अधिकारी मेघराज मीणा, अतिरिक्त जिला कलक्टर प्रथम राजीव द्विवेदी, द्वितीय युगांतर शर्मा, तृतीय देवयानी और चतुर्थ आशीष कुमार सहित संबंधित अधिकारी एवं कार्मिक मौजूद रहे। जिला निर्वाचन अधिकारी संदेश नायक ने मतदान दिवस पर राजनीतिक दलों और अभ्यर्थियों को आदर्श आचार संहिता की पूर्ण पालना के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि मतदाताओं को बिना दबाव और बाधा के मतदान का अवसर मिलना चाहिए। राजनीतिक दलों एवं अभ्यर्थियों को निर्वाचन कार्य में लगे अधिकारियों का सहयोग करने और अधिकृत कार्यकर्ताओं को पहचान-पत्र उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए हैं। मतदाताओं को दी जाने वाली पहचान पर्चियां सादे सफेद कागज पर होंगी और उन पर किसी दल, अभ्यर्थी या चुनाव चिह्न का उल्लेख नहीं किया जा सकेगा। मतदान दिवस और उससे पहले के 48 घंटे में शराब का वितरण या पेशकश प्रतिबंधित रहेगी। मतदान केंद्रों के पास लगाए गए कैंपों पर अनावश्यक भीड़ नहीं जुटाने के निर्देश दिए गए हैं। मतदान केंद्र से 200 मीटर की परिधि में चुनावी कैम्प नहीं लगाया जा सकेगा, जबकि केंद्र और उसकी 100 मीटर की परिधि में मतयाचना पर रोक रहेगी। वाहनों के लिए निर्धारित नियमों के अनुसार परमिट लेना और उसे वाहन पर स्पष्ट रूप से प्रदर्शित करना अनिवार्य होगा। अधिकृत वाहनों में अभ्यर्थी, उनके परिवारजन और निर्वाचन एजेंट तथा उनके परिवार के सदस्यों के अलावा अन्य मतदाताओं को ले जाने पर रोक रहेगी। जिला निर्वाचन अधिकारी ने प्रतिद्वंद्वी दलों या अभ्यर्थियों के पुतले लेकर चलने, उन्हें सार्वजनिक रूप से जलाने या ऐसे प्रदर्शन का समर्थन करने से भी बचने को कहा है। साथ ही कार्यकर्ताओं को अपने परिवार के सदस्यों के अलावा अन्य मतदाताओं को मतदान केंद्र तक लाने-ले जाने से रोकने तथा किसी अन्य व्यक्ति के नाम पर मतदान करने के प्रयास से बचने के निर्देश दिए गए हैं।

हरियाणा में दूसरे दिन 30 कर्मचारी बर्खास्त, आठ निलंबित

चंडीगढ़ (हिंस)। हरियाणा सरकार द्वारा हड़ताली सफाई कर्मचारियों के विरुद्ध शुरू की गई कार्रवाई मंगलवार को दूसरे दिन भी जारी रही। एक तरफ जहां मंगलवार को भी कर्मचारियों की हड़ताल जारी रही, वहीं दूसरी तरफ सरकार ने 38 और कर्मचारियों के खिलाफ कार्रवाई की। इनमें 30 कर्मचारियों को सेवा से बर्खास्त किया गया, जबकि आठ को निलंबित किया गया है। सोमवार को भी 32 कर्मचारियों की बर्खास्तगी और दो के निलंबन की कार्रवाई हुई थी। इस तरह दो दिनों में 62 कर्मचारी बर्खास्त और 10 निलंबित किए जा चुके हैं। मंगलवार की कार्रवाई में पानीपत के 16, झज्जर के 19 और हिसार के दो कर्मचारियों को बर्खास्त और निलंबित किया गया। सरकार और कर्मचारियों के बीच विवाद का मुख्य मुद्दा करीब 13,500 सफाई कर्मचारियों का नियमितीकरण है। सरकार का कहना है कि वह कर्मचारियों को 60 वर्ष की आयु तक सेवा सुरक्षा देने के साथ अन्य सुविधाएं देने को तैयार है, जबकि कर्मचारी इसे नियमित रोजगार का विकल्प मानने को तैयार नहीं हैं। नगर पालिका कर्मचारी संघ हरियाणा और हरियाणा अग्निशमन विभाग कर्मचारी यूनियन ने सरकार की कार्रवाई पर कड़ा विरोध जताया है। राज्य प्रधान नरेश कुमार शास्त्री, महासचिव मांगे राम तिगरा, अग्निशमन विभाग कर्मचारी यूनियन के राज्य प्रधान राजेंद्र सिंद और महासचिव गुलशन भारद्वाज ने कहा कि संविदा रोजगार अधिनियम के तहत प्रस्तावित जाब सिक्योरिटी नियमित रोजगार का विकल्प नहीं है। उन्होंने सफाई एवं सीवर कर्मचारियों के लिए विशेष कानून बनाकर तृतीय श्रेणी कर्मचारियों के समान वेतन, भत्ते, पदोन्नति, चिकित्सा और बीमा सहित सेवा लाभ देने की मांग की। साथ ही 13 मई को पालिका एवं फायर यूनियनों के साथ हुए समझौते को लागू करने की मांग दोहराई।

लापता बेटी की बरामदगी और पुलिस लाठीचार्ज पर गरमाई राजनीति

चूरू (हिंस)। जिले के सादुलपुर में हमीरवास पुलिस थाना क्षेत्र के कानावासी गांव की लापता बेटी की बरामदगी और हमीरवास थाने पर शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे ग्रामीणों पर पुलिस के बर्बर लाठीचार्ज का मामला अब तूल पकड़ता जा रहा है। पूर्व विधायक पदमश्री डॉ. कृष्णा पूनिया ने पुलिस के रवैये को *तानाशाहीपूर्ण और निंदनीय* बताते हुए इसकी कड़ी आलोचना की है और प्रशासन को आंदोलन की चेतावनी दी है। डॉ. पूनिया ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि पुलिस का यह रवैया किसी भी सूरत में स्वीकार्य नहीं है। उन्होंने तीन प्रमुख मांगें रखी हैं। कानावासी गांव की लापता बेटी को बिना किसी देरी के तुरंत और सुरक्षित बरामद किया जाए, शांतिपूर्ण धरना दे रहे निर्दोष ग्रामीणों पर बर्बरतापूर्वक लाठीचार्ज करने वाले दोषी पुलिसकर्मियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए।

मिनी पाकिस्तान बयान पर विधायक ताराचंद जैन का फिर पलटवार

उदयपुर (हिंस)। उदयपुर शहर के खांजीपीर और आयड़ क्षेत्र को लेकर *मिनी पाकिस्तान* टिप्पणी पर उपजे विवाद के बीच शहर विधायक ताराचंद जैन ने मंगलवार को फिर अपना पक्ष रखा। प्रेस वार्ता में जैन ने बहुचर्चित कन्हैयालाल हत्याकांड के दौरान प्रकाशित समाचारों की कटिंग दिखाते हुए आतंकी नेटवर्क और पाकिस्तान कनेक्शन का हवाला दिया। उन्होंने कहा कि उनके बयान का संदर्भ राष्ट्रविरोधी गतिविधियों और पाकिस्तान से जुड़े कथित नेटवर्क से था। दरअसल, पिछले दिनों भाजपा के एक कार्यक्रम में विधायक जैन ने खांजीपीर और आयड़ क्षेत्र का अपराधों के संदर्भ में उल्लेख करते हुए इन्हें *मिनी पाकिस्तान* कहा था। इसके बाद मुस्लिम समाज की ओर से नाराजगी जताई गई थी। समाज के प्रतिनिधियों ने प्रेस वार्ता कर इन क्षेत्रों से सेना में सेवाएं देने वाले लोगों का उल्लेख करते हुए उनके योगदान के प्रमाण स्वरूप सेना के पदक भी मीडिया के समक्ष प्रदर्शित किए थे। मंगलवार को आयोजित प्रेस वार्ता में विधायक जैन ने अपने बयान पर उठ रहे सवालों के जवाब में विभिन्न समाचार पत्रों में प्रकाशित खबरों की कटिंग सामने रखीं। उन्होंने कन्हैयालाल हत्याकांड का उल्लेख करते हुए कहा कि जांच में पाकिस्तान से जुड़े नेटवर्क और आरोपियों के कनेक्शन सामने आने की खबरें प्रकाशित हुई थीं। जैन ने आरोपी रियाज और गौस मोहम्मद से जुड़े मामलों तथा कथित आतंकी नेटवर्क का भी हवाला दिया। प्रेस वार्ता के दौरान पत्रकारों ने सवाल उठाया कि दो व्यक्तियों के अपराध में शामिल होने के आधार पर किसी पूरे क्षेत्र या समाज को लेकर टिप्पणी किस तरह उचित मानी जा सकती है। इस पर जैन ने कहा कि उनका संदर्भ राष्ट्रविरोधी गतिविधियों और पाकिस्तान से जुड़े कथित नेटवर्क से था। उन्होंने अपने बयान को लेकर उठे विवाद के संदर्भ में कहा कि यदि कोई गलतफहमी हुई है तो उस पर बात की जा सकती है। पत्रकारों ने मुस्लिम समाज की ओर से रखे गए पक्ष का भी उल्लेख किया। समाज के प्रतिनिधियों का कहना था कि खांजीपीर क्षेत्र से सेना के जवान और अधिकारी भी निकले हैं और उन्होंने देश की सेवा की है। इस पर विधायक जैन ने कहा कि देश के लिए योगदान देने वाले मुस्लिम समाज के लोगों का सम्मान होना चाहिए। उन्होंने पूर्व राष्ट्रपति डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम का उदाहरण देते हुए कहा कि भाजपा ने उन्हें राष्ट्रपति बनाकर सम्मान दिया था। जैन ने कहा कि राष्ट्रभक्त मुस्लिम देश की ताकत हैं और राष्ट्रविरोधी गतिविधियों के लिए कोई स्थान नहीं होना चाहिए।

संगरूर में पंजाब के वित्त मंत्री से नशे के मुद्दे पर सवाल पूछने वाले युवक की मौत

चंडीगढ़ (हिंस)। संगरूर जिले में एक सार्वजनिक कार्यक्रम के दौरान पंजाब के वित्त मंत्री से नशे के मुद्दे पर सवाल पूछने वाले युवक की बीती रात लुधियाना में इलाज के दौरान मौत हो गई। इस मौत के बाद पंजाब की राजनीति गरमा गई है। नशे के मुद्दे पर मुख्यमंत्री को काली झंडी दिखाने वाला एक युवक पहले से ही उपचाराधीन है। संगरूर जिला निवासी गुलजार सिंह का मौत से पहले का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसमें वह अपनी मौत के लिए मंत्री और सरपंच को जिम्मेदार ठहरा रहा है। इस वीडियो की तकनीकी पुष्टि नहीं की जा सकती है। सोमवार रात करीब 11 बजे गुलजार सिंह की मौत के बाद पूर्व सीएम चरणजीत सिंह चन्नी ने सोशल मीडिया पर लाइव हुए और उन्होंने सरकार व पुलिस पर कड़े सवाल किए। उन्होंने कहा कि मरने वाले ने आखिर में मंत्री और गांव के सरपंच का नाम लिया है। चन्नी ने बताया कि कल संगरूर के दिड़बा हलके के तूर बंजारा गांव में वित्त मंत्री आए थे। गांव के गुलजार सिंह ने उनसे पूछा था कि मेरा बेटा नशा करता है। उसने घर का सारा सामान बेच दिया है। नशा आखिर कहां से मिल रहा है? इस सवाल पर मंत्री भड़क गए और शाम को ही पुलिस पीड़ित के घर पहुंच गई। सोमवार को पंचायत में पुलिस आकर बैठ गई। सरपंच ने गुलजार को पंचायत में बुलाया। वह इतना डर गया कि उसने पुलिस और मंत्री के खौफ से सल्फास खाकर आत्महत्या कर ली। चन्नी ने आरोप लगाया कि जहर खाने के बाद जब उसे संगरूर अस्पताल ले जाया गया तो पुलिस ने पीछा किया और इलाज नहीं होने दिया। इसके बाद उसे राजिंदरा अस्पताल पटियाला ले जाया गया, जहां वह 2 घंटे तक तड़पता रहा। आखिर में उसे लुधियाना के डीएमसी लाया गया, जहां उसने दम तोड़ दिया।

प्रधानमंत्री मोदी के राष्ट्र सेवा के रूप में 25 वर्ष पूर्ण होने पर एक माह तक चलेंगे विभिन्न कार्यक्रम : भाजपा

फतेहपुर (हिंस)। उत्तर प्रदेश के फतेहपुर जिले में मंगलवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) जिला कार्यालय में सेवा संकल्प अभियान कार्यशाला का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में निवर्तमान क्षेत्रीय महामंत्री संन्तविलास शिवहरे उपस्थित रहे। कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए संतविलास शिवहरे ने कहा कि देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जनता एवं राष्ट्र सेवा के रूप में 25 वर्ष पूर्ण होने पर विभिन्न कार्यक्रम 17 सितम्बर से 17 अक्टूबर के मध्य आयोजित होंगे, जिसको धरातल पर उतारने की महत्वपूर्ण भूमिका हम सभी की है। जिलाध्यक्ष अन्नू श्रीवास्तव ने कहा कि संगठन के सेवा, समर्पण और राष्ट्र निर्माण के इस संकल्प को जन-जन तक पहुंचाने के लिए पूर्ण प्रतिबद्धता के साथ हम सभी तैयार हैं। आगामी कार्यक्रमों में प्रतिभाग करते हुए उसे जन-जन तक पहुंचाने में अपना योगदान देंगे, सेवा संकल्प अभियान को लेकर आयोजित होने वाले सभी कार्यक्रमों में समन्वय व सफलता को लेकर संयोजक व सहसंयोजक तय हैं जो अपनी अपनी जिम्मेदारियों को पूरा कर संगठनात्मक दायित्व निर्वहन करेंगे। कार्यशाला में विधायक राजेंद्र पटेल, विकास गुप्ता, पूर्व मंत्री रणवेंन्द्र प्रताप सिंह, अभय प्रताप सिंह, पुष्पराज पटेल, पंकज त्रिवेदी, सुशीला मौर्या, नीरज सिंह, उदय लोधी, रेखा मिश्रा, अपर्णा सिंह गौतम, कुलदीप भदौरिया, पंकज त्रिपाठी, ज्योति प्रवीण, सुनीता गुप्ता, विमलेश पांन्डेय, धर्मेंद्र सिंह, सुधीर मिश्रा, जिला पदाधिकारी, मंडल अध्यक्ष, मंडल प्रभारी, मोर्चा अध्यक्ष सहित पार्टी पदाधिकारी व कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

पंजाब रूबहबल कलां गोलीकांड में सुखबीर बादल को फिर एसआईटी का समन

चंडीगढ़ (हिंस)। वर्ष 2015 के बहबल कलां गोलीकांड मामले में विशेष जांच दल (एसआईटी) ने शिरोमणि अकाली दल के अध्यक्ष सुखबीर सिंह बादल को एक बार फिर पूछताछ के लिए 11 सितंबर को तलब किया है। सुखबीर बादल इससे पहले भी इस मामले में एसआईटी के सामने पेश हो चुके हैं। वह पूर्व में कह चुके हैं कि जांच टीम जब भी उन्हें पूछताछ के लिए बुलाएगी, वह सहयोग करते हुए पेश होंगे। शिरोमणि अकाली दल के प्रवक्ता अर्शदीप सिंह कलेर ने इस कार्रवाई को लेकर पंजाब की आम आदमी पार्टी सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार इस समय कई मुद्दों पर घिरी हुई है और लोगों का ध्यान वास्तविक समस्याओं से हटाने के लिए इस तरह की कार्रवाई की जा रही है। कलेर ने कहा कि ऐसी कार्रवाइयों से जनता का ध्यान मूल मुद्दों से नहीं हटाया जा सकता।

सुरक्षित विद्यालय सिर्फ भवन नहीं, बच्चों के लिए सम्मान और भरोसे का माहौल जरूरी : निदेशक

जयपुर (हिंस)। विद्यालयों में बच्चों को सुरक्षित, समावेशी और बाल-अनुकूल वातावरण उपलब्ध कराने के उद्देश्य से मंगलवार को *सुरक्षित विद्यालय वातावरण एवं संस्कृति* विषय पर राज्य स्तरीय वेबिनार आयोजित किया गया। राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान (सीमेट), समग्र शिक्षा, निदेशालय माध्यमिक शिक्षा, यूएनएफपीए, यूनिसेफ एवं पीरामल फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित वेबिनार की अध्यक्षता सीमेट निदेशक डॉ. नरेंद्र चौधरी ने की। डॉ. चौधरी ने कहा कि विद्यालय की सुरक्षा को केवल भवन और भौतिक संसाधनों तक सीमित नहीं किया जा सकता। बच्चों के लिए ऐसा वातावरण तैयार करना जरूरी है, जहां प्रत्येक विद्यार्थी खुद को सुरक्षित, सम्मानित, स्वीकार्य और सहज महसूस करे। उन्होंने कहा कि बच्चों के शैक्षणिक विकास के साथ उनके संस्कार, सम्मान और सुरक्षा की भावना विकसित करना भी शिक्षा तंत्र का दायित्व है। सुरक्षित वातावरण ही बच्चों के समग्र विकास की आधारशिला है। वेबिनार में विद्यालय सुरक्षा के शारीरिक, भावनात्मक, सामाजिक और डिजिटल पहलुओं के साथ बाल संरक्षण से जुड़े विषयों पर विस्तार से चर्चा हुई। विद्यालय प्रमुखों को सुरक्षित एवं सकारात्मक विद्यालयी संस्कृति के नेतृत्वकर्ता के रूप में अपनी भूमिका निभाने पर जोर दिया गया, वहीं जिला एवं ब्लॉक स्तर के अधिकारियों को निगरानी, मार्गदर्शन और सहयोग की महत्वपूर्ण कड़ी बताया गया। सत्र के दौरान लैंगिक संवेदनशीलता, बाल संरक्षण, पॉक्सो अधिनियम, विद्यालय में मर्यादित आचरण, सुरक्षित सीमाएं तथा विद्यार्थियों की शिकायतों पर संवेदनशीलता से प्रतिक्रिया देने जैसे विषयों पर भी जानकारी दी गई। अभिभावकों, विद्यालय प्रबंधन समितियों और समुदाय की भूमिका पर चर्चा करते हुए सुरक्षा व्यवस्था में सामूहिक सहभागिता को जरूरी बताया गया। प्रतिभागियों को विद्यालयों में संभावित सुरक्षा जोखिमों की पहचान करने, उपलब्ध व्यवस्थाओं की नियमित समीक्षा करने और आत्म-मूल्यांकन के माध्यम से सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने के लिए प्रेरित किया गया। समापन सत्र में प्रत्येक प्रतिभागी से अपने विद्यालय में सुरक्षा को लेकर कम से कम एक ठोस और व्यावहारिक पहल करने का आह्वान किया गया। वेबिनार में प्रदेश के सभी जिलों से संयुक्त निदेशक, मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी, अतिरिक्त जिला परियोजना समन्वयक, जिला शिक्षा अधिकारी सहित मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी, पंचायत प्रारम्भिक शिक्षा अधिकारी एवं शिक्षा विभाग के अन्य अधिकारी शामिल हुए।

यूपी टेक्सटाइल कान्क्लेव-2026 में मुख्यमंत्री योगी बोले, अब दंगा, कर्फ्यू, उपद्रव मुक्त है यूपी

लखनऊ (हिंस)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्याथ ने मंगलवार को यहां इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में यूपी टेक्सटाइल कॉन्क्लेव-2026 का उद्घाटन किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि उत्तर प्रदेश के उद्योग हैं तो उद्यमिता भी है। दुनिया का सबसे युवा वर्क फोर्स भी हमारे पास है। कृषि के बाद सबसे अधिक रोजगार सृजन का क्षेत्र है तो वह वस्त्रोद्योग है। पिछले साढ़े नौ वर्षों में हमने नई स्टोरी लिखने की व्यवस्था की है। प्रधानमंत्री मोदी ने इस सेक्टर के लिए लक्ष्य निर्धारित किया है। यह राष्ट्रीय संकल्प तब ही पूरा होगा जब उत्तर प्रदेश अपना योगदान देगा। उद्यमियों को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि 2017 के पहले यूपी की स्थिति क्या थी। किसी से छिपा नहीं है। प्रदेश में कानून व्यवस्था चौपट थी। हर जनपद में माफिया की सरकार संचालित थी। पूरे प्रदेश में हत्या, फिरौती, अपहरण उद्योग फलफूल रहा था। पेशेवर माफिया गुंडे, सत्ता के समानांतर अपनी व्यवस्था का संचालन करते थे। निवेशक बाहर से व्यापार का सपना लेकर आता था। लौटता था वसूली की पर्ची लेकर। माफिया बंदूकें लहराकर कहीं से भी आ जा सकते थे। जहां हाथ रख दिया। वह जमीन उसकी होती थी। तत्कालीन सरकार मौन रहती थी। यूपी के नागरिकों के सामने पहचान का संकट था। यूपी के बाहर यूपी के नागरिकों को कोई आवास नहीं देता था। होटल में कमरा नहीं देता था। इससे भीषण त्रासदी किसी समाज के लिए दूसरी क्या होती। मुख्यमंत्री ने कहा कि अब यूपी दंगामुक्त है, कर्फ्यूमुक्त है, उपद्रव मुक्त है। अब कोई माफिया खुली जीप में अपनी पिस्टल लहराकर खुले आम नहीं घूम सकता। अब बेटी, व्यापारी या निवेशक की सुरक्षा में कोई सेंध लगाने का दुस्साहस कोई नहीं कर सकता, अगर किया तो दो ही जगह है, या तो जेल, या फिर जहन्नुम, तीसरी कोई जगह नही। ये बदल हुआ यूपी है। जब प्रदेश के अंदर 2017 के बाद यह विश्वास बहाल हुआ तो आज परिणाम है कि आमजन का, उद्यमियों का, व्यापारियों की विश्वास बहाली हुई। उत्तर प्रदेश को वस्त्रोद्योग क्षेत्र में देश का अग्रणी राज्य बनाने के लिए उद्योग जगत बड़े निवेश को लेकर उत्साहित है। *यूपी टेक्सटाइल कॉन्क्लेव-2026* के उद्घाटन समारोह में पूर्व राज्यसभा सदस्य, उद्योगपति, समाजसेवी तथा रामकी समूह के फाउंडर एवं चेयरमैन अल्ला अयोध्या रामी रेड्डी ने उत्तर प्रदेश में निवेश के लिए उपलब्ध अनुकूल वातावरण की जमकर सराहना की। उन्होंने

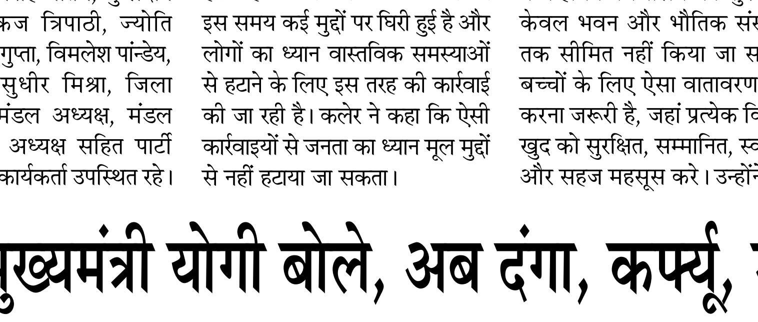

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में हो रहे तेज विकास और बेहतर औद्योगिक वातावरण की प्रशंसा करते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश अब उद्योगों के लिए निवेश और विकास की संभावनाओं वाला महत्वपूर्ण गंतव्य बनकर उभरा है। रामी रेड्डी ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में जिस गति से देश आगे बढ़ रहा है, उसी दिशा में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी उत्तर प्रदेश को नई सोच, अनुशासन और नियंत्रण के साथ आगे ले जा रहे हैं। प्रदेश में अनुशासन, नियंत्रण और सुरक्षा का वातावरण उद्योगपतियों में निवेश का भरोसा पैदा करता है। उद्योगपति अपना पैसा वहीं लगाना चाहते हैं, जहां उन्हें सुरक्षा के साथ स्थिर और भरोसेमंद वातावरण मिले। उत्तर प्रदेश देश का सबसे बड़ा राज्य होने के साथ ही संसाधनों से समृद्ध है। प्रदेश में मजबूत राजनीतिक नेतृत्व और सक्षम प्रशासनिक नेतृत्व उद्योग जगत को यह विश्वास दे रहा है कि यहां आकर निवेश किया जा सकता है। रेड्डी ने कहा कि वस्त्रोद्योग देश के सबसे पुराने और महत्वपूर्ण उद्योगों में से एक है। देश के विभिन्न हिस्सों में इस क्षेत्र का विकास हो रहा है, लेकिन तमिलनाडु ने वस्त्रोद्योग के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति की है। उत्तर प्रदेश को इस क्षेत्र में देश का नंबर एक राज्य बनाने के लिए तमिलनाडु जैसे राज्यों के सफल अनुभवों से सीख लेते हुए अपनी परिस्थितियों के अनुरूप ठोस दृष्टि और कार्ययोजना तैयार करनी होगी। इसके लिए प्रदेश सरकार और उद्योग जगत को मिलकर आगे बढ़ना होगा। उन्होंने कहा कि लखनऊ के आसपास तथा पूरे प्रदेश में चार-पांच स्थानों पर बनाए जा रहे वस्त्रोद्योग केंद्र और पार्क इस दिशा में महत्वपूर्ण शुरुआत है। इससे यह स्पष्ट होता है कि योगी सरकार वस्त्रोद्योग को लेकर गंभीरता से काम कर रही है। इस अवसर पर प्रीकॉट लिमिटेड के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक तथा कन्फेडरेशन ऑफ इंडियन टेक्सटाइल इंडस्ट्री (सीआईटीआई) के उपाध्यक्ष अश्विन चंद्रन ने कहा कि भारतीय वस्त्र एवं परिधान उद्योग एक महत्वपूर्ण बदलाव के दौर में प्रवेश कर रहा है। वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में बदलाव के बीच खरीदार अब लागत के साथ गुणवत्ता, प्रौद्योगिकी, स्थिरता, उत्पादकता और समय पर आपूर्ति को भी प्राथमिकता दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि भारत के पास कच्चे माल से तैयार उत्पाद तक, पूरी वस्त्र मूल्य श्रृंखला और विशाल घरेलू बाजार मौजूद है। अगले पांच वर्षों में भारतीय वस्त्र एवं परिधान बाजार को मौजूदा करीब 180 अरब डॉलर से बढ़ाकर लगभग 350 अरब डॉलर और निर्यात को करीब 37 अरब डॉलर से बढ़ाकर 100 अरब डॉलर तक ले जाने का लक्ष्य है।

पर्युषण पर्व का प्रथम दिवस खाद्य संयम दिवस के रूप में मना

अररिया (हिंस)। फारबिसगंज के तेरापंथ भवन में उपासक द्वय मुनीश जैन एवं भूपेन्द्र बरड़िया के सानिध्य में मंगलवार को पर्युषण महापर्व का प्रथम दिवस खाद्य संयम दिवस के रूप में श्रद्धा एवं उल्लास के साथ मनाया गया। उपासकद्वय के द्वारा खाद्य संयम दिवस पर विशेष उपवास,आयंबिल, एकासन आदि करने की प्रेरणा दी एवं खाद्य संयम के बारे में बतलाया। भाद्रपद बारस तिथि पर चतुर्थ आचार्य जीतमल को भी याद किया गया एवं उपासक द्वय उनके संस्मरणों को सुनाया। पर्युषण पर्व के प्रथम दिवस श्रावक श्राविकाओं की अच्छी उपस्थिति दर्ज की गई। फारबिसगंज के तेरापंथ भवन में पूरे पर्युषण पर्व पर सुबह पांच बजे से रात्रि 10 बजे तक तेरापंथ धर्म संघ की सभी संस्थाओं के द्वारा जप का कार्यक्रम भी विधिवत शुरूआत किया गया।

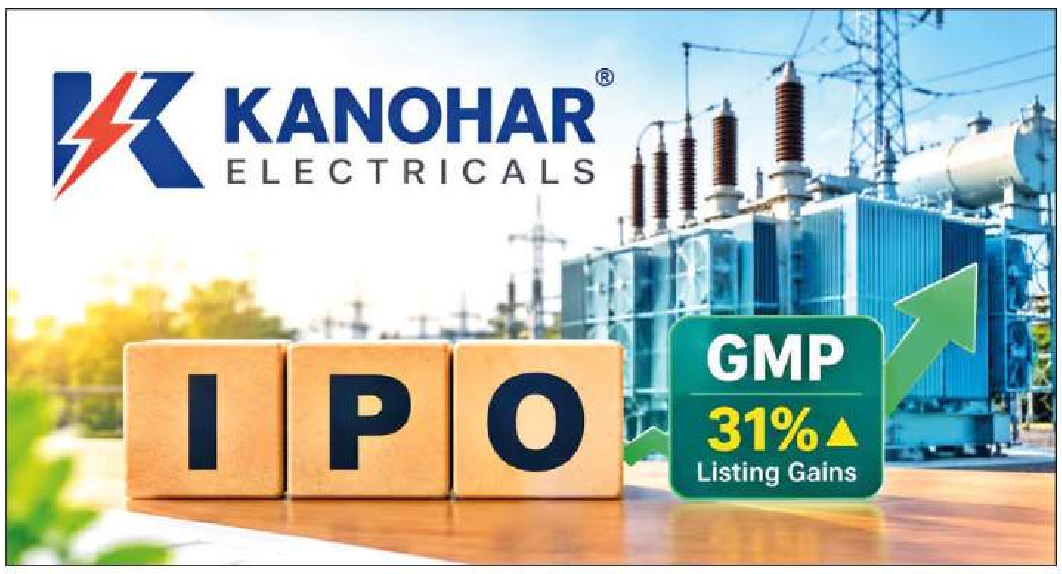

कनोहर इलेक्ट्रिकल्स का आईपीओ 2 रूपये के शेयर की 632 कीमत निवेश कितना सुरक्षित

मुंबई

कनोहर इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड का करीब 1,055.74 करोड़ रुपए का आईपीओ 8 सितंबर से 10 सितंबर तक खुला है। कंपनी ने 2 रुपए फेस वैल्यू वाले शेयर का प्राइस बैंड 601 से 632 रुपए तय किया है। यानी ऊपरी कीमत पर निवेशक फेस वैल्यू से 316 गुना कीमत चुकाना पड़ेगा। न्यूनतम 23 शेयरों की एक लाट के लिए निवेशक को न्यूनतम 14,536 रुपए निवेश करने होंगे।

सवाल यह है, क्या इतनी ऊंची कीमत निवेशकों के लिए सुरक्षित है फेस वैल्यू और इश्यू प्राइस मे इतना अंतर क्यों है। कंपनी सपने दिखाकर निवेशकों से ज्यादा पैसे निवेश करा रही है। आईपीओ का मूल्यांकन कंपनी की कमाई, संपत्ति, भविष्य की संभावनाओं और बाजार में समान कंपनियों के मूल्यांकन के आधार पर किये जाने का दावा किया जाता है। 632 रुपए की कीमत पर निवेशकों को जोखिमों की अनदेखी नहीं करनी चाहिए।

कंपनी के वित्तीय आंकड़े पहली नजर में मजबूत दिखाई देते हैं। वित्त वर्ष 2024 में 281.12 करोड़ रुपए का राजस्व और मात्र 17.76 करोड़ रुपए का मुनाफा था, जो वित्त वर्ष 2026 में बढ़कर करीब 662.86 करोड़ और मुनाफा 129.73 करोड़ रुपए हो गया। कंपनी पर कर्ज करीब 39 करोड़ रुपए है। इशू लाने के पहले और बैलेंस शीट में मुनाफा और कारोबार बढ़कर दिखाया जाता है। इस तरह की धारणा बनी हुई है।

कंपनी के शेयर का मूल्यांकन महंगा है। ऊपरी प्राइस बैंड पर पोस्ट-इश्यू पी/ई करीब 38.6 गुना बैठता है। कंपनी का वित्त वर्ष 2026 का ईपीएस करीब 17.43 रुपए और नेट एसेट मात्र 50.09 रुपए बताई गई है। यानी निवेशक बुक वैल्यू की तुलना में काफी ऊंची कीमत वसूल की जा रही है।

एक महत्वपूर्ण तथ्य यह है, वित्त वर्ष 2026 में कंपनी के राजस्व का करीब 85% हिस्सा सरकारी संस्थाओं से आया। सरकारी आर्डर, भुगतान में देरी का असर कंपनी के कारोबार पर पड़ सकता है। बड़े प्रोजेक्टों में लागत बढ़ने और मार्जिन घटने का जोखिम भी कंपनी के दस्तावेजों में बताया गया है। कंपनी स्वयं स्वीकार कर रही है कि उसके कारोबार में जोखिम भी बड़ा है। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि 1,055.74 करोड़ रुपए के इश्यू में केवल 300 करोड़ रुपए कंपनी को नए शेयर जारी करके मिलेंगे।

न्यूज ब्रीफ

कच्चे तेल की कीमत 97 डालर पार, फिर भी पेट्रोल-डीजल के दाम स्थिर, 100.55 रुपये से लेकर 116.39 लीटर तक है पेट्रोल का भाव

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में गहराते भू-राजनीतिक तनाव के बीच अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतें लगातार बढ़ रही हैं, जो 97 डालर प्रति बैरल के पार पहुंच गई हैं और जल्द ही 100 डालर का आंकड़ा छूने की आशंका है। हालांकि, इस वैश्विक हलचल के बावजूद भारतीय उपभोक्ताओं को राहत मिली है। देश की तेल विपणन कंपनियों ने पेट्रोल और डीजल की दरों में कोई फेरबदल नहीं किया है, जिससे भी राजधानी दिल्ली सहित प्रमुख शहरों में ईंधन के दाम स्थिर बने हुए हैं। तेल विपणन कंपनियों ने सुबह 6 बजे जारी दरों में कोई फेरबदल नहीं किया है, जिससे देशभर में पेट्रोल और डीजल के भाव यथावत हैं। राजधानी दिल्ली में पेट्रोल 102.12 रुपए और डीजल 95.20 रुपए प्रति लीटर पर टिका हुआ है। पड़ोसी शहर नोएडा में पेट्रोल 102.12 रुपए और गुरुग्राम में 102.97 रुपए प्रति लीटर बिक रहा है। देशभर में सबसे सस्ता पेट्रोल देहरादून में 100.55 रुपए प्रति लीटर मिल रहा है, जबकि सबसे महंगा पेट्रोल विशाखापट्टनम में 116.39 रुपए प्रति लीटर पर स्थिर है। अन्य प्रमुख शहरों जैसे लखनऊ में पेट्रोल 101.89, जयपुर में 112.69 और भोपाल में 114.57 रुपए प्रति लीटर के भाव मिल रहा है। उच्च प्रदर्शन वाले प्रीमियम एक्सपी 95 और अल्ट्रा-प्रीमियम एक्सपी 100 जैसे ईंधनों की कीमतों में भी कोई बदलाव नहीं किया गया है, जिससे वाहन चालकों पर अतिरिक्त बोझ नहीं पड़ा है।

तकनीकी खराबी से आरबीआई की 7 लाख करोड़ की नीलामी प्रभावित, कई बैंक भाग नहीं ले पाए, केवल 2.59 लाख करोड़ की बोलियां मिलीं

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की 7 लाख करोड़ रुपये की अधिसूचित राशि के लिए आयोजित 30-दिवसीय वेरिएबल रेट रिवर्स रीपो (वीआरआरआर) नीलामी में उम्मीद से काफी कम मांग देखी गई। यह कमी आरबीआई के ई-कुबेर पोर्टल में आई एक तकनीकी खराबी के कारण हुई, जिसके चलते नीलामी को दूसरे प्लेटफार्म पर ले जाना पड़ा और कई बैंक इसमें भाग नहीं ले सके। बाजार सहभागियों ने बताया कि आरबीआई के कोर बैंकिंग साल्यूशन (सीबीएस) ई-कुबेर प्लेटफार्म में तकनीकी समस्या आ गई थी। इसके कारण बोली प्रक्रिया को दूसरे मंच पर स्थानांतरित करना पड़ा। कुछ बैंकों को इस बदलाव की जानकारी नहीं मिल पाई, जिससे वे नीलामी में भाग नहीं ले सके। आरबीआई ने 7 लाख करोड़ रुपये की अधिसूचित राशि के मुकाबले केवल 2.59 लाख करोड़ रुपये की बोलियां प्राप्त कीं। बाजार सहभागियों ने लगभग 5 लाख करोड़ रुपये तक की बोलियों की उम्मीद की थी, लेकिन वास्तविक प्रतिक्रिया अपेक्षाओं से काफी कम रही। एक वरिष्ठ बैंकर ने कहा, सिस्टम के स्तर पर खराबी थी। यह नीलामी बैंकिंग प्रणाली से अतिरिक्त नकदी को अवशोषित करने के लिए आयोजित की जाती है। आंकड़ों के अनुसार, बैंकिंग व्यवस्था में 11.16 लाख करोड़ रुपये का शुद्ध नकदी अधिशेष था, जो इस नीलामी की आवश्यकता को रेखांकित करता है।

सरकारी बान्ड में एफपीआई को राहत, सेबी ने निवेशक समूह की जानकारी से छूट दी

मुंबई। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) के लिए एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए सरकारी प्रतिभूतियों में निवेश करने वाले ऐसे निवेशकों को निवेशक समूह की विस्तृत जानकारी देने की अनिवार्यता से छूट दे दी है। इस कदम से भारत के बान्ड बाजार में विदेशी निवेश को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। पहले यह छूट केवल फुली एक्सेसिबल रूट (एफएआर) के तहत सरकारी बान्ड में निवेश करने वाले एफपीआई तक सीमित थी। लेकिन अब इसे उन सभी एफपीआई तक बढ़ा दिया गया है जो सिर्फ सरकारी ऋण में निवेश करते हैं, भले ही उनका निवेश तरीका कुछ भी हो।

सर्राफा बाजार में सोने के भाव में गिरावट जारी, चांदी की कीमत में बदलाव नहीं

नई दिल्ली

घरेलू सर्राफा बाजार में शुरुआती कारोबार के दौरान सोने के भाव में गिरावट का रुख बना हुआ नजर आ रहा है। वहीं चांदी के भाव में कोई बदलाव नहीं हुआ है। देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में सोना 600 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 650 रुपये प्रति 10 ग्राम तक सस्ता हो गया है। भाव में बदलाव होने के कारण सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 1,54,140 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,54,290 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना 1,41,290 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,41,440 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में बदलाव नहीं होने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में भी 2,49,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है।

दिल्ली में 24 कैरेट सोना 1,54,290 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,41,440 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,54,140 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,41,290 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,54,190 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,41,340 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है।

इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना 1,54,140 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,41,290 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,54,140 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,41,290 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,54,190 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,41,340 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,54,290 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,41,440 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,54,190 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,41,340 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 1,54,290 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 1,41,440 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी सोना गिरावट के साथ कारोबार करता हुआ नजर आया। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना 1,54,140 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 1,41,290 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

गिरवी रसीद, लोन एग्रीमेंट और गहनों की वैल्यूएशन रिपोर्ट संभाल कर रखें

नई दिल्ली

गोल्ड लोन लेते समय बैंक या कंपनी के पास गहने गिरवी रखने पड़ते हैं। ऐसे में अगर कर्ज चुकाने से पहले बैंक की कस्टडी में रखे गहने चोरी या गायब हो जाएं, तो यह सवाल उठता है कि नुकसान की भरपाई कौन करेगा और मुआवजा कैसे मिलेगा। अगर आपको पता चलता है कि आपका गिरवी रखा गोल्ड चोरी हो गया है, तो तुरंत बैंक को इसके बारे में जानकारी दें।

बैंक या कंपनी के पास गिरवी रखे गहने चोरी हो जाएं तो कानून के मुताबिक होगी भरपाई

साथ ही बैंक से घटना की लिखित जानकारी और पुलिस में दर्ज शिकायत या एफआईआर की कापी मांगे। बैंक के साथ हुई बातचीत और सभी दस्तावेज को अपने पास सुरक्षित रखें। बातचीत के दौरान बैंक से लिखित तौर पर पूछें कि किस स्थिति में चोरी हुए और नुकसान की भरपाई के लिए क्या प्रोसेस अपनाई जा रही है।

गोल्ड जमा करते समय मिले गिरवी रसीद, गोल्ड लोन एग्रीमेंट और गहनों की वैल्यूएशन रिपोर्ट जैसी डाक्युमेंट को अपने पास संभाल कर रखें। इन दस्तावेजों के जरिए यह साबित किया जा सकता है कि बैंक के पास कौन-से गहने गिरवी रहे थे और उनका वजन और कीमत कितनी थी। इसके अलावा उन गहने का फोटो और खरीदारी की बिल को भी महफूज रखें। आमतौर पर चोरी होने मुआवजे की रकम और उस पर ब्याज का फैसला मामले की परिस्थितियों, बैंक की जिम्मेदारी, अनुबंध, बीमा और लागू कानून के मुताबिक तय की जाती है। ऐसे में फिलहाल यह कहना सही नहीं है कि हर मामले में सोना की पूरी कीमत या ब्याज अपने आपको मिल जाएगा।

पेट्रोलियम कंपनियों ने सरकार से मांगे 75 हजार करोड सरकार का फैसला 2027 में

नई दिल्ली । देश की तीन बड़ी सरकारी पेट्रोलियम कंपनियां इंडियन आयल, भारत पेट्रोलियम, और हिंदुस्तान पेट्रोलियम ने ईंधन बिक्री में हुए नुकसान की भरपाई के लिए केंद्र सरकार से 75 हजार करोड़ रुपये के मुआवजे की मांग की है। सरकार ने फिलहाल फैसला टालते हुए नुकसान का आकलन कर 2027 में मुआवजे पर निर्णय लेने की बात कही है। दिलचस्प यह है, इन कंपनियों के पिछले दो वर्षों के मुनाफे के आंकड़े हजारों करोड़ रुपये के हैं। वित्त वर्ष 2023-24 में आईओसी का शुद्ध लाभ करीब 39,619 करोड़, बीपीसीएल का 26,673 करोड़ और एचपीसीएल का 14,694 करोड़ रुपये का मुनाफा था। यानी तीनों कंपनियों का संयुक्त लाभ करीब 81 हजार करोड़ रुपये रहा। वित्त वर्ष 2024-25 में मुनाफा घटा, लेकिन कंपनियां फिर भी लाभ मे रहीं। आइओसी ने 12,962 बीपीसीएल ने करीब 13,337 और एचपीसीएल ने 7,365 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ कमाया है। कंपनियों का लाभ जरूर काम हुआ है लेकिन घाटे जैसी कोई बात नहीं है। ऐसे में 75 हजार करोड़ के मुआवजे की मांग ने कई सवाल खड़े किए हैं। क्या उपभोक्ताओं को नियंत्रित कीमतों पर ईंधन उपलब्ध कराने के स्थान पर पेट्रोलियम कंपनियां उपभोक्ताओं से भारी मुनाफा वसूली करना चाहती हैं।

भारत ने बदली एलपीजी रणनीति, अब अमेरिका बना सबसे बड़ा सप्लायर

खाड़ी देशों से आयात 40 फीसदी घटा, अमेरिका की हिस्सेदारी बढ़कर 50 फीसदी पहुंची

नई दिल्ली

मध्य पूर्व में अमेरिका और ईरान के बीच छिड़े युद्ध ने भारत के सामने एलपीजी आपूर्ति का एक बड़ा संकट खड़ा कर दिया था। लेकिन, भारत ने इस चुनौती को अवसर में बदलते हुए अपनी ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित की है। कतर जैसे पारंपरिक आपूर्तिकर्ताओं पर हमले के बाद, भारत ने अपनी एलपीजी आयात रणनीति में आमूलचूल परिवर्तन किया है और अब संयुक्त राज्य अमेरिका उसका सबसे बड़ा एलपीजी आपूर्तिकर्ता बन गया है, जो पहले 10 फीसदी से भी कम था। बीते छह महीनों के आंकड़े बताते हैं कि जहां पहले भारत अपनी जरूरत का अधिकांश एलपीजी खाड़ी देशों जैसे यूएई, कतर, सऊदी अरब और कुवैत से मंगाता था, वहीं अब अमेरिका की हिस्सेदारी बढ़कर 50 फीसदी तक पहुंच गई है।

मार्च में ईरान, अमेरिका और इजराइल के बीच युद्ध शुरू होने के बाद खाड़ी देशों से भारत का एलपीजी आयात 40 फीसदी तक कम हो गया था, जिससे देश में एलपीजी का संकट गहराने लगा था। इसी संकट के माहौल में सरकार ने तत्काल कदम उठाते हुए अपनी आपूर्ति श्रृंखला को अमेरिका की ओर मोड़ दिया। गौरतलब है कि युद्ध से पहले, होर्मुज जलडमरूमध्य भारत की ऊर्जा आपूर्ति का लाइफलाइन था, जिससे हमारी जरूरत का 40 फीसदी कच्चा तेल, 60 फीसदी एलएनजी और 90 फीसदी एलपीजी का आयात होता था। यह मार्ग भारत की कुल 54 फीसदी ऊर्जा जरूरतों को पूरा करता था।

युद्ध के कारण इस मार्ग पर बढ़ते तनाव ने भारत को विकल्प तलाशने पर मजबूर किया। अबू धाबी की एक एनर्जी एनालिस्ट के अनुसार, युद्ध शुरू होने से पहले भी अमेरिका दुनिया का सबसे बड़ा एलपीजी सप्लायर था, और इस संकट ने एशियाई देशों में उसकी धाक बढ़ा दी है। हालांकि, इस रणनीतिक बदलाव के चलते भारत को फिलहाल एलपीजी के लिए अधिक कीमत चुकानी पड़ रही है, जबकि अमेरिकी गैस आमतौर पर सस्ती मानी जाती है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने उम्मीद जताई है कि युद्ध समाप्त होने के बाद गैस के दाम 2 डालर तक गिर सकते हैं। इस नए जुगाड़ से भारत की एलपीजी आपूर्ति अब मध्य पूर्व के भू-राजनीतिक उथल-पुथल से अपेक्षाकृत अप्रभावित रहेगी।

ग्लोबल मार्केट से मिले-जुले संकेत, एशिया में भी मिला-जुला कारोबार

नई दिल्ली

ग्लोबल मार्केट से मिले-जुले संकेत मिल रहे हैं। वाल स्ट्रीट में छुट्टी होने की वजह से अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र के दौरान कोई कारोबार नहीं हुआ। हालांकि डाउ जान्स फ्यूचर्स 328.44 अंक यानी 0.61 प्रतिशत गिरावट के साथ 53,085.81 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार में पिछले सत्र के दौरान मिला-जुला कारोबार होता रहा। इसी तरह एशियाई बाजार में भी मिला-जुला कारोबार होता हुआ नजर आ रहा है।

यूरोपीय बाजार पिछले सत्र के दौरान मिले-जुले परिणाम के साथ बंद हुए। एफटीएसई इंडेक्स 0.13 प्रतिशत टूट कर 10,817.46 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह डीएएक्स इंडेक्स ने 0.23 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 25,987.40 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। दूसरी ओर, सीएसी इंडेक्स 0.24 प्रतिशत की मजबूती के साथ 8,299 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

एशियाई बाजार में भी मिला-जुला कारोबार हो रहा है। एशिया के नौ बाजार में से पांच के सूचकांक मजबूती के साथ हरे निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि चार सूचकांक गिरावट के साथ लाल निशान में बने हुए हैं। गिफ्ट निफ्टी 0.18 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 23,784.50 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह सेट कंपोजिट इंडेक्स 0.16 प्रतिशत लुढ़क कर 1,616.18 अंक के स्तर पर आ गया है। इसके अलावा हैंग सेंग इंडेक्स 103.12 अंक यानी 0.41 प्रतिशत फिसल कर 25,310 अंक के स्तर पर और स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स 0.57 प्रतिशत की गिरावट के साथ 5,759.22 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं।

दूसरी ओर, निक्केई इंडेक्स 223.16 अंकित 0.34 प्रतिशत की मजबूती के साथ 66,623 अंक के स्तर पर आ गया है। इसी तरह शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 0.36 प्रतिशत उछल कर 3,946.99 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। कोस्पी इंडेक्स ने जोरदार छलांग लगाई है। फिलहाल यह सूचकांक 165.84 अंक यानी 2.37 प्रतिशत की बढ़त के साथ 7,161.23 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स 0.82 प्रतिशत की उछाल के साथ 6,673.63 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। इसके अलावा ताईवान वेटेड इंडेक्स 95.02 अंक यानी 0.20 प्रतिशत की मजबूती के साथ 47,421.29 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है।

क्रिकेट आस्ट्रेलिया ने बिग बैश लीग में निजी निवेश का रास्ता खोला, मेलबर्न रेनेगेड्स से होगी शुरुआत

मेलबर्न

क्रिकेट आस्ट्रेलिया (सीए) ने बिग बैश लीग (बीबीएल) में निजी निवेश का रास्ता खोलने की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। इसके तहत मेलबर्न रेनेगेड्स ऐसा पहला क्लब होगा, जिसके लिए निजी निवेशकों से बोली आमंत्रित की जाएगी। योजना के अनुसार रेनेगेड्स 2027-28 सत्र में नए स्वामित्व के साथ मैदान पर उतर सकता है।

सीए, निजी निवेशकों से रेनेगेड्स के लिए प्रस्ताव आमंत्रित करेगा। इस प्रक्रिया की सफलता के बाद अन्य बिग बैश लीग क्लबों के लिए भी निजी निवेश का रास्ता खुल सकता है। हालांकि, भविष्य में किसी अन्य क्लब की बिक्री का फैसला संबंधित राज्य सदस्य अपने क्लब और स्थानीय समुदाय के हितों को ध्यान में रखते हुए करेंगे।

क्रिकेट आस्ट्रेलिया के अध्यक्ष माइक बेयर्ड ने एक आधिकारिक बयान में कहा, क्रिकेट आस्ट्रेलिया और उसके राज्य सदस्य बिग बैश लीग और महिला बिग बैश लीग में निवेश करने और उन्हें विकसित करने तथा क्रिकेट के हर स्तर के हितों को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। बिग बैश लीग में निजी निवेश का रास्ता खोलकर क्रिकेट आस्ट्रेलिया खेल के दीर्घकालिक भविष्य को मजबूत और सुरक्षित करने की दिशा में एक सोच-समझकर उठाया गया कदम उठा रहा है।

उन्होंने कहा, रेनेगेड्स की बिक्री प्रक्रिया शुरू करना हमारे सदस्यों के लिए स्व-निर्धारण माडल में पहला कदम है और यह आस्ट्रेलियाई क्रिकेट के लिए एक महत्वपूर्ण पड़ाव है।

सीए ने स्पष्ट किया है कि निजी निवेश आने के बावजूद आस्ट्रेलियाई क्रिकेट के महत्वपूर्ण मामलों पर उसका और उसके राज्य सदस्यों का नियंत्रण बना रहेगा। इनमें अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रम, खिलाड़ियों की उपलब्धता, बिग बैश लीग और महिला बिग बैश लीग की वेतन सीमा, ब्रांडिंग से जुड़े प्रस्ताव, लाइसेंस के लिए न्यूनतम निर्धारित मूल्य और निवेशकों की मंजूरी शामिल हैं।

बेयर्ड ने कहा, यह एक महत्वपूर्ण फैसला है, जिसके लिए कई महीनों तक व्यापक विश्लेषण, चर्चा और सहयोग किया गया है। मैं इस प्रक्रिया में शामिल सभी लोगों को धन्यवाद देना चाहता हूं। हम मानते हैं कि यह आस्ट्रेलिया में क्रिकेट के भविष्य को सुरक्षित करने, बिग बैश को मजबूत करने और वैश्विक स्तर पर अपनी स्थिति बनाए रखने का सबसे बेहतर तरीका है। मेलबर्न रेनेगेड्स की बिक्री प्रक्रिया आस्ट्रेलियाई क्रिकेट में क्लब स्वामित्व के ढांचे में बड़े बदलाव की शुरुआत मानी जा रही है।

न्यूज ब्रीफ

यूएस ओपनः अलेक्जेंडर ज्वेरेव ने लुसियानो डारडेरी को हराया, क्वार्टर फाइनल में पहुंचे

न्यूयार्क। शीर्ष वरीयता प्राप्त जर्मनी के अलेक्जेंडर ज्वेरेव ने इटली के लुसियानो डारडेरी को सीधे सेटों में हराकर यूएस ओपन 2026 के क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली। ज्वेरेव ने खेले गए मुकाबले में डारडेरी को 6-2, 6-2, 7-6(7-3) से शिकस्त दी। लगातार चौथी रात मुकाबला खेलने उतरे 29 वर्षीय ज्वेरेव ने शुरुआत से ही आक्रामक खेल दिखाया। इस टूर्नामेंट में इससे पहले वह दो मुकाबले पांच सेट तक खेल चुके थे, लेकिन डारडेरी के खिलाफ उन्होंने मुकाबले को लंबा खिंचने नहीं दिया। ज्वेरेव ने पहले सेट में अपनी सर्विस पर दबाव के बावजूद शानदार नियंत्रण बनाए रखा और सेट 6-2 से अपने नाम किया। दूसरे सेट में 21वीं वरीयता प्राप्त डारडेरी की एक गलत ड्राप शाट ने ज्वेरेव को दूसरी बार ब्रेक का मौका दिया, जिसका उन्होंने पूरा फायदा उठाया। ज्वेरेव ने 4-0 की बढ़त हासिल करने के बाद दूसरा सेट भी 6-2 से जीत लिया। तीसरे सेट में डारडेरी ने वापसी की कोशिश की। उनकी तेज पहली सर्विस और ड्राप शाट ने ज्वेरेव को काफी परेशान किया और मुकाबला टाई-ब्रेक तक पहुंचा। हालांकि ज्वेरेव ने दबाव में धैर्य बनाए रखते हुए टाई-ब्रेक 7-3 से जीतकर मुकाबला अपने नाम कर लिया।

भारतीय अंडर-19 क्रिकेट टीम में बदलाव, आर्यन सावसानी और तन्मय को मिली जगह , रोहित यादव बाहर

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) की जूनियर क्रिकेट समिति ने आस्ट्रेलिया अंडर-19 के खिलाफ आगामी मुकाबलों के लिए भारत अंडर-19 टीम में दो बदलाव किए हैं। सौराष्ट्र क्रिकेट संघ के आर्यन सावसानी को वनडे टीम में रोहित यादव की जगह शामिल किया गया है, जबकि हरियाणा क्रिकेट संघ के तन्मय बालोदा को बहुदिवसीय मुकाबलों के लिए रोहित के स्थान पर चुना गया है। रोहित यादव को राजकोट और अहमदाबाद में आस्ट्रेलिया अंडर-19 के खिलाफ आगामी मुकाबलों के लिए भारत की अंडर-19 वनडे और बहुदिवसीय टीम में चुना गया था। हालांकि, उम्र से जुड़ी विसंगतियों के कारण उन्हें टीम से हटा दिया गया है। भारत अंडर-19 की संशोधित वनडे टीमः लक्ष्य रायचंदानी (कप्तान), यशवर्धन चौहान (उपकप्तान), रजत बघेल (विकेटकीपर), आर्यवीर सहवाग, वी.के. विनीत, कुशाग्र ओझा, अर्जुन राजपूत, मनाल चौहान, अनय द्रविड़ (विकेटकीपर), वी. यशवीर, शावित विनोद, मोहित उलवा, चिगुरुपति वेंकट, काव्या पटेल, आर्यन सावसानी। भारत अंडर-19 की संशोधित बहुदिवसीय टीमः यशवर्धन चौहान (कप्तान), लक्ष्य रायचंदानी (उपकप्तान), सागर विर्क, कुशाग्र ओझा, मनाल चौहान, कुश पटेल, मानव कृष्ण (विकेटकीपर), अभिप्राय बिस्वास (विकेटकीपर), ईशान ओम, अयान अकरम, प्रणव राघवेंद्र, प्रियांशु सिंह, मोहित उलवा, आर्यन यादव, तन्मय बालोदा।

नशरा के छह विकेट से हांगकांग ढेर, 72 रन से जीत के बाद पाकिस्तान एशिया कप के सेमीफाइनल में

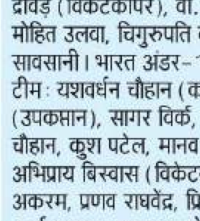

दुबई। बाएं हाथ की स्पिनर नशरा संधू की शानदार गेंदबाजी के दम पर पाकिस्तान ने एसीसी महिला टी20 एशिया कप के ग्रुप-ए मुकाबले में हांगकांग को 72 रन से हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया। पाकिस्तान अब 11 सितंबर को दूसरे सेमीफाइनल में श्रीलंका से भिड़ेगा। पाकिस्तान ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 20 ओवर में आठ विकेट पर 143 रन बनाए। शावाल जुल्फिकार ने 35 गेंदों में सात चौकों की मदद से 47 रन की अहम पारी खेली। आयशा जफर ने 19 गेंदों में 26 रन बनाए, जबकि कप्तान फातिमा सना 24 गेंदों में 24 रन बनाकर नाबाद रहीं। हांगकांग की जायलीन कौर ने चार विकेट लिए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी हांगकांग की टीम नशरा संधू की फिरकी के सामने टिक नहीं सकी और 71 रन पर आलआउट हो गई। नशरा ने चार ओवर में सिर्फ सात रन देकर छह विकेट झटके और उन्हें प्लेयर आफ द मैच चुना गया। यह टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में नशरा का पहला छह विकेट वाला प्रदर्शन है। उनके 4-0-7-6 के आंकड़े पाकिस्तान की महिला क्रिकेटर द्वारा टी20 अंतरराष्ट्रीय में सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी प्रदर्शन भी बन गए। उन्होंने ओमैमा सोहैल के 2022 में श्रीलंका के खिलाफ बनाए गए 5/13 के रिकार्ड को पीछे छोड़ा। पाकिस्तान ने तीन मैचों में दो जीत के साथ ग्रुप-ए में चार अंक जुटाकर दूसरा स्थान हासिल किया।

एशियाई खेलों के लिए भारतीय महिला हाकी टीम रवाना, लास एंजिल्स ओलंपिक का सीधा टिकट लक्ष्य

बेंगलुरु

एफआईएच महिला हाकी विश्व कप बेल्जियम और नीदरलैंड्स 2026 में ऐतिहासिक पांचवां स्थान हासिल करने के बाद भारतीय महिला टीम जापान के लिए रवाना हो गई। टीम का लक्ष्य एशियाई खेल आइची-नागोया 2026 में स्वर्ण पदक जीतने के साथ लास एंजिल्स 2028 ओलंपिक के लिए सीधे क्वालीफाई करना है। टीम की कप्तानी सलीमा टेटे कर रही हैं, जबकि मुख्य कोच की जिम्मेदारी सजार्ड मारिजने संभाल रहे हैं। मारिजने की वापसी के बाद भारतीय महिला टीम ने फिटनेस, टीम के बीच तालमेल और मजबूत सामूहिक पहचान पर विशेष ध्यान दिया है। उनके मार्गदर्शन में भारत ने 2026 की शुरुआत एफआईएच महिला हाकी विश्व कप क्वालीफायर में रजत पदक के साथ की। टीम फाइनल तक अजेय रही और इटली को सेमीफाइनल में 1-0 से हराकर विश्व कप के लिए क्वालीफाई किया।

इसके बाद भारत ने आकलैंड में एफआईएच महिला हाकी नेशंस कप में शानदार प्रदर्शन किया। भारत ने पूल चरण में अमेरिका, जापान और उरुग्वे को हराया। सेमीफाइनल में चिली को 6-0 से मात देने के बाद फाइनल में मेजबान न्यूजीलैंड को 2-0 से हराकर खिताब जीता। इस जीत के साथ भारत ने अगले सत्र की एफआईएच महिला हाकी प्रो लीग में भी पदोन्नति हासिल की।

विश्व कप में भी भारतीय टीम ने शानदार प्रदर्शन किया और पांचवें स्थान पर रही, जो 1974 के पहले विश्व कप के बाद उसका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। भारत को पूरे टूर्नामेंट में केवल एक हार मिली। टीम ने चीन, इंग्लैंड और आस्ट्रेलिया जैसी ऊंची रैंकिंग वाली टीमों के खिलाफ ड्रा खेला, जबकि दक्षिण अफ्रीका को 6-1 से हराया। भारत ने विश्व कप का समापन विश्व नंबर पांच जर्मनी के खिलाफ 3-1 की जीत से किया।

अब भारतीय टीम की नजर एशियाई खेलों पर है, जहां दांव और भी बड़ा है। एफआईएच के लास एंजिल्स 2028 ओलंपिक क्वालीफिकेशन नियमों के अनुसार, महिला हाकी प्रतियोगिता में सबसे ऊंचे स्थान पर रहने वाली पात्र टीम को ओलंपिक कोटा स्थान मिलेगा, बशर्ते वह किसी अन्य माध्यम से पहले ही क्वालीफाई न कर चुकी हो। ऐसे में भारत के लिए एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीतना सीधे ओलंपिक टिकट हासिल करने का रास्ता होगा।

भारत को पूल बी में जापान, थाईलैंड, सिंगापुर, इंडोनेशिया और उज्बेकिस्तान के साथ रखा गया है। भारतीय टीम 20 सितंबर को उज्बेकिस्तान के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेगी। इसके बाद 21 सितंबर को इंडोनेशिया, 23 सितंबर को थाईलैंड, 25 सितंबर को जापान और 27 सितंबर को सिंगापुर से मुकाबला होगा। नाकआउट चरण 30 सितंबर से शुरू होगा और इसी दिन सेमीफाइनल भी खेले जाएंगे। स्वर्ण पदक का मुकाबला 2 अक्टूबर को होगा।

कप्तान सलीमा टेटे ने कहा कि टीम हालिया सफलताओं से आत्मविश्वास से भरी है, लेकिन एशियाई खेलों में हर मुकाबले में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा।

उन्होंने कहा, हम एशियाई खेलों में काफी आत्मविश्वास के साथ जा रहे हैं, लेकिन हम यह भी जानते हैं कि हर टूर्नामेंट एक नई चुनौती लेकर आता है। नेशंस कप और विश्व कप ने हमें यह विश्वास दिया है कि हम एक टीम के रूप में क्या हासिल कर सकते हैं और अब हमारा ध्यान उससे एक कदम आगे बढ़ने पर है। हमारा लक्ष्य बिल्कुल स्पष्ट है—हम स्वर्ण पदक के लिए पूरी ताकत से लड़ना चाहते हैं और लास एंजिल्स ओलंपिक के लिए सीधे क्वालीफाई करना चाहते हैं। हम जानते हैं कि इसके लिए निरंतरता, अनुशासन और हर मैच में अपना सर्वश्रेष्ठ देना जरूरी होगा और एक टीम के रूप में हम इस चुनौती के लिए तैयार हैं।

एशियाई खेलों के लिए 20 सदस्यीय भारतीय टीम में अनुभवी खिलाड़ियों के साथ युवा प्रतिभाओं का भी अच्छा मिश्रण है। टीम में दो गोलकीपर सविता और बिचु देवी खरिबाम, पांच डिफेंडर इशिका चौधरी, सुशीला चानू पुखरामबम, लालथांतलुआंगी, ज्योति और शिल्पी डबास शामिल हैं।

मिडफील्ड में निक्की प्रधान, साक्षी राणा, सुनेलिता टोप्पो, कप्तान सलीमा टेटे, नेहा और दीपिका सोरेंग हैं। अग्रिम पंक्ति में लालरेमसियामी, रुतुजा दादासो पिसाल, नवनीत कौर, दीपिका, इशिका, बलजीत कौर और ब्यूटी डुंगडुंग को जगह मिली है। नेशंस कप खिताब और पांच दशक से अधिक समय बाद विश्व कप में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के बाद भारतीय महिला टीम के पास एशियाई खेलों में एक और ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल करने का सुनहरा मौका है।

जूनियर एशिया कप

भारत ने दक्षिण कोरिया को 7-3 से हराया, सेमीफाइनल के करीब पहुंचा

मोकी, चीन

भारतीय जूनियर पुरुष हाकी टीम ने एएचएफ जूनियर एशिया कप 2026 में शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए दक्षिण कोरिया को 7-3 से हरा दिया। इस जीत के साथ भारत पूल-ए में सात अंकों के साथ शीर्ष पर बना हुआ है और सेमीफाइनल में जगह बनाने के बेहद करीब पहुंच गया है।

मौजूदा चैंपियन भारत ने तीन मुकाबलों में दो जीत और एक ड्रा के साथ सात अंक हासिल किए हैं। दक्षिण कोरिया के खिलाफ मुकाबले में भारतीय टीम ने शुरुआती तीन क्वार्टर में कड़ी चुनौती का सामना किया, लेकिन तीसरे क्वार्टर के आखिरी दौर में बढ़त हासिल करने के बाद अंतिम क्वार्टर में तीन गोल दागकर मुकाबले को पूरी तरह अपने पक्ष में कर लिया।

भारत के कप्तान और स्टार ड्रैगफ्लिकर अनमोल एक्का एक बार फिर टीम के सबसे प्रभावी खिलाड़ी रहे। उन्होंने दो गोल किए और टूर्नामेंट में अपने गोलों की संख्या आठ तक पहुंचा दी। भारत ने पांचवें मिनट में पेनल्टी कार्नर पर अनमोल के गोल से बढ़त बनाई। हालांकि, दक्षिण कोरिया ने अगले ही मिनट में दोह्योन चोई के पेनल्टी कार्नर पर किए गए गोल से स्कोर 1-1 कर दिया। दूसरे क्वार्टर में लोवेनूर सिंह ने 18वें मिनट में मैदानी गोल कर भारत को फिर आगे किया, लेकिन ह्योगुक यू ने अगले ही मिनट पेनल्टी कार्नर को गोल में बदलकर दक्षिण कोरिया को 2-2 की बराबरी दिला दी। भारत ने हालांकि हाफ टाइम से पहले बढ़त हासिल कर ली। अजीत यादव ने 20वें मिनट में गोल कर भारत को 3-2 से आगे कर दिया।

दक्षिण कोरिया ने तीसरे क्वार्टर में भी दबाव बनाए रखा और ह्योगुक यू ने 36वें मिनट में अपना दूसरा गोल कर स्कोर 3-3 कर दिया। इसके बाद भारत ने 42वें मिनट में प्रभदीप सिंह के गोल से फिर बढ़त हासिल की और तीसरे क्वार्टर के अंत में स्कोर 4-3 कर दिया।

अंतिम क्वार्टर के शुरुआती दौर में दोनों टीमों ने लगातार हमले किए, लेकिन भारत ने 55वें से 58वें मिनट के बीच तीन गोल कर मुकाबले का रुख पूरी तरह बदल दिया। गुरसेवक सिंह ने 55वें मिनट में गोल कर बढ़त 5-3 की। इसके एक मिनट बाद अनमोल एक्का ने पेनल्टी कार्नर को गोल में बदलकर भारत को 6-3 से आगे कर दिया। आर्यन एक्सेस ने 58वें मिनट में सातवां गोल दागकर भारत की 7-3 से जीत सुनिश्चित कर दी।

ईशान ने की मोहम्मद शमी की जमकर प्रशंसा

चेन्नई। युवा विकेटकीपर-बल्लेबाज ईशान किशन ने अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा है कि वह जिस प्रकार से घरेलू क्रिकेट में खेल रहे हैं। उससे पता चलत है कि वह जुनूनी हैं और हर हाल में राष्ट्रीय टीम में वापसी करना चाहते हैं। ईशान किशन आजकल दलीप ट्राफी में ईस्ट जोन की कप्तानी कर रहे हैं और शमी उनकी कप्तीन में टीम के मुख्य गेंदबाज के तौर पर खेल रहे है। गौरतलब है कि शमी ने साल 2025 की शुरुआत में भारत की चैंपियंस ट्राफी जीत के बाद से कोई अंतरराष्ट्रीय मैच नहीं खेला है, पर घरेलू स्तर पर उनका प्रदर्शन लगातार शानदार रहा है। ईशान ने साउथ जोन के खिलाफ फाइनल मुकाबले से पहले शमी की जमकर तारीफ करते हुए कहा कि 36 साल के शमी को खेलते हुए देखकर कोई भी हैरान हुए बिना नहीं रह सकता। है। उन्होंने कहा, मेरे हिसाब से उम्र सिर्फ एक नंबर है। ईशान के अनुसार, शमी का मौजूदा रवैया और घरेलू क्रिकेट में उनका लगातार शानदार प्रदर्शन इस बात का प्रमाण है कि वह अभी भी भारत के लिए खेलना चाहते हैं और टीम में अपनी जगह दोबारा हासिल करने के लिए पूरे प्रयास कर रहे हैं।

मार्क चैपमैन ने न्यूजीलैंड का केंद्रीय अनुबंध छोड़ा, बिग बैश लीग में खेलने का रास्ता साफ

आकलैंड

न्यूजीलैंड के बल्लेबाज मार्क चैपमैन ने 2026-27 सत्र के लिए केंद्रीय अनुबंध से बाहर होने का फैसला किया है। उन्होंने न्यूजीलैंड क्रिकेट के साथ आकस्मिक अनुबंध स्वीकार किया है, जिससे वह बिग बैश लीग में खेलने के लिए उपलब्ध रह सकेंगे।

चैपमैन न्यूजीलैंड की आगामी घरेलू श्रृंखला में भारत के खिलाफ खेलने के लिए उपलब्ध रहेंगे। उनके अलावा फिन एलन, लाकी फर्ग्यूसन, एडम मिल्न और टिम सीफर्ट भी इसी तरह के आकस्मिक अनुबंध पर हैं। बिग बैश लीग का आगामी सत्र 12 दिसंबर से 26 जनवरी तक खेला जाना है, जो न्यूजीलैंड के आस्ट्रेलिया दौरे और श्रीलंका के खिलाफ घरेलू सीमित ओवर श्रृंखला के साथ टकरा रहा है।

चैपमैन ने एक आधिकारिक बयान में कहा, मैं अपने पूरे करियर के दौरान समर्थन के लिए न्यूजीलैंड क्रिकेट का आभारी हूं। भारत के खिलाफ आगामी श्रृंखला को लेकर हम सभी खिलाड़ी बेहद उत्साहित हैं और मैं उस श्रृंखला में अच्छा प्रदर्शन करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध हूं।

चैपमैन के केंद्रीय अनुबंध से बाहर होने के बाद खाली हुई जगह नार्दर्न डिस्ट्रिक्ट्स के तेज गेंदबाज मैथ्यू फिशर को मिली है। फिशर को पहली बार न्यूजीलैंड क्रिकेट का केंद्रीय अनुबंध मिला है।

न्यूजीलैंड क्रिकेट के मुख्य उच्च प्रदर्शन अधिकारी डेरिल गिब्सन ने कहा, मैट फिशर के केंद्रीय अनुबंध सूची में आने से नार्दर्न डिस्ट्रिक्ट्स में एक स्थान खाली हुआ है, जिससे उनके विकास को जारी रखने के लिए एक और खिलाड़ी को अनुबंध सूची में शामिल करने का अवसर मिलेगा। मैट ने ब्लैककैप्स के लिए मिले अवसरों में प्रभावित किया है और उनकी तेज गति निश्चित रूप से ऐसी चीज है जिसे हम आगे विकसित करना चाहते हैं।

चयन प्रबंधक गेविन लार्सन ने कहा कि आगामी व्यस्त कार्यक्रम को देखते हुए टीम में तेज गेंदबाजी की पर्याप्त गहराई की जरूरत है। उन्होंने कहा, आने वाले व्यस्त क्रिकेट कार्यक्रम में भारत, आस्ट्रेलिया और श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट मैच शामिल हैं। हमें पता है कि ब्लैककैप्स को सफलता का सर्वश्रेष्ठ मौका देने के लिए तेज गेंदबाजी में अच्छी गहराई की जरूरत होगी। मैट ऐसी तेज गति से गेंदबाजी कर सकते हैं, जो किसी भी टीम के संतुलन के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। इसलिए उन्हें केंद्रीय अनुबंध सूची में शामिल कर हम उत्साहित हैं।

न्यूजीलैंड का घरेलू सत्र भारत के खिलाफ 22 अक्टूबर से शुरू होगा। भारत के खिलाफ 12 मुकाबलों की श्रृंखला में पांच वनडे, पांच टी20 अंतरराष्ट्रीय और दो टेस्ट मैच शामिल हैं, जो 1 दिसंबर तक चलेगी।

इसके बाद जनवरी के मध्य से न्यूजीलैंड की टीम श्रीलंका की मेजबानी करेगी, जिसमें तीन वनडे, तीन टी20 अंतरराष्ट्रीय और दो टेस्ट खेले जाएंगे। इन दोनों घरेलू श्रृंखलाओं के बीच न्यूजीलैंड चार टेस्ट मैचों के लिए आस्ट्रेलिया का दौरा करेगा।

यूएस ओपनः राइबाकिना क्वार्टर फाइनल में, झेंग से होगी भिड़ंत; गाफ तीन साल बाद अंतिम-8 में

न्यूयार्क

कजाकिस्तान की एलेना राइबाकिना ने पूर्व चैंपियन नाओमी ओसाका को सीधे सेटों में हराकर यूएस ओपन के क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली। दूसरी वरीय राइबाकिना ने ओसाका को 6-1, 6-4 से हराया। अब उनका सामना चीन की झेंग छिनवेन से होगा। सेमीफाइनल में पहुंचते ही राइबाकिना विश्व नंबर-1 बन जाएंगी।

राइबाकिना ने आन कोर्ट साक्षात्कार में कहा, बेशक मैं नंबर-1 बनना चाहती हूं। मैं ऐसे किसी व्यक्ति को नहीं जानती जो ऐसा नहीं चाहेगा। निश्चित रूप से यह मेरे लक्ष्यों में से एक है। मैं हर मैच को उसी तरह लेने की कोशिश करती हूं, अपना सर्वश्रेष्ठ देने और अंत तक लड़ने की कोशिश करती हूं। अब अगले मुकाबले में क्या होता है, देखते हैं।

झेंग छिनवेन ने आठवीं वरीय इगा श्वियातेक को 7-5, 6-3 से हराकर अंतिम-8 में प्रवेश किया। चीन की 2024 ओलंपिक चैंपियन झेंग लगातार दूसरे मुकाबले में शुरुआती पांच गेम गंवाने के बाद वापसी करने में सफल रहीं। वह 2021 में एमा राडुकानु के चैंपियन बनने के बाद यूएस ओपन के क्वार्टर फाइनल में पहुंचने वाली पहली क्वालीफायर बनीं।

इससे पहले झेंग ने मैडिसन कीज के खिलाफ तीसरे सेट में 0-5 से पिछड़ने के बाद लगातार सात गेम जीतकर 1-6, 7-6, 7-5 से मुकाबला अपने नाम किया था। श्वियातेक के खिलाफ भी वह शुरुआती पांच गेम हार गई थीं।

झेंग ने कहा, मेरा मानना है कि कल 0-5 से वापसी करना किस्मत नहीं थी।

मैं बस इतना ही कह सकती हूं।

राइबाकिना ने इस साल आस्ट्रेलियन ओपन जीतकर अपना दूसरा ग्रैंड स्लैम खिताब हासिल किया था और विश्व नंबर-2 उनकी करियर की सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग है। हारने के बावजूद उनके पास नंबर-1 बनने का मौका रहेगा, बशर्ते आर्यना सबालेंका, कोको गाफ या जेसिका पेगुला में से कोई भी खिताब न जीते।

ओसाका के खिलाफ मुकाबला केवल एक घंटे छह मिनट चला। राइबाकिना ने ऐस के साथ मैच समाप्त किया। इस समय वह महिला टेनिस संघ के पूरे दौरे में सबसे ज्यादा ऐस लगाने वाली खिलाड़ियों में शीर्ष पर हैं। ओसाका, जिन्होंने अपने चार ग्रैंड स्लैम खिताबों में से दो यूएस ओपन में जीते हैं, मुकाबले के दौरान पैर या टखने की समस्या से जूझती नजर आईं।

गाफ भी तीन साल बाद क्वार्टर फाइनल में

चौथी वरीय कोको गाफ ने 14वीं वरीय इवा जोविच को 6-1, 6-4 से हराकर तीन साल बाद यूएस ओपन के क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। गाफ ने 2023 में इसी टूर्नामेंट में अपना पहला ग्रैंड स्लैम खिताब जीता था। इसके बाद वह पिछले दो वर्षों में चौथे दौर से आगे नहीं बढ़ सकी थीं।

गाफ के सामने अब फ्रेंच ओपन चैंपियन और पांचवीं वरीय मिर्रा आंद्रीवा की चुनौती होगी। आंद्रीवा ने 24वीं वरीय अनास्तासिया पोटापोवा को 5-7, 6-4, 6-3 से हराया। मुकाबले के अंतिम गेम में पोटापोवा के घुटने में चोट लगने के बाद आंद्रीवा ने उनकी मदद भी की।

सलाह

क्यों होता है बच्चों में टेंशन, जाने कारण

एक्सपर्ट्स की सलाह से टेंशन को समझने और उससे उबरने के तरीके बता रहे हैं। हालांकि आजकल की टेंशन भरी जिंदगी में उन पर भी टेंशन की छाया आ सकती है। 2-3 साल तक के बच्चों से लेकर 16-17 साल की उम्र पार करने तक उन्हें किसी भी वजह से टेंशन हो सकती है।

पैरेंट्स का बर्ताव: अक्सर बच्चों में अपने भाई-बहनों को अधिक अटेंशन मिलने के कारण टेंशन देखा जाता है। दूसरे भाई-बहन के जन्म के बाद पैरेंट्स का अटेंशन नवजात शिशु पर अधिक हो जाता है और पहले बच्चे को मिलने वाला अटेंशन कम हो जाता है। नवजात शिशु के पास जाने के लिए भी उसे कई तरह की हिदायतें दी जाती हैं और जरा-सी लापरवाही पर उसे डांट पिला दी जाती है। इस तरह दूसरे बच्चे को मिलने वाले ज्यादा अटेंशन और प्यार के कारण उसमें हीन भावना आ जाती है। उसका मन उदास रहने लगता है।

पढ़ाई का बोझ, एग्ज़ाम्स का टेंशन: आज बच्चों के बस्ते पहले के मुकाबले काफी भारी हो गए हैं। उनके सब्जेक्ट्स भी बढ़े हैं और हर महीने क्लास टेस्ट, यूनिट टेस्ट, ट्यूशन टेस्ट आदि का दबाव अलग। किसी एक सब्जेक्ट में अच्छी पकड़ न बनने के कारण वह लगातार उसमें कमजोर होता जाता है। ऐसे में एग्ज़ाम्स के दौरान भी वे टेंशन में रहते हैं। सभी पैरेंट्स अपने बच्चे को फर्स्ट पोजिशन पर देखना चाहते हैं। इस कारण एग्ज़ाम्स के दौरान ज्यादा पढ़ाई और पूरी नींद न ले पाने के कारण टेंशन घेर लेता है।

मानसिक और शारीरिक टॉर्चर: प्रताडना शारीरिक हो या मानसिक, वह किसी को भी टेंशन में ले जा सकती है। फिर बच्चों का मन तो बहुत कोमल होता है। वह ऐसी स्थिति को कंट्रोल भी नहीं कर पाते। कभी-कभी पैरेंट्स ही बच्चों को मारने-पीटने लगते हैं। खुद पर ही नहीं, घर में दूसरों के साथ टॉर्चर का असर भी बच्चों पर पड़ता है

पैरेंट्स का बिजी रहना: बच्चे सबसे अधिक अपने पैरेंट्स के करीब होते हैं। पैरेंट्स के साथ होने से उनमें कॉन्फिडेंस आता है। लेकिन आजकल जब पैरेंट्स वर्किंग हैं तो ऐसे में वह अपने बच्चों के साथ वक्त नहीं बिता पाते और बच्चे खुद को अकेला पाकर टेंशन से घिरने लगते हैं।

दोस्तों से लड़ाई: दोस्ती एक खूबसूरत रिश्ता है और बचपन की दोस्ती का तो कहना ही क्या। इसमें दरार पड़ते ही किसी का भी मूड खराब हो सकता है। अक्सर लोग दोस्तों के साथ ही अपनी बातें शेयर करते हैं। बच्चों के लिए भी उनके दोस्त काफी अहम होते हैं। ऐसे में दोस्तों से लड़ाई उन्हें टेंशन में ला सकती है।

घर में टेंशन का माहौल: घर में यदि टेंशन भरा माहौल है तो उसमें बच्चे का टेंशन में आना स्वाभाविक है। आज की बदलती लाइफस्टाइल और तेजी से बढ़ते शहरों में रिश्तों की विश्वसनीयता घटती जा रही है और तलाक के मामले बढ़ते जा रहे हैं। जिससे बच्चों पर भी असर पड़ता है।

पॉकेट मनी का असर

पैसों की परेशानी सिर्फ बड़ों को ही नहीं बल्कि बच्चों को भी टेंशन में डालती है। बच्चे जब स्कूल जाते हैं तो उनके बीच में कुछ अमीर बच्चे होते हैं। जिनकी पॉकेट मनी ज्यादा होती है। ऐसे में पैसों की कमी के कारण बच्चा चिड़चिड़ा हो सकता है। वह पैरेंट्स से नई चीजें खरीदने के लिए जिद कर सकता है और मना करने पर टेंशन में आ सकता है।

खूबसूरत दिखने के आसान नुस्खे

सुंदर दिखना हर किसी की चाहत होती है। इसके लिए जरूरी नहीं है कि आप मंहगे उत्पाद का प्रयोग करें या ब्यूटी पार्लर पर जाए। चेहरे की खूबसूरती को निखारने के लिए जरूरी है कि आप इसका खास ख्याल रखें। जानिए कुछ आसान उपाय जिनसे आपकी खूबसूरती बरकरार रहेगी।

झुर्रियों करें दूर

एक चम्मच शहद में कुछ बूंदे नींबू के रस की मिलाकर चेहरे पर लगाने से चेहरे पर झुर्रियाँ नहीं पड़ती है।

चमक रखे बरकरार

एक चम्मच गुलाबजल और एक चम्मच दूध के मिश्रण में दो तीन बूंद नींबू का रस मिलाकर इसे चेहरे पर लगाने से त्वचा की कोमलता व चमक बनी रहती है।

स्क्रबिंग के लिए

टमाटर का टुकड़ा लेकर चेहरे पर हल्के हाथों से मसाज करें, चेहरे की सारी गंदगी साफ हो जाएगी। त्वचा को निखारने के लिए स्क्रबिंग बहुत जरूरी है। स्क्रब त्वचा की मृत कोशिकाओं, धूल इत्यादि को हटाकर रोमछिद्रों को बंद होने से रोकता है।

तैलीय त्वचा से पाएं छुटकारा

एक चम्मच नींबू का रस में एक चम्मच गुलाब जल और पिसा हुआ पुदीना मिलाकर 1 घंटे रखें। फिर चेहरे पर लगाकर 20 मिनट बाद धो लें। इससे चेहरे का चिपचिपापन दूर हो जाएगा।

कैसे पाएं निखार

त्वचा में निखार लाने के लिए थोड़े-से चोकर में एक चम्मच संतरे का रस, एक चम्मच शहद व गुलाब जल मिलाकर पेस्ट बनाएं। इस पेस्ट को चेहरे और गर्दन पर लगाएं। सूखने पर धो डालें।

त्वचा में कसावट

चेहरे व गर्दन पर शहद लगाएं। थोड़ा सा सूखने के बाद अंगुलियों से चेहरे पर मसाज करें। शहद के सूखने के बाद गुनगुने पानी से इसे साफ करें। इससे त्वचा में कसाव आएगा।

डार्क सर्कल से बचें

आंखों के नीचे झुर्रियां व डार्क सर्कल से बचने के लिए बादाम के तेल में शहद मिलाकर लगाएं और इस हल्के हाथों से मलें और धो लें।

क्लीजिंग के लिए

चेहरे से मेकअप को हटाने व धूल मिट्टी से बचाने के लिए क्लीजिंग जरूरी है। इसके लिए चावल के आटे में दही मिलाकर पेस्ट बनाएं और इसे चेहरे एवं गर्दन पर अच्छी तरह मलें। इसके बाद चेहरा धो लें।

रुखी त्वचा से बचें

नारियल के तेल में शहद और संतरे का रस मिला लें और इसे रुखी, फटी हुई त्वचा पर लगाएं। इस मिश्रण के सूखने के बाद गुनगुने पानी से धो लें और हल्के हाथ से पोंछकर नारियल का तेल या कोई और मॉइश्चराइर लगा लें।

दाग-धब्बे

चेहरे पर काले दागों को हटाने के लिए टमाटर के रस में रुई भिगोकर दागों पर लगाएं। इससे काले धब्बे साफ हो जाएंगे।

मुंहासों से पाएं छुटकारा

आलू उबाल कर छिलके छील लें और इसके छिलकों को चेहरे पर रगड़ें, मुंहासे ठीक हो जाएंगे।

इन एक्सरसाइज से पाएं झुर्रियों से छुटकारा

प्रेग्नेंसी के बाद स्किन लटकना, मोटा होना या फिर जरूरत से ज्यादा पतला हो जाना। इस तरह की समस्या आम होती है। कुछ विशेषज्ञों का कहना है कि सभी महिलाएं झुर्रियों से मुक्ति पा सकती हैं। इसके लिए उन्हें कुछ खास किस्म की एक्सरसाइज करनी होगी। अकसर महिलाओं की स्किन प्रेग्नेंसी के बाद लटकती है। दरअसल गर्भावस्था के दौरान महिलाओं का शरीर फैल जाता है। इससे उनकी स्किन भी फैलती है। लेकिन डिलीवरी के बाद स्किन वापस अपनी स्थिति में नहीं आ पाती। इसे आप ऐसे भी समझ सकती हैं। एक रबर बैंड के बारे में सोचिए। उसे आप जितना खींच सकती हैं, खींच लें। इसके बाद क्या वह अपनी पुरानी स्थिति में आ सकता है? नहीं। क्योंकि उसकी इलास्टिक ढीली हो चुकी होती है। ठीक ऐसी ही महिला की त्वचा होती है। यह ढीली होने के बाद आसानी से अपनी पुरानी स्थिति में नहीं लौट पाती। ऐसा खासकर उन महिलाओं के साथ होता है, जितना तेजी से वजन बढ़ता है और तेजी से वजन घट जाता है। अगर कोई महिला कभी मोटी नहीं भी हुई हो, तो भी एक समय सीमा के बाद त्वचा अपने आप लटकने लगती है। क्योंकि वह अपनी इलास्टिसिटी खो देती है।

क्या एक्सरसाइज से स्किन टाइट हो सकती है?: सामान्यत: किसी भी एक्सरसाइज से स्किन टाइट नहीं हो सकती है। दअरसल कोई भी ऐसी एक्सरसाइज नहीं है जिससे स्किन वापिस अपनी पुरानी स्थिति में लौटकर आ सके। हालांकि कुछ ऐसे मेथड हैं जिनके जरिए स्किन पहले जैसी न सही मगर कुछ बेहतर स्थिति में आ सकती है। इसके लिए महिलाओं को चाहिए कि वह कम कैलोरी वाले आहार ले। उन्हें यह बात दें कि फैड युक्त आहार न लें। इससे वजन घट सकता है। अत: इससे आप पतली तो हो सकती हैं। लेकिन त्वचा लटने वाली ही रह जाएगी। मतलब यह कि अपनी जीवनशैली में कोई भी ऐसी डाइट न शामिल करें जिससे वजन कम हो।

स्किन कैसे टाइट करें?

इसके लिए कुछ विशेष नही करना है। हर महिला को चाहिए कि वह रोजाना एक्सरसाइज करे। आपकी एक्सरसाइज में बैलेंस होना बहुत जरूरी है। कार्डियो के साथ साथ ट्रेनिंग भी लें। क्योंकि इससे आपकी फिगर आकर्षक बनेगा। तो साथ ही बाडी स्ट्रेंथ भी बढ़ेगी। इससे त्वचा को भी लाभ होगा और मसल्स के लिए भी असरकारक साबित होगा। महिलाएं चाहें वेट लिफ्टिंग कर सकती हैं। इससे उनके शरीर को एक आकर्षक आकार मिल सकता है।

चिंता का नाम ओ.सी.डी

कुछ लोगों को किसी काम या आदत की धुन इस कदर सवार होती है कि वह सनक बन जाती है और बीमारी का रूप ले लेती है। इससे उनकी लाइफ पर बुरा असर पड़ता है। ऐसे लोग ऑब्सेसिव कंप्लसिव डिसॉर्डर (ओसीडी) से पीड़ित होते हैं। दिक्कत यह है कि ज्यादातर लोग यह मानने को तैयार नहीं होते कि उन्हें ऐसी कोई समस्या है। हालांकि अगर वे वास्तविकता को स्वीकार कर लें, तो इलाज काफी आसान हो जाता है।

सुझाव

चावल के पानी से चेहरा धोने के फायदे

उबले चावल के पानी के स्वास्थ्य लाभों के बारे में शायद आप जानते होंगे। लेकिन क्या आप जानते हैं कि यह पानी सेहत के लिए जितना फायदेमंद है, त्वचा के लिए उतना ही गुणकारी। का चावल पानी आपकी खूबसूरती में चार चांद लगा सकता है। त्वचा की देखभाल के लिए घरेलू उपायों का प्रयोग करने वालों को पके चावल के पानी से बहुत फायदा हो सकता है। चावल के पानी का इस्तेमाल त्वचा की देखभाल के लिए भी किया जा सकता है। सप्ताह में एक बार इस घरेलू उपाय का इस्तेमाल करने से सौंदर्य से जुड़ी कई समस्याओं का निदान आसानी से हो जाता है।

त्वचा के लिए चावल का पानी

चावल के पानी में मौजूद प्रोटीन, विटामिन और एंटी-ऑक्सीडेंट की पर्याप्त मात्रा के कारण यह त्वचा में नमी बरकरार रहती है। इसके इस्तेमाल से त्वचा की रंगत निखरती है। चेहरे के दाग-धब्बों और झुर्रियों दूर होती है। इसके अलावा त्वचा में कसावट आती है और पोर्स टाइट होते हैं। इन खूबियों के चलते यह पानी एक अच्छा क्लींजर भी है।

इस्तेमाल करने का तरीका

- » एक कप चावल को अच्छी तरह से साफ करके पानी में भिगो दें।
- » आधे घंटे के बाद जब चावल में मौजूद पोषक तत्व पानी में घुल जाये तो बर्तन को गैस में रख दें और चावल को पकने दें।
- » चावल पकने के बाद उसका माड़ निकाल लें और इसे ठंडा होने के लिए छोड़ दें।
- » फिर इस पानी से अपने चेहरे पर हल्के हाथों से मसाज करें।
- » मसाज करने के 10 मिनट बाद चावल के पानी से ही अपना चेहरा धोकर सूखे कपड़े से चेहरा पोंछ लें।
- » आपको तुरंत अपनी त्वचा में बदलाव नजर आने लगेगा।

बालों के लिए फायदेमंद

त्वचा के साथ-साथ बालों के लिए भी चावल का पानी बहुत फायदेमंद होता है। अगर आप पतले और बेजान बालों की समस्या से परेशान है तो चावलों के पानी से बालों को धोये। चावल के पानी से बालों को धोने से बाल घने होने के साथ-साथ बालों में चमक भी बनी रहती है। चावल के पानी को अपने बालों में लगाकर 20 मिनट के लिए छोड़ दें। फिर शैम्पू और कंडीशनर से धो लें। आप महंगे ट्रीटमेंट के बिना पा सकते हैं, सुंदर और चमकीले बाल। लेकिन इस उपाय को अपनाने से पहले चिकित्सक से सलाह जरूर लें।

रोजाना काम आने वाले छोटे-छोटे किचन टिप्स

किचन का रख-रखाव आसान काम नही है। इसमें इस्तेमाल होने वाली हर खाने की चीज जैसे सब्जियां, दालें, बिस्किट के अलावा और भी बहुत सा जरूरी सामान होता है जिसे बहुत संभालकर रखने की जरूरत होती है। किचन से जुड़ी इन छोटी-छोटी बातों के बारे में हर औरत को पता होना जरूरी है, जिससे उनकी रोज-रोज बिना वजह दोहराई जाने वाली गलतियां दूर हो जाएंगी और काम भी आसान हो जाएगा।

इन चीजों को फ्रिज से रखें दूर

हम लोग अक्सर हर चीज को फ्रिज में रख देते हैं जैसे ब्रैड,आलू, केले और सेब। इन चीजों को बिना फ्रिज के बेहतर तरीके से स्टोर कर सकते हैं। आलू को फ्रिज में रखने से इसका स्वाद मीठा हो जाता है। टमाटर का स्वाद खराब और केले जल्दी खराब हो जाते हैं।

नॉनवेज को फ्रिजर में करें डिफ्रॉस्ट

नॉनवेज को पानी में न रखें। एक बाउल में मीट रखकर इसको फ्रिजर में डीफ्रॉस्ट करना चाहिए। पानी में रखने से इसका टेस्ट और जरूरी पोषक तत्व खराब हो जाते हैं।

ऐसे मैश न करें आलू

आलू को मैश करने के लिए ब्लैंडर का इस्तेमाल न करें। इससे यह चिपचिपे हो जाते हैं। इसका स्वाद बनाए रखने के लिए सिंपल तरीके से इसे मैश करें।

ऐसे उबालें पास्ता

पास्ता उबाल रहे हैं तो इसको पैन में डालकर गैस पर रख दें और एक मिनट के लिए करछी से न हिलाएं। इससे पास्ता खराब नहीं होगा।

ऐसे स्टोर करें ब्रैड

ब्रैड को फ्रिज में स्टोर करना है तो इसे अच्छी तरह से कवर करके ही रखें। इससे यह नहीं सूखेगी और बाकी चीजों का स्मैल भी इसमें नहीं जाएगी।

सेहत ही नहीं, चेहरे के लिए भी फायदेमंद है चॉकलेट

हर कोई चॉकलेट खाना पंसद करता है खास कर लड़कियां। इसे खाना सेहत के लिए भी बहुत फायदेमंद होता लेकिन सेहत के साथ-साथ ये त्वचा के लिए भी बहुत लाभदायक होती है। इसका फैस मास्क बना कर लगाने से चेहरे के दाग-धब्बे, रुखी त्वचा, झुर्रियां आदि ठीक हो जाते है। इसके अलावा इससे स्किन ग्लोइन हो जाती है।

तो आइए जानते है किस तरह चॉकलेट के इस्तेमाल से आप अपनी सुंदरता को ओर निखार सकती है।

झुर्रियां और दाग धब्बे

चॉकलोट में एंटीऑक्सीडेंट भरपूर मात्रा में होते है। इसे चेहरे पर लगाने से झुर्रियां और दाग धब्बे ठीक हो जाएंगे। इसके लिए एक-तिहाई कप में कोको पाउडर, 3 चम्मच शहद और कुछ नींबू की बूंदे मिलाएं। इसे अच्छी तरह मिलाने के बाद 20 मिनट तक चेहरे पर लगाएं। इसके बाद चेहरे को ठंडे पानी से धों लें। इससे त्वचा मुलायम होगी और चेहरे पर निखार आ जाएगा।

रुखी त्वचा

डार्क चॉकलेट में विटामिन, कैल्शियम, आयरन पाया जाता है।। इसे चेहरे पर मास्क की तरह लगाने से स्किन पर नैचुरल ग्लो आता है। इसमें कोको पाउडर, क्रीम, हनी और ओटमिल मिली कर अच्छी तरह मिक्स कर लें। इस पैक को हफ्ते में एक बार लगाने से कुछ ही समय बाद आपको चेहरे पर फर्क दिखने लगेगा।

चेहरे पर नमी

डार्क चॉकलेट में मौजूद एंटी-इनफ्लैमेटरी चेहरे में नमी को बनाकर उसे ड्राई होने से बचाते है। इसे लगाने से चेहरा मुलायम हो जाता है। इसके अलावा ये रक्त शर्करा के स्तर को नियंत्रित करके चेहरे पर कोमलता बनाए रखती है।

सूर्य की किरणें

अक्सर महिलाएं सूरज की किरणों से बचने के लिए सन-सक्रीन क्रीम ले आती है। पर अब आपको इसके लिए पैसे खर्च करने की जरुरत नहीं है। डार्क चॉकलेट को पिघलाकर चेहरे पर लगाने से आप सूरज की किरणों से बचे रहेंगे। इसके अलावा ये सनबर्न और रेडनेस भी ठीक करता है।

स्ट्रेच मार्क्स

चॉकलेट के अंदर लिनोलियम एसिड पाया जाता है। इसको चेहरे पर लगाने से स्ट्रेच मार्क्स पूरी तरह खत्म हो जाते है। इसे लगाने पर आपको इसके बेहतर परिणाम देखने को मिलेंगे। इसे खाने से चेहरे को बहुत से पोषक तत्व मिलते है जिससे आप बेदाग निखार पा सकती है।

रेसिपी

साबूदाना भेल

सामग्री

आधा कप साबूदाना, 1 आलू (टुकड़ों में कटा हुआ), चुटकीभर लाल मिर्च पाउडर, 1 बड़ा चम्मच मूंगफली, 1 बड़ा चम्मच काजू, 1 छोटा चम्मच नींबू का रस, 2 चम्मच तेल, सैंधा नमक स्वादानुसार, सजावट के लिए, 1 बड़ा चम्मच बारीक कटी हुई धनिया पत्ती

विधि

साबूदाने को अच्छे से धोकर साफ कर लें और 2 से 3 घंटे के लिए भिगो कर रख दें। धीमी आंच में एक पैन में तेल गर्म करने के लिए रखें। तेल के गर्म होते ही आलू के टुकड़ों को सुनहरा होने तक फ्राई कर लें। जैसे ही आलू के टुकड़े गोल्डन ब्राउन हो जाएं इन्हें एक प्लेट में निकालकर रख लें। आलू के बाद मूंगफली और काजू भी तलकर कटोरी में निकाल लें। अब दोबारा तेल डालें और तेल के गर्म होते ही पैन में साबूदाना डालें। जैसे ही साबूदाना सॉफ्ट हो जाए इसमें आलू के टुकड़े, मूंगफली,काजू, लाल मिर्च पाउडर और नमक मिलाकर 1 मिनट तक पकाएं और आंच बंद कर दें। साबूदाना भेल तैयार है। धनिया पत्ती से गार्निश कर सर्व करें।

प्याज उतपम

सामग्री

चावल 3 कप, उरद की धुली दाल 1 कप, दाना मेंथी एक छोटा चम्मच, प्याज 2 बारीक कटे हुए, हरी मिर्च 2 बारीक कटी, हरी धनिया बारीक कटी हुई, नमक स्वादानुसार, तेल सेकने के लिये।

विधि

उरद की दाल, चावल और मेथी को धोकर रात भर के लिये पानी में अलग अलग भिगो दें। भीगी हुई दाल से पानी निकाले और कम पानी डाल कर उरद दाल और मेथी को एक दम बारीक पीस कर किसी बड़े बर्तन में निकाल लीजिये। चावल को भी कम पानी का प्रयोग करते हु, थोड़ा सा मोटा पीसिए, दोनों को मिलाइये तथा गाढ़ा घोल तैयार कीजिये। मिश्रण को फरमैन्ट करने के लिये नमक डालकर, ढककर गरम जगह पर 12-14 घंटे के लिये रख दीजिये। फरमेन्ट किया हुआ मिश्रण फूलकर दोगुना हो जाता है। उतपम बनाने के लिये मिश्रण तैयार है। तवे को गरम कर के उस पर चौथाई चम्मच तेल डालें करीब दो करछी घोल गरम तवे पर गोल आकार में फैला दें। ऊपर से बारीक कटा प्याज, हरी धनिया और हरी मिर्च फैला दें। जब निचला भाग सिंक जाए तब धीरे से पलट कर दूसरी तरफ भी सेंक लें इसी तरह से दोनों तरफ से सुनहरा सेक लें। नारियल की चटनी और सांभर के साथ गरमागरम परोसे।

प्रकाशक राकेश शर्मा एवं मुद्रक आशीष लाहा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, फाटाशील, 2 नं., कादाबाड़ी मस्जिद के पास, ए.के. देब रोड, गड़चुक, कामरूप मेट्रोपॉलिटन, असम-781035 से मुद्रित एवं हाउस नं. 26, बिशिनु पथ, बाई 2, रुक्मिणी गांव, कामरूप मेट्रो पॉलिटन, असम-781022 से प्रकाशित।
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● कार्यकारी संपादक : प्रदीप शील ● सहयोगी संपादक : रवि शंकर चौधरी ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय) e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, (सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)